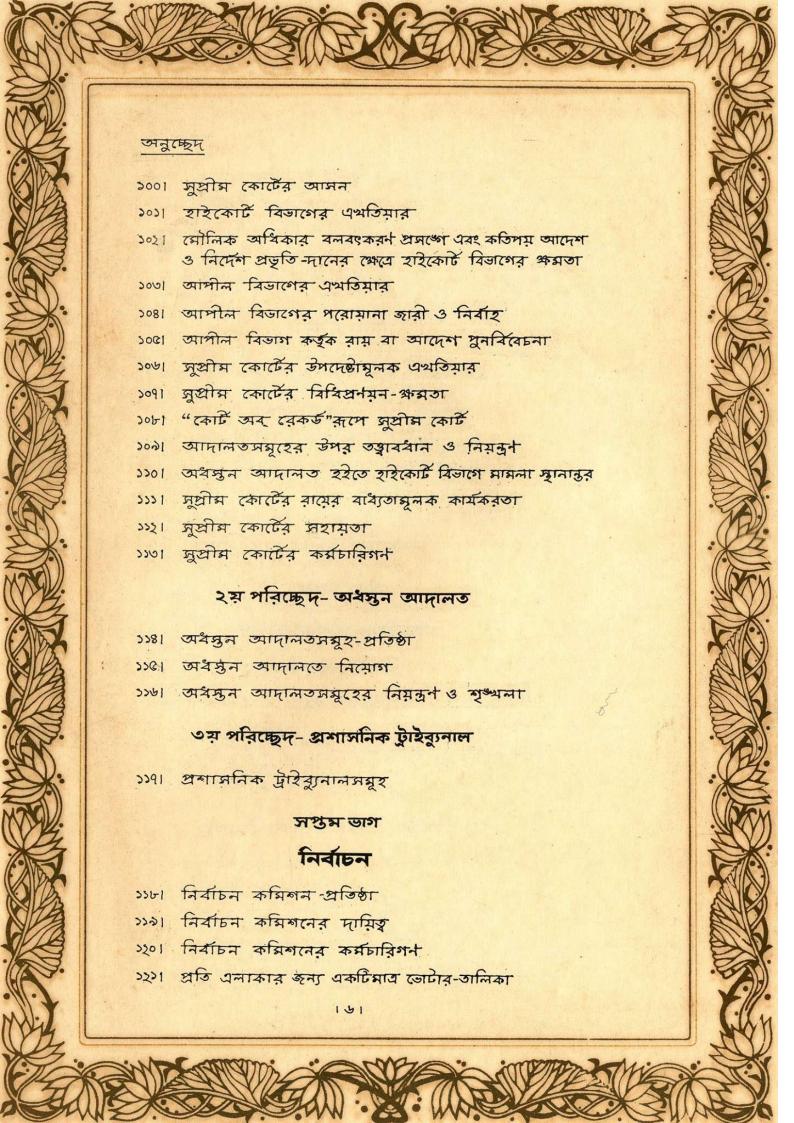


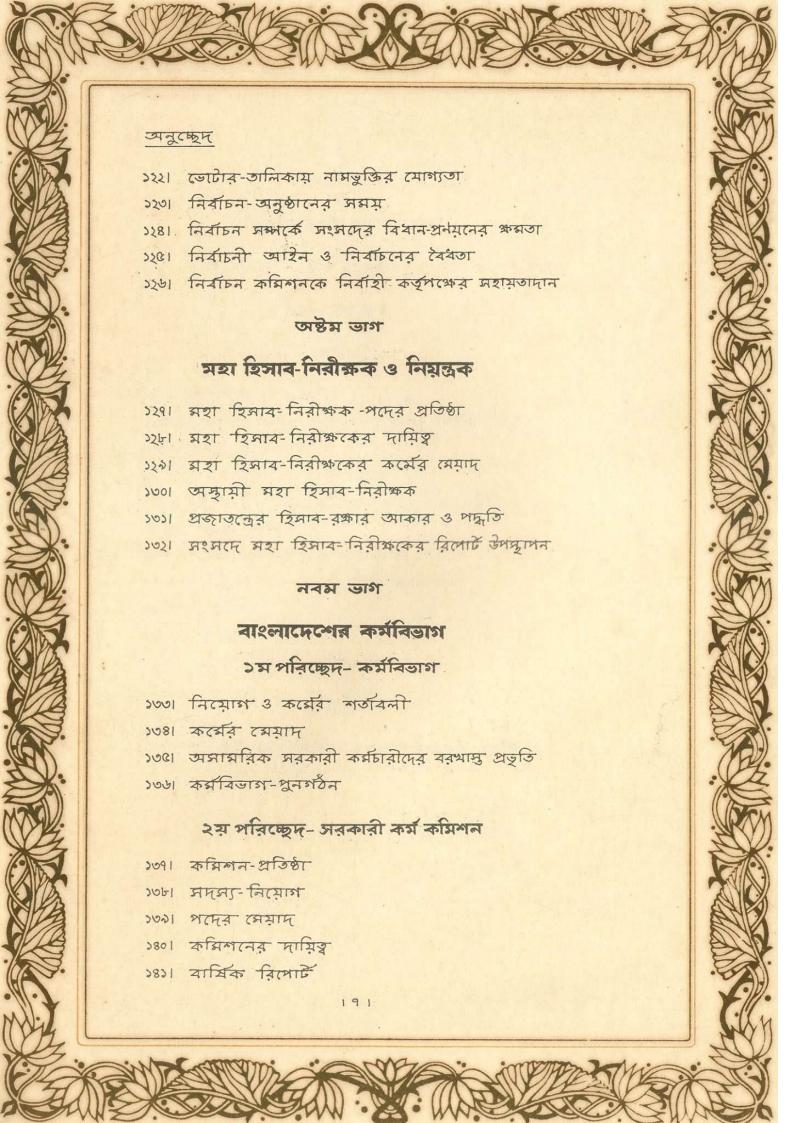
यनु एक म ২৭। অবৈতনিক ও বাশ্যতারূলক শিক্ষা জ্নস্থাস্থ্য ও নৈতিকতা ১৯। সুমোগের সমতা অবিকার ও কর্তব্যরূপে কর্ম 201 नागत्रिक अ अत्काती कर्मातीएत कर्या 201 নিবাঁহী বিভাগ হইতে বিচারবিভাগের পৃথকীক্রন काजीय मः कृति 201 জাতীয় স্মৃতিনিদ্শন প্রভৃতি 281 ২৫। আনুর্জৃতিক শান্তি, নিরাপতা ও সংহতির উন্নয়ন তৃতীয় ভাগ মোলিক অধিকার মৌনিক অধিকারের সহিত অসমঞ্জন আইন বাতিল আইনের দৃষ্টিতে সমতা 291 ধর্ম প্রভৃতি কার্নে বৈষ্ণ্য 261 সরকারী নিয়োগলাভে সুযোগের সমতা 221 উপात्रि, असान उ ভূষतित विलाभजावन 1001 आहेरात आध्रमार्डत अधिकात 110 জीयन उ व्यक्ति-म्वाभीनजात अधिकात-त्रक्रन 150 গ্রেপ্তার ও আটক সম্পর্কে রক্ষাকবচ 100 জ্বর্দন্তি-শ্রম নিষিদ্ধকর্ন 180 বিচার ও দন্ত সমার্কে রক্ষণ 100 म्लारकतात स्राधीनजा 041 ৩৭। সমাবেশের স্বাধীনতা ७५। ज्ञश्मर्यस्य स्वीन्जा 121

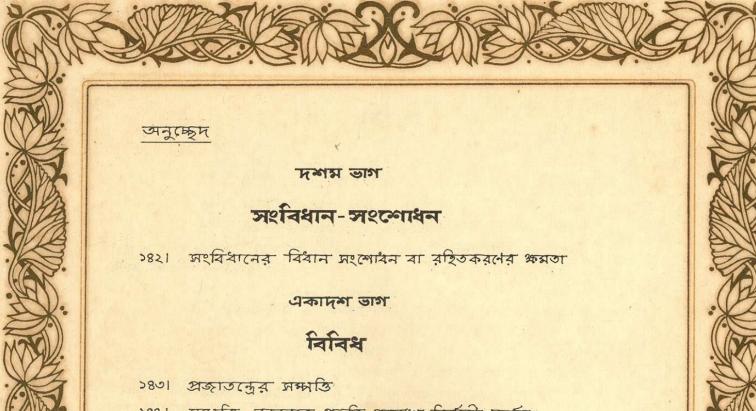
अनु एकु प চিন্তা ও বিবেকের স্থাশীনতা এবং বাক্-স্থাশীনতা ७०। পেশা বা বৃতির স্থানীনতা 801 ধর্মীয় স্থাধীনতা 831 রক্ষতির অধিকার 821 शृह 3 त्याशात्यात्भव वक्षन 801 88। মৌলিক অধিকার বলবংকর শৃঙ্খনামূলক আইনের ক্ষেত্রে অধিকারের পরিবর্তন 128 দाममुकि-विशालक अभ्राज 198 কতিপম আইনের হেফাজ্ত 891 চতুর্থ ভাগ নিৰ্বাহী বিভাগ ২ম পরিচ্ছেদ্- রাষ্ট্রপতি রাষ্ট্রপতি 851 গ্রুমাপ্রদর্শনের অধিকার 821 वाङ्गेभिज-भएम्स स्मिमाम 100 রাষ্ট্রপতির দায়মুক্তি 100 রাষ্ট্রপতির অভিশংজন 321 অদামর্থের কার্নে রাষ্ট্রপতির অপদারন 100 अनुभिष्ठि अवृण्यि काल दाष्ट्रेभिष्ठ-भए स्मीकाद 180 ২য় পরিচ্ছেদ-প্রধানমন্ত্রী ও মন্ত্রিসভা अम्रिज्ञ 100 मित्रिशन 691 श्रिभानमन्त्रीत भएत सम्माप 691 অন্যান্য মন্ত্রীর পদের মেমাদ ৩য় পরিচ্ছেদ্– স্থানীয় শাসন ज्यानीय माजन

ञनु एकु प ७०। ज्ञानीय गाजन-ज्ञानु अविशानव क्षमजा ৪র্থ পরিচ্ছেদ-প্রতিরক্ষা কর্মবিভাগ ৬১। সর্বাধিনামকতা ৬২। প্রতিরক্ষা কর্মবিভাগে ভর্তি প্রভৃতি 901 युक्त एम পরिक्क्रिप- अगाउँ तिं-रङ्गात्नल ७८। ज्याप्रेनि-व्हिनाद्वल পঞ্চম ভাগ আইনসভা ১ম পরিচ্ছেদ্- সংসদ 401 সংসদ-প্রতিষ্ঠা **जः जार्म नियां किल इरेवार त्या गुजा अ जार्मा गुजा** 441 ७१। जः प्रति जाप्रत सूना रउमा সংসদ্-সদ্স্দের বেতন প্রভৃতি 461 मामधाइतिक भूदि याजनधाइते वा छाउँमान कविला 4न। जम्राज्ञ व्यथम्ड রাজনৈতিক দল হইতে পদ্ত্যাগ বা দলের বিপঞ্জে ভোটদানের কার্পে আসন মুন্য হওয়া 951 দ্বৈত-সদ্স্যতাম বাখা ज्ञाप्त अविद्यमन 921 ৭৩। সংসদে রাষ্ট্রপতির ভাষ্ক ও বানী 981 स्नीकात उ उप्रूटि स्नीकात কামপ্রণালী-বিধি, কোরাম প্রভৃতি 100 १७। प्रश्माप्त म्यो किपिनिमूर ११। नामभान १७। ज्ञाम अ प्रमाराम्य विलाध-अधिकात अ मास्मुकि

अनु दक्ष्म १३। जः अप- अध्यालम ২য় পরিচ্ছেদ্ - আইনপ্রনায়ন ও অর্থা - সংক্রান্ত পদ্ধতি आरेनस्रनम्बन-भक्ति अर्थित । 6-21 आर्थिक युवम्।वनीव मूभाविम अश्मिर्त आईन यु**डीड क**दााताल याथा সংমুক্ত তহবিল ও প্রকাতন্ত্রের সরকারী হিদাব 184 be। अवकावी अत्यंत निम्**तुन** bb। প্রজাতন্ত্রের সরকারী হিদাবে প্রদেয় অর্থ বার্ষিক সাথিক বিবৃতি 691 সংমুক্ত তহবিলের উপর দাম বার্ষিক আর্থিক বিবৃতি সন্দর্কিত পদ্ধতি निर्मिकेक्द्रने आरेन 201 সন্ধুরক ও অতিরিক্ত মঙ্গ্রী 100 হিসাব, ঋণ প্রভৃতির উপর ভোট 221 ৩ য় পরিচ্চেদ- অধ্যান্তদশপ্রন্যন-ক্ষমতা ৯৩। অখ্যাদেশস্থৰ্মন-ক্ষমতা ষ্ঠ ভাগ বিচারবিভাগ ১ম পরিচ্ছেদ্ - সুপ্রীম কোর্ট मुखीम कार्ट-श्रु िश्री २८। विठातक-नित्याभ 231 বিচারকদের পদের সেমাদ २५। प्रमुग्री अधान विहादमि -निस्मानः দুল্লীম কোর্টের অতিরিক্ত বিচারকপন ১৯। অবসর্গ্রহনের পর বিচারকদের অক্ষরতা







- ১৪৪। সন্দত্তি, কারবার প্রভৃতি প্রদ্রঞ্জে নির্বাহী কর্তৃত্ব
- 1881 हुकि उ मिलल
- 2891 वाल्लातिस्व नास बाबला
- ১৪৭। কতিসম পদাবিকারীর পারিশ্ররিক প্রভৃতি
- १८६। अरप्य मध्य
- ১৪৯। প্রচনিত আইনের হেফাজ্ত
- २००। कान्तिकालीन उ अमृश्मी विधानावली
- ১৫১। बङ्जिकवर्न
- ३७१। युग्था
- ১৫৩। প্রবর্তন, উল্লেখ ও নির্ভর্যোগ্য পাঠ

ত্যাসিল

- 21 अनुतान विश्वान मासु कार्यकत आहेन
- श बाबुअि-नियांकन
- ৩। শপথ ও ঘোষনা
- 8। क्रानिकालीन ও अष्ट्राग्नी विधानावली

अग्रानना

তি আমরা, বাংলাদেশের জ্নগন, ১৯৭১ খ্রান্টান্তের মার্চ মাসের ২৬ তারিখে স্থাধীনতা ঘোষনা করিয়া জ্যতীয় মুক্তির জ্ন্য ঐতিহাসিক সংগ্রামের মার্মে স্থাধীন ও সার্বভৌম গনপ্রজ্যতন্ত্রী বাংলাদেশ প্রতিষ্ঠিত করিয়াচি;

সায়য়া সঙ্গীকার করিতেচি মে, মে সকল য়হান সাদেশ আমাদের বীর জনগণকে জাতীম য়ুক্তিসংগ্রামে আত্মনিয়োগ ও বীর শহীদদিগকে স্থানোংসর্গ করিতে উদুদ্ধ করিয়াচিল— জাতীয়তায়াদ, য়য়াজ্তন্ত্র, গণতন্ত্র ও বর্মনিরপেক্ষভার মেই সকল সাদেশ এই সংবিধানের ঘূলনীতি হইবে;

আয়য়া আয়ও অঙ্গীকার করিতেছি য়ে,
আয়াদের রাণ্ট্রের অন্যতম মূল লক্ষ্য হইবে গণতারিক
পদ্ধতিতে এয়ন এক শোষ্ট্রপক্ত য়য়াজতারিক সয়াজের
প্রতিষ্ঠা— মেখানে সকল নাগরিকের জন্য আইনের
শাসন, য়ৌলিক মানবাবিকার এবং রাজনৈতিক,
অর্থনৈতিক ও সায়াজিক সায়্য, য়ৢাধীনতা ও সুবিচার
নিশ্চিত হইবে;

আমরা দৃঢ়ভাবে ছোমনা করিতেছি মে, আমরা
মাহাতে দ্বাধীন দন্তাম দ্বদ্ধি নাভ করিতে পারি এবং
মানবজাতির প্রগতিশীন আশা- আকা শ্রুমার দহিত
দ্বংগতিরক্ষা করিয়া আনুর্জাতিক শান্তি ও দহমোগিতার
ক্ষেত্রে পুন ভূমিকা পানন করিতে পারি, দেইজ্ন্য
বাংলাদেশের জনগণের অভিপ্রামের অভিব্যক্তিদ্বর্গ
এই সংবিধানের প্রাধান্য অক্ষুদ্ধ রাখা এবং ইহার
রক্ষণ, দমর্মন ও নিরাপত্তাবিধান আমাদের পবিত্
কর্তব্য;

এতদারা আয়াদের এই গনপরিষদে, অদ্য তের শত ঊনআশী বঞ্চানেরে কার্তিক মাদের আঠার তারিখা, মোতাবেক ঊনিশ শত বাহাত্তর খ্রীস্টানের নভেম্বর মাদের চার তারিখো, আয়রা এই সংবিধান রচনা ও বিধিবদ্ধ করিয়া য়য়বেতভাবে গ্রহন করিলাম।

প্রথম ভাগ

প্রজাতন্ত্র

- ১। বাংলাদেশ একটি একক, দ্বাধীন ও সার্বভৌম প্রকাতক্র প্রকাতক্র, মাহা "গণপ্রজাতক্রী বাংলাদেশ" নামে পরিচিত হইবে।
 - 2। প্রজাতন্ত্রের রাষ্ট্রীয় দীয়ানার অন্তর্ভুক্ত হইবে

प्रकारत्त्र सङ्गीसं जीझाना

- (ক) ১৯৭১ খ্রীষ্টাব্দের মার্চ মাসের ২৬ তারিখে স্থানীনতা ঘোষনার অব্যবহিত পুর্বে যে সকল এলাকা লইয়া পুর্ব পাকিস্তান গঠিত ছিল ; এবং
- (খ) মে সকল এলাকা পরবর্তীকালে বাংলাদেশের জীয়ানাভুক্ত হইতে পারে।
- ৩। প্রজাতন্ত্রের রাষ্ট্রভাষা বাংলা।

রাষ্ট্রভাষা

8।(১) প্রজাতন্ত্রের জাতীয় সঞ্জীত "আদার সোনার বাংনা"র প্রথম দশ চর্ব। জাতীয় সঙ্গীত, পতাকা ও প্রতীক

- (২) প্রজাতদ্রের জাতীয় পতাকা হইতেছে সবুজ ক্ষেত্রের উপর স্থাপিত বক্তবর্ণের একটি ভরাট বৃত্ত।
- (৩) প্রজাতনের জাতীয় প্রতীক ইইতেছে উভয় পার্থে ধান্যশীর্মবৈপ্তিত, পানিতে ভারমান জাতীয় পুঞ্জ শাপনা, ভাহার শীর্মদেশে পাটগাছের তিনটি পরস্কারসংযুক্ত পত্র, তাহার উভয় পার্থে দুইটি করিয়া তারকা।
- (৪) উপরি-উক্ত দ্ফাসরূহ-সাপেক্ষে জাতীয় সঞ্জীত, পতাকা ও প্রতীক দেশকিত বিশানাবলী আইনের দ্বারা নিশারিত হইবে।
 - ©। (२) श्रङ्गाङत्तुतः त्राङ्ग्यानी पाकाः ।

<u> वाक्थानी</u>

- (२) त्राक्षानीत जीमाना आरेतत पृता निर्वातिज रहेत्व ।
- ৬। বাংলাদেশের নাগরিকত্ব আইনের দারা নাগরিকত্ব নিশারিত ও নিয়ন্তিত হইবে; বাংলাদেশের নাগরিকগন বাঙানী বলিয়া পরিচিত হইবেন।
- প। (২) প্রকৃতিক্রের সকল ক্ষরতার মানিক জ্নগান ; এবং জ্নগানের পক্ষে সেই ক্ষরতার প্রয়োগ

प्रश्विधालम् प्राधानर

क्वियम और प्रश्विधात्मद अधीम ३ कर्ष्य कार्यकर रहे(व। (২) জ্নগণের অভিপ্রামের পরর অভিব্যক্তিরূপে এरे प्रश्विधान श्रकालत्तुत प्रतिष्ठ आहेन थवः अनु त्कान आहेन मिन अहे जर्विवातन प्रिक अप्रमञ्ज रूम, जारा रहेत्न मिरे आहेत्तर मञ्चानि अमामअमा-भूमें, ज्ज्यानि वाजिल दरेरव ।

দ্বিতীয় ভাগ

नाष्ट्रेश्रविघालनात भूलनीिं

🕩। (১) জাতীয়তাবাদ, সমাজ্তনু, গর্ণতনু ও মূননীতিদরূহ বর্মনির্পেক্ষতা- এই নীতিসমূহ এবং তংগহ এই नीठिप्रबूद दरेल डेप्टूट अदे जाल यनिक अनु त्रकल नीजि बाद्धेणविष्ठालनाव मूलनीजि वलिमा भविभिंठ दरेता।

(2) अरे जाल वर्निज नीजिन्नमूर वाल्नारम्भ-পরিচালনার मूलमूज रहेत्व, आहेनश्रनेमनकाल मार्द्रे তাহা প্রয়োগ করিবেন, এই সংবিধান ও বাংলাদেশের अन्याना आहेत्वत याभ्यापात्वत एकत जहा निर्देशक ररेत अवः जारा हार्ड 3 नाभित्रकापन कार्यन जिंडि ररेत, ज्य परे प्रकल नीजि आमाल्य मार्थाप्र वलवद्राभागु रहेरव ना ।

🔊। ভাষাগত ও সংস্কৃতিগত একক সম্ভাবিশিস্ট त्य वाक्षाली कृष्ठि अकावम् ३ प्रक्रकस्वम् प्रश्वाम करिया क्राठीय मुकियुद्धत मानारम बाल्नारम्लात म्वादीन्जा अ प्राद्धिमञ् व्यक्त कतिमाह्न, प्रिरे वाक्षाली क्राजित भेका 3 प्रश्रिक देशेव वाक्षाली জাতীয়তাবাদের ভিত্তি।

<u>ক্রাভীম্ভাবাদ</u>

>0। झानू (अव अन्तू सानू (स्वापन रहेर्क मुक न्यासानूका ७ जाबारवामी प्रवाक्तां निकित करिवार उत्पाल प्रमाज्ञानिक अर्थनेष्ठिक युवना अञ्ची कता रहेरव ।

সমাজ্তন্ত্র ও শোষ-দ্যুক্তি

अङ्ग्रिक श्रेत वकि भनेज्य, त्मभात (ब्रोलिक ब्रानवाधिकात 3 श्राधीनजात निक्रम्जा थाकित्व, मानवज्ञात मर्गामा अ मूत्नात प्राठि अद्वादाय निक्ठि रहेटा पदः अनामत्तर मकल পর্মামে নির্বাচিত প্রতিনিধিদের য়াধ্যমে জ্নগণের कार्यकत अश्मश्रद्भ निकिठ दरेता।

গনতন্ত্র ও মানবাধিকার

>2। वस निरंशिक जार नी विवास वामित्र किना

ধর্মনিরশেক্ষতা ও ধর্মীয় স্থাধীনতা

प्रवस्त्रकात आम्भुपामिकना,

वाष्ट्रे कर्क कान यहाँक वाङ्रोनिक मर्यापामान,

- (গ) রাজনৈতিক উদ্দেশ্যে ধর্মের অপব্যবহার,
- ্ঘ) কোন বিশেষ বর্ষপালনকারী ব্যক্তির প্রতি বৈষ্ণম্য বা তাঁহার উপর নিপীড়ন বিলোপ করা হইবে।

>৩। छेरमाम्त्रमञ्ज, छेरमाम्तवाबम् उ वन्नेनश्रनीली -अमूर्व मालिक वा निम्नुक दरेखन क्रननन पवर पदे डिल्ल्सा मालिकाना-वाबम् निम्नुक्रम दरेख:

झानिकामात्र नीजि

- (क) वाष्ट्रीय मानिकाना, अर्थाए अर्थतिनिक जीवति अवान अवान (क्षेत्र नरेश प्र्षू उ भिन्नीन वाष्ट्रीय प्रकारी भाज प्रिक्ति मानास जनगरीव भाक वाष्ट्रेय मानिकानाः
- (খ) সমবামী মালিকানা, অর্থাৎ আইনের দ্বারা নির্বারিত সীমার মধ্যে সমবায়সমূহের সদস্যদের পক্ষে সমবায়সমূহের মানিকানা; এবং
- (গ্) ব্যক্তিগত লানিকানা, এখাঁও সাইনের দারা নির্বারিত সীলার দধ্যে ব্যক্তির লানিকানা 1

38। রাষ্ট্রের অন্যতম মৌলিক দায়িত্ব হইবে মেহনতী মানুষকে – কৃষক ও প্রয়িককে এবং জ্নগপের অনগ্রসর অংশসমূহকে সকল প্রকার শোধন হইতে মুক্তি দান করা। কৃষক ও শ্রমিকের মুক্তি

эс। हार्द्धेत अनाउम मोनिक मासिञ्च रहेरव भविकन्ति अर्थाति जिक विकास्त्र प्रावाहत छेरुणाम्त-मिक्त क्रमवृद्धिमानिन अवर क्रनगलेन कीवन सामात वसुगठ उ अरम्भू जिगठ झात्तत मृष् छेन्नजिप्रावेन, साग्रिल नागविकर्पत कृता निञ्जनिधिज विषय प्रमूर अर्जन निक्षिण कहा साम : मৌनिक अस्माङ्गत् वार्यम्

- (ক) সরু, বন্তু, আগ্রম্, শিক্ষা ও চিকিৎ সাসহ জ্যাবনধার নের মৌনিক উপকর নের ব্যবস্থা;
- (খা) কর্মের অধিকার, অর্মাণ্ড কর্মের গুণে ও পরিয়াপ বিবেচনা করিয়া মুক্তিসঙ্গত মজুরীর বিনিয়য়ে কর্মশংস্থানের নিশ্চয়তার অধিকার ;
- (গ) মুক্তিসঞ্জত বিশ্রাম, বিনোদ্ন ও অবকাশের

अधिकातः; प्रवश्

(ঘ) সামাজিক নিরাপতার অধিকার, অর্মাণ্ বেকার্ক্ব, ব্যাধি বা সঙ্গুস্থজ্নিত কিংবা বৈবিব্য, রাতাপিস্থীনতা বা বার্ষক্যজ্নিত কিংবা অনুরূপ অন্যান্য পরিদ্ভিজ্নিত আয়তাতীত কার্নে অভাবগুদ্ধতার ক্ষেম্বে সরকারী সাহাম্যুলাভের অধিকার।

अ। नगत ३ श्रामाऋलित जीवनमायात मातित रिवमम् क्रमागठ जार्य मृत् कित्वात केल्ला क्रिविश्लर्य विकाग, श्रामाळल रेपपुजीकत्तीत ब्युक्त, क्रिविश्लर्य जनगाना निल्लेस विकाग यवः निक्रा, त्यागात्याग-युक्त उन्द्रास्मृत जेन्नस्तत मानास्त श्रामाळलात आसूल क्रामानुत्रमावितत कृता वासु कार्यकृत युवम् शर्म कित्रिन।

शामीने डेन्नम्न उ कृषिविध्यय

२१। ताहु

(ক) একই পদ্ধতির গণমুখী ও সর্বজ্নীন শিক্ষা-ব্যবস্থা প্রতিষ্ঠার জন্য এবং আইনের দ্বারা নির্মারিত স্তর পর্মন্ত সকল বালক-বানিকাঞ্জ অবৈতনিক ও বাহাঁতামূলক শিক্ষাদানের জন্য,

অবৈতনিক ও বাব্যতামূলক শিক্ষা

- (খ) সমাক্রের প্রয়োজনের সহিত শিক্ষাকে নঞ্জতিপূর্ন করিবার জন্য এবং সেই প্রয়োজন
 সিদ্ধ করিবার উদ্দেশ্যে ম্থাম্ম প্রশিক্ষর্মপ্রাপ্ত ও সদিদ্ধাপ্রধাদিত নাগরিক সৃষ্টির
 জন্য,
- (গ) আইনের দ্বারা নির্মারিত সময়ের সর্ব্য নিরক্ষরতা দ্ব করিবার জ্ন্য কার্মকর ব্যবস্থা গ্রহণ করিবেন।

३৮। (३) ज्ञनंतर्न पूछित जुन-डेन्न्यन ३ ज्नन्नात्मृत् डेन्निज्ञान्नरक ताड्डे जनाउम श्राथमिक कर्जन विस्ता शनेत करियन अवः विस्मित्र आखालातः श्रायाज्ञन किश्वा आरेत्नद चाना निर्मिश्चे जनत्विय श्रायाज्ञन बाजीक मातु ३ ज्यनानातु मान्क भानीम् अवः म्नामुर्शनिक्त ज्याज्ञ व्याप्तान्त्र निष्टिष्क्त व्याप्तान्त्र क्रिस्त् क्रम् वाड्डे कार्यक्र बाजीका श्राप्त व्याप्तान्त्र निष्टिष्क्तक्रत्तिन क्रम् वाड्डे कार्यक्र व्याप्तान्त्र श्राप्तान्त्र व्याप्तान्त्र व्याप्तान्त्य व्याप्तान्त्य व्याप्तान्त्य व्याप्तान्त्य व्याप्तान्त्र व्याप्तान्त्य व्याप्तान्त्य व्याप्तान्य व्या

(२) शिनकार्ति ३ जूगात्थला नितादित ज्ना वार्षे कार्मकत यायम्। शहने कतित्वन ।

১৯। (১) সকল নাগরিকের জ্ন্য সুযোগের সরতা সুলোগের সমতা

জ্নদ্বাদ্যু 3 নৈতিকতা निकिठ कविल बाद्दे महार रहेवन ।

(২) রানুষে মানুষে সারাজিক ও অর্থনৈতিক অর্রার্য বিলোপ করিবার জন্য, নাগরিকদের মধ্যে সক্ষাদের সুমর বন্টন নিশ্চিত করিবার জন্য এবং প্রজাতন্ত্রের সর্বত্র অর্থনৈতিক উন্নম্নের সরান দুর অর্জনের উদ্দেশ্যে সুমর সুযোগ-সুবিধাদান নিশ্চিত করিবার জন্য রাষ্ট্র কার্মকর ব্যবস্থা গ্রহণ করিবেন।

২০। (১) কর্ম হইতেচ্ছে কর্মক্ষম প্রত্যেক নাগরিকের পক্ষে অধিকার, কর্তব্য ও সন্মানের বিষয়, এবং "প্রত্যেকের নিকট হইতে মোগ্যতানুয়ারে ও প্রত্যেককে কর্মানুমায়ী"— এই নীতির ভিত্তিতে প্রত্যেকে দ্বীয় কর্মের জন্য পারিপ্রয়িক লাভ করিবেন।

অধিকার ও কর্তব্যরূপে কর্ম

- (২) রাষ্ট্র এমন অবদ্যুস্ন্তির চেন্টা করিবেন, মেখানে সাধারন নীতি হিমাবে কোন ব্যক্তি অনুপার্ত্তিত আয় ভোগ করিতে সমর্থ হইবেন না এবং মেখানে বুদ্ধিবৃত্তিমূলক ও কায়িক— সকল প্রকার শ্রম সৃষ্টিধর্মী প্রয়ামের ও মানবিক ব্যক্তিত্বের পূর্নতর অভিব্যক্তিতে পরিনত হইবে ।
- 2)1 (२) प्रश्विधान ७ आहेन प्रामा कहा, शृध्यमा तृका कहा, नागदिकपाग्रिञ्च भानन कहा थवर क्रिंग प्रमाडि तृका कहा अल्युक नागदिकद कर्ज्य।

নাগরিক ও সরকারী কর্মচারীদের কর্তব্য

- (२) प्रकल प्रमाम जनगर्नर प्रिया करियार एकी करा अङ्गिरद्धर कर्मि नियुक्त अलाक गुक्तिर कर्वगु ।
- 22। রাষ্ট্রের নির্বাহী অজ্ঞাসমূহ হইতে বিচার বিভাগের পৃথকীকরন রাষ্ট্র নিশ্চিত করিবেন ।

নিৰ্বাহী বিভাগ হইতে বিচাৰবিভাগের পুথকীকর্ন

201 ताष्ट्रे जनगर्भत प्रारम्भ जिक पेण्टिए उ डेड्स-विकात त्रक्षर्भत ज्ञा नावम् अद्यं कित्वन प्रवर् काणेस जामा; प्रारिण उ निकाननाममूद्द प्रमन प्रतिर्धाभन उ डेन्स्स्त्व नावम् अद्यं कित्वन, प्रार्ण प्रविद्वत ज्ञाने काणेस प्रश्कृणित प्रमृद्धि प्रवपान नाधिनात उ अर्म्थादन कित्वात प्राप्तान नाज कित्ल प्रारम ।

জাগীয় সংস্কৃতি

281 বিশেষ শৈন্দিক কিংবা ঐতিহাসিক গুরুত্ব-সদ্পর বা তাৎপর্মমন্তিত জ্তিনিদর্শন, বদ্ধ বা দ্দেদ্ধ্রক বিকৃতি, বিনাশ বা অপসার্থ হইতে রক্ষা করিবার

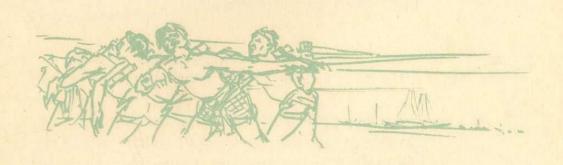
জাতীয় স্মৃতিনিদর্শন শ্রভৃতি

क्ता बाद्धे यावम्। अर्भ कवित्रम ।

२৫। ङाजोग मार्वाजाम ३ ममजान श्रिक श्रमा, अनुगान बाह्नेन अञ्चान निष्मा रमुक्षण ना करा, आनुङ्गिक विद्यादेन भानिभूने प्रमाचान अवर आनुङ्गिक आहेतन ३ ङ्गाजिमाश्चन प्रमान विरंज नीजिम्मूर्य श्रिक श्रमा— अरे मकन नीजि रहेल बाह्नेन स्थानुङ्गिक प्रमान विश्व अद्यान अरे प्रकन नीजिन्न स्थानुङ्गिक प्रमानक्षित विश्व अद्यान अरे प्रकन नीजिन विरंजित सम्माक्षत विश्व अवर अरे प्रकन नीजिन विश्व वाह्ने

আনুর্জাতিক শান্তি, নিরাপত্তা ও সংহতির উন্নয়ন

- (ক) সান্তর্জাতিক সমার্কের ক্লেমে শক্তিপ্রয়োগ পরিহার এবং সাধারণ ও সম্মূর্ণ নির্দ্রী-করণের জন্য চেপ্টা করিবেন;
- (খ) প্রত্যেক জাতির দ্বানীন সভিপ্রাম্-অনুমায়ী পথ ও পর্বার মাধ্যমে স্ববার্থে নিজ্দ্ব সারাজিক, স্থানৈতিক ও রাজ্নৈতিক ব্যবদ্বা নির্মারণ ও -গঠনের স্বিকার সর্মান করিবেন; এবং
- (গ) সাম্রাক্যবাদ, ঔপনিবেশিকতাবাদ বা বর্নবৈষম্যবাদের বিরুদ্ধে বিশ্বের সর্ব্য নিপীড়িত জনগণের ন্যায়নজ্গত সংগ্রামকে সমর্থন কবিবেন।



তৃতীয় ভাগ

মৌলিক অধিকার

২৬। (১) এই ভালের বিশ্বানাবলীর সহিত অসমঙ্গ সকল প্রচলিত আইন মতুখানি অসামঙ্গ্যুপূর্ন, এই সংবিশান-প্রবর্তন হইতে সেই সকল আইনের ততুখানি বাতিল হইয়া মাইবে। দৌনিক অধিকারের সহিত অদমঙ্গুস আইন বাতিন

- (২) রাষ্ট্র এই ভাগের কোন বিখানের সহিত অসমজ্স কোন আইন প্রনিমন করিবেন না এবং অনুরূপ কোন আইন প্রনীত হইলে ভাহা এই ভাগের কোন বিখানের সহিত মত্থানি অসামঞ্জ্যেষ্ন, তত্থানি বাতিল হইয়া সাইবে।
- 29। সকল নাগরিক আইনের দৃষ্টিতে সমান এবং আইনের সমান আশ্রমনাভের অধিকারী।

আইনের চৃষ্টিতে জনতা

২৮। (১) কেবল ধর্ম, গোষ্ঠী, বর্ম, নারীপুরুষভেদ বা জন্মস্থানের কারনে কোন নাগরিকের প্রতি রাষ্ট্র বৈষয়্য প্রদর্শন করিবেন না । वर्म अङ्जि कार्ति विस्तार

- (২) রাষ্ট্র ও গণজীবনের সর্বদ্ধরে নারী পুরুষের সন্মান অধিকার লাভ করিবেন ৷
- (৩) কেবল ধর্ম, গোষ্ঠী, বর্ম, নারীপুরুষভেদ বা জ্রাস্থানের কারনে জ্নদাধারনের কোন বিনোদন বা বিশ্রাদ্রের স্থানে প্রবেশের কিংবা কোন শিক্ষা-প্রতিষ্ঠান ভর্তির বিষয়ে কোন নাগরিককে কোনরূপ অক্ষনতা, বাধ্রবাধকতা, বাধা বা শর্তের অধীন করা মাইবেনা।
- (৪) নারী বা শিশুদের অনুকূলে কিংবা নাগরিক-দের মে কোন অনপ্রসর অংশের অগ্রগতির জ্ন্য বিশেষ বিশান-প্রনয়ন হইতে এই অনুদ্দের কোন কিছুই রাষ্ট্রকে নিবৃত্ত করিবে না।

২৯। (১) প্রকাতন্ত্রের কর্মে নিয়োগ বা পদ-নাভর ক্ষেত্রে সকল নাগ্রিকের জন্য সুযোগের সমতা থাকিবে। সরকারী নিয়োশনাভ সুযোগের সমতা

- (২) কেবন বর্র, গোষ্ঠী, বর্ন, নারীপুরুষভেদ বা জ্মাদ্যানের কারনে কোন নাগরিক প্রজাতন্ত্রের কর্মে নিয়োগ বা পদ -লাভের অযোগ্য হইবেন না কিবা দেই ক্ষেত্রে তাঁহার প্রতি বৈষদ্যা প্রদর্শন করা মাইবে না।
 - (७) धरे अनुष्हिएत कान किहुरे

- (ক) নাগরিকদের মে কোন অনগ্রসর সংশ মাহাতে প্রজাতরের কর্মে উপসুক্ত প্রতিনিধিক লাভ করিতে পারেন, সেই উদ্দেশ্য তাঁহাদের অনুকুলে বিশেষ বিধান-প্রন্মন করা হইতে,
- (খা) কোন ধর্মীয় বা উপ-সন্ধুদ্যমণত প্রতিষ্ঠানে উক্ত ধর্মাবলদ্বী বা উপ-সন্ধুদ্যমণ্ডুক ব্যক্তিদ্রে জন্য নিয়োগ সংরক্ষণের বিধান-সংবলিত মে কোন আইন কার্মকর করা হইতে,
- (গ) মে শ্রেণীর কর্মের বিশেষ প্রকৃতির জ্ন্য তাহা নারী বা পুরুষের পক্ষে অনুস্মোগী বিবেচিত হয়, সেইরুস মে কোন শ্রেণীর নিয়োগ বা পদ্ ম্থাক্রেরে পুরুষ বা নারীর জন্য সংরক্ষণ করা হইতে

वाष्ट्रेक निवृष्ठ कवित ना।

৩০। (১) রাজু কোন উপাধি, সন্মান বা ভূষণ প্রদান করিবেন না ।

(২) রাষ্ট্রপতির পুরানুয়োদন ব্যতীত কোন নাগরিক কোন বিদেশী রাষ্ট্রের নিকট হইতে কোন উপাধি, সন্মান, পুরক্ষার বা ভূষণ গ্রহণ করিবেন না।

(७) जादिनिकात ज्ना भूतकात किश्वा जाकाएमीम विभिष्ठेण -ए।न दरेल अदे अनुष्ट्र एत कान किहूरे बाष्ट्रेक निवृष्ठ कतिया ना ।

9)। आरेत्तर आर्ग्यस्ता प्रवर आरेतातू मासी 3 क्वल आरेतातू मासी युवरावला प्र कात मृत्त अवम्रात्व श्रात्व नागित्रिक्य प्रवर मामिक्र जात्व वार्लाप्त्ल अवम्रात्व अभवाभव व्यक्ति अविष्मु । अधिकाव, प्रवर विश्व अरितातू मासी युजी प्रमत्त कात युवम् श्रद्य क्वा मारेत्व ना, माराठ कात्त व्यक्तित क्रीवत, म्राचीन्या, प्रदि, मूनाम वा मम्मिखित रात्ति मुद्धि।

७३। आईनानूयामी याजीज कीयन उ वाकि-म्नाभीनज दरेख कान वाकिक विष्णुज करा मारेखना।

৩০। (১) কোন গ্রেপ্তারকৃত ব্যক্তিকে গ্রেপ্তারের

উদাধি, সন্মান ও ভূধনের বিলোপসাধন

व्यादेत्रद्र आश्वम्माख्व अधिकाद

জীবন 3 ব্যক্তি-ম্বাশীনতার অধিকার-রক্ষণ কার্ন জ্ঞাপন না করিয়া প্রহরায় আটক রাখা মাইবে না এবং উক্ত ব্যক্তিকে তাঁহার মনোনীত আইনজীবীর সহিত প্রায়র্শের ও তাঁহার দারা আত্মদক্ষ্মদর্শনের অধিকার হইতে বঞ্চিত করা মাইবে না।

গ্রেম্ভার ও সাটক সন্ধর্কে রক্ষাকবচ

- (২) গ্রেম্বারক্ত ও প্রহরাম আটক প্রত্যেক ব্যক্তিকে গ্রেম্বারের চিক্সিশ ঘন্টার দখ্যে (তাঁহাকে আদালতে আনমনের জন্য প্রয়োজনীম দমম বৃতিরেজ) আদালতে হাজির করা হইবে এবং আদালতের আদেশ ব্যতীত তাঁহাকে তদ্তিরিক্ত কাল আটক রাখা মাইবে না ।
- (৩) কোন বিদেশী শত্রুর ক্ষেত্রে উপরি-উক্ত দ্ফার্মগ্রুর কোন কিছুই প্রযোজ্য হইবে না।

৩৪। (১) अकल প্রকার জবরদ্ঝি-শ্রম নিষিদ্ধ; এবং এই বিশান কোনভাবে নিঙ্মিত হইনে তাহা আইনতঃ দ্যুনীম্ অপরাশ বনিয়া গন্য হইবে।

(২) এই সনুদ্ধের কোন কিছুই সেই সকল বাহ্যতাসূলক প্রয়ের ক্ষেত্রে প্রয়োজ্য হইবে না, মেখানে

- (ক) ফৌজ্দারী অপরাথের জ্ন্য কোন যুক্তি আইনতঃ দশুভোগ করিতেচেন; সম্মনা
- (था) जनगति उप्पनाप्राधिनकल्म आहेतिन माना जारा जावनाक रहेल्हा।

৩৫। (১) অপরাশ্বের দাম্মুক্ত কার্মসংঘটনকালে বলবং চিল, এইর্ন্স আইন ভঙ্গ করিবার অপরাশ্ব ব্যুতীত কোন ব্যক্তিকে দোষ্টা সাব্যস্ত করা মাইবে না এবং অপরাশ্ব-সংঘটনকালে বলবং সেই আইনবলে মে দক্ত দেও্ট্ মাইতে পারিত, তাঁহাকে তাহার অধিক বা তাহা হইতে ভিন্ন দক্ত দেও্ট্য মাইবে না।

(২) এক অপরাবের জন্য কোন ব্যক্তিকে একাধিক বার ফৌজদারীতে সোপর্দ ও দদ্ভিত করা মাইবে না।

- (৩) ফৌজ্দারী অপরাবের দায়ে অভিমুক্ত প্রত্যেক ব্যক্তি আইনের দ্বারা প্রতিষ্ঠিত দ্বাধীন ও নির্পেক্ষ আদালত বা দ্রীইব্যুনালে দুত ও প্রকাশ্য বিচারলাভের অধিকারী হইবেন।
- (৪) কোন অপরাধের দামে অভিমুক্ত ব্যক্তিকে নিজের বিরুদ্ধে সাঞ্চ্য দিতে বাধ্য করা মাইবে না।
- (৫) कान बुक्तिक यनुना एउमा मारेद ना किश्वा निर्धुन, अन्नानुषिक वा नाभुनाकत एक एउमा

ज्वव्यक्ति- अम निश्चिक्तकवर्न

বিচার ও দক্ত সঞ্চাকে রক্ষণ

यारे(व ना किल्वा काशवं प्रश्चि अपूक्त युवराव क्रा यारेख ना।

(७) প্राচ निज् नारेत निर्मिष्ठे कान मुख् वा বিচারপদ্ধতি সঞ্চার্কিত কোন বিধানের প্রয়োগ্য এই अनुस्कृत्प्त (७) या (७) प्रकात कार्न किहुरे अजाविज कवित्व ना।

৩৬। জ্নব্রামে আইনের দ্বারা আরোপিত মুক্তি চলাফেরার দ্বাধীনতা সঙ্গত বার্নানিষেধ-সাপেকে বাংনাদেশের সবর্ত অবার্থ इसारकता, उद्देश या कान मुग्त यमवाम ३ वप्रकि मुगमन प्रयः वाल्लादिक जात उ वाल्लादिक मूनः अतन করিবার অধিকার প্রত্যেক নাগরিকের থাকিবে।

७१। जनम् अभना या ज्नया पुर सार्थ आरेतन দ্বারা আরোপিত মুক্তিসজ্গত বাধানিষের-সাপেক্ষে मानिष्ने जात 3 निरम अवस्था प्रमावक रहेवाद এবং জ্নজভা ও শোভামাত্রাম মোগদান করিবার अविकाद श्रालुक नागविकद थाकित।

नमायला माधीनजा

or। জनम् अना ७ निजिकजात स्नार्थ आरेतित দ্বারা আরোগিত মুক্তিরজাত বাধানিমেধ-দাপেঞ্চ प्रिमिति वा प्रथम भवेन करियाय अधिकाय अख्युक नागवित्कव भाकित्व ;

সংগঠনের স্থাধীনতা

उद मर्ड थारक (य, ज्ञाक्ति कि के प्लिमामभान वा लक्षानुषाती कान प्राम्ध्रमायिक प्रति वा प्रश्र किश्वा अनुस्म डेप्लमाप्रस्मेत वा नक्षानु प्रासी শ্রমায় নারমুক্ত বা শ্রমভিত্তিক অন্য কোন দমিতি वा प्रश्च भोगेन कविवाद वा जाशाद प्रमा दरेवाव বা অন্য কোন প্রকারে তাহার তংপরভাম সংশ श्रर्भ करिवार व्यिकार कान व्यक्तिर भाकितना।

৩১। (১) চিন্তা ও বিবেকের দ্বাধীনতার নিশ্চয়তাদান क्रा दरेला।

(२) जार्ख्येन- निवाभवा, विरम्भी बाह्येनमूरक जिल्ल বন্ধুসুর্ব সন্দার্ক, জ্নশৃঙ্খনা, শালীনতা বা নৈতিকতার ब्रार्थ किश्वा आमाल अन्यान ना, मानशनि वा अभ्याव-अर्घित अर्गाम्ना अभार्क अरित्य पाता आलाणिय মুক্তিসঞ্জত বাধানিষেধ-সাপেক্ষে

> (ক) প্রত্যেক নাগরিকের বাক্-ও ভাবপ্রকাশের म्रायीनजात व्यक्तितात्त्व, वनश्

िनु 3 विद्यत्क् দ্বাধীনতা এবং বাক্স্বাধীনতা

(খ্র) সংবাদক্ষেত্রের দ্বাধীনতার নিশ্চয়তা দান করা হইল।

80। আইনের দ্বারা আরোপিত বার্যানিষেশরাপেকে কোন পেশা বা বৃত্তি গ্রহণের কিংবা
কারবার বা ব্যবসাম -পরিচালনার জ্ন্য
আইনের দ্বারা কোন মোগ্যতা নির্মারিত হইয়া থাকিলে
অনুরূপ যোগ্যতাসক্ষর প্রত্যেক নাগরিকের মে কোন
আইনসঙ্গত পেশা বা বৃত্তি -গ্রহণের এবং মে কোন
আইনসঙ্গত কারবার বা ব্যবসাম পরিচালনার অবিকার
থাকিবে।

পেশা বা বৃত্তির স্বাধীনতা

8)। (>) आहेम, जनगृष्यना अ तिजिक्जा आति

ধর্মীয় স্থাধীনতা

- (ক) প্রত্যেক নাগরিকের মে কোন বর্ম অবলম্বন, পালন বা প্রচারের অধিকার রহিয়াচে;
- (খা) প্রত্যেক বর্মীয় সন্ধ্রদায় ও উপ-সন্ধ্রদায়ের নিজ্ম বর্মীয় প্রতিষ্ঠানের স্থাপন, রক্ষন ও ব্যবস্থাপনার স্থাবিকার রহিয়াছে।
- (२) द्वान भिक्राञ्चिष्ठिशास त्याशमानकाही कान व्यक्तित निक्ष्य वर्झ-अरकात ना रहेत्न जाँराक कान वैद्याम भिक्राञ्चर्म किरवा कान वैद्याम अनुष्ठान वा केमामनाम अर्थञ्चर्म वा त्याशमान कहिए रहेत्व ना।

82। (১) আইনের দ্বারা আরোপিত বার্বানি ষের্ব-সাপেক্ষে প্রত্যেক নাগরিকের সম্পত্তি অর্জন, বারন, হস্তান্তর ও অন্যভাবে বিলি-ব্যবদ্বা করিবার অবিকার থাকিবে এবং আইনের কর্ত্ব ব্যক্তীত কোন সম্পত্তি বার্বি তার্যুনকভাবে গ্রহন, রাষ্ট্রায়ত্ত বা দ্খন করা মাইবে না ।

(२) धरे अनुष्हिएत (२) एका व अवीन खनी ठ आरेल क्षित्रभे प्रश्ने या विना क्षित्र के वाश्राज्ञान्न सूनक जात शहरे, वाद्या स्व क्षित्र के विधान के वा करा रहेत्व धर कान क्षित्र क्षित्र कि विधान के वा रहेत्न शहान पितिसाने निवान कि उपमुख्य अविधान के वा क्षित्र के विधान के वाहित्य अनुक्षा कि विधान के विधान के विधान के विधान के विधान के वा कि विधान के वा रहेत्व अनुक्षा कान आरेल क्षित्र के विधान के वा विधान के वा रहे नाहे विधान कि वाहित क्षित्र के विधान के वाहित्य के विधान के वि সদ্ধন্তির অধিকার

80। রাণ্ট্রের নিরাপতা, জ্নশৃষ্পনা, জ্নদাখারনের নৈতিকতা বা জ্নদ্বাদ্যের দ্বার্থে আইনের দ্বারা আরোপিত মুক্তিসঞ্জত বাধানিশ্বে-দাপেক্ষে প্রত্যেক নাগরিকের

গৃহ ও মোগামোগের রক্ষণ

- (ক) প্রবেশ, তল্লাশী ও সাটক হইতে স্থীয় গৃহে নিরাপতালাভের স্বিকার থাকিয়ে; এবং
- (খা) চিঠিদরের ও মোগামোগের স্বন্যান্য উপায়ের গোপনভারক্ষার স্বিকার থাকিবে।

88। (२) এई ভাগে প্রদ্ত অবিকার্ময়ূহ বনবং করিবার জ্ন্য এই সংবিশানের ১০২ অনুদ্দেদয়(২) দ্ফা-অনুসায়ী সুপ্রীম কোর্টের নিকট মায়না রুজু করিবার অধিকারের নিশ্চয়তাদান করা হইন।

মৌনিক অধিকার বনবংকর+

(২) এই সংবিধানের ১০২ অনুচ্ছেদের অধীন
সুপ্রীয় কোর্টের প্রমতার হানি না ঘটাইয়া সংসদ্
আইনের দ্বারা অন্য কোন আদানতকে তাহার
এখতিয়ারের স্থানীয় সীমার মধ্যে সুপ্রীয় কোর্টি
কর্তক প্রয়োগযোগ্য সকল বা যে কোন প্রমতাপ্রয়োগের প্রমতা দান করিতে পারিবেন।

80। কোন শৃঞ্চনা-বাহিনীর সদ্স্য-সদ্ধর্কিত কোন শৃঞ্চনামূলক আইনের মে কোন বিধান উক্ত সদ্স্যদের মথামথ কর্তব্যপালন বা উক্ত বাহিনীতে শৃঞ্চনারক্ষা নিশ্চিত করিবার উদ্দেশ্যে প্রনীত বিধান বলিয়া অনুরূপ বিধানের ক্ষেত্রে এই ভাগের কোন কিচুই প্রযোজ্য হইবে না ।

শৃত্যুলামূলক আইনের ক্ষেত্রে অধিকারের পরিবর্তন

8७। এই ভাগের পূর্ববর্নিত বিখানাবনীতে মাহা
বনা হইয়াচ্চে, তাহা সত্ত্বেও প্রজাতন্ত্রের কর্মে নিমুজ
কোন ব্যক্তি বা অন্য কোন ব্যক্তি জাতীয় মুক্তিসংগ্রামের প্রমোজনে কিংবা বাংনাদেশের রাষ্ট্রীয়
সীয়ানার মধ্যে মে কোন অঞ্চলে শৃষ্পলা রক্ষা বা
পুনর্বহানের প্রমোজনে কোন কার্ম করিয়া মাকিলে
সংসদ আইনের দ্বারা সেই ব্যক্তিকে দায় মুক্ত
করিতে পারিবেন কিংবা ও অঞ্চলে প্রদত্ত কোন
দন্তাদেশ, দন্ত বা বাজেয়ান্তির আদেশকে কিংবা
অন্য কোন কার্মকে বৈশ্ব করিয়া নইতে পারিবেন।

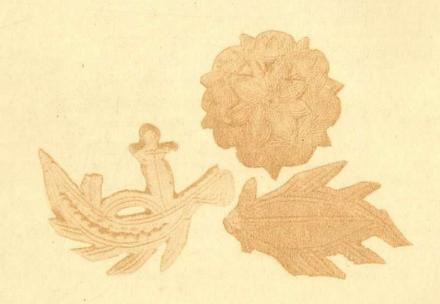
দাম্নুক্তি-বিধানের ক্ষরতা

কতিদম সাইনের হেফাজ্ত

89। (२) निम्नलिथिण त्य कान विभएत विभाग मः विल्ला कार्यत (अवलिख कार्यत कार्य कार्यत कार्यत कार्यत कार्यत कार्यत कार्यत कार्यत कार्य कार्यत कार्य कार्यत कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य

- (ক) কোন প্রশাস্ত রাখ্যতাপুনকভাবে গ্রহন, রাষ্ট্রায়ন্তকর্ন বা দুখন কিংবা প্রাপ্তিক-ভাবে বা স্থায়ীভাবে কোন সঙ্গন্তির নিয়ন্ত্রণ বা ব্যবস্থাসনা;
- (थ) वानिङ्यिक वा अनुविध छेरम्यागप्रमान धकाधिक श्रविष्ठारन वाध्यवामूनक प्रश्युकक्रमं ;
- (গ) অনুরূপ যে কোন প্রতিষ্ঠানের পরিচানক, ব্যবস্থাপক, এক্টেট ও কর্মচারী দের অখিকার এবং (যে কোন প্রকারের) শেমার ও স্টকের মানিকদের ভোটাবিকার বিলাপ, পরিবর্তন, সীমিতকরন বা নিয়নুন;
- (ত্ম) খনিজ্দ্রব্য বা খনিজ তৈল-অনুসন্ধান বা -লাভের অধিকার বিলোদ, পরিবর্তন, সীরিতকরন বা নিয়নুধ;
- (৬) অন্যান্য ব্যক্তিকে সংশতং বা দ্রন্ধ্রণ্ডঃ
 পরিহার করিয়া দরকার কর্তৃক বা
 দরকারের নিজ্ম, নিয়৸ৢনাবীন বা
 ব্যবদ্যাপনাবীন কোন দংস্থা কর্তৃক মে
 কোন কারবার, ব্যবদায়, শিল্প বা
 কর্মবিভাগ -চালনা; সম্মবা
- (চ) মে কোন সম্পত্তির দ্বন্থ কিংবা পেশা, বৃত্তি, কারবার বা ব্যবসাম -সংজান্ত মে কোন অধিকার কিংবা কোন সংবিধিবদ্ধ সরকারী প্রতিষ্ঠান বা কোন বার্ধিন্তিকে বা শিল্পগত উদ্যোগের রালিক বা কর্মচারীদের অধিকার বিলোপ, পরিবর্তন, সীরিতক্রন বা নিম্নুন ।
- (१) अरे प्रश्विधात मारा बला रहेमार्ह, जरा

प्रखु ध्रथम उक्किल वर्ति आहेनप्रमूह (अनुस्म आहेला कान प्रश्माधनीप्रह) भूर्निं व वन्न उ कार्यक हो देश भाकित धर अनुस्म कान आहेला आहेला कान विधान किश्वा अनुस्म कान आहेला कर्ष्य माद्दा करा दहेमाह वा करा दम नहि, जाहा धरे अश्विधाता कान विधाता प्रहिज अप्रसम्भ वा जहाद महिम्मी, धरे कार्ति वाजिन वा त्याहेनी विस्ता भनी दहेत ना;



চতুর্থ ভাগ

নিৰ্বাহী বিভাগ

১ম পরিচ্ছেদ্– রাষ্ট্রপতি

8৮। (১) বাংলাদেশের একজন রাণ্ট্রপতি থাকিবেন, মিনি দ্বিতীয় তফ্রসিলে বর্নিত বিধানবিনী-অনুমায়ী সংসদ-সদ্স্যুগন কর্তৃক নির্বাচিত হইবেন।

<u>রাষ্ট্রপতি</u>

- (২) রাষ্ট্রপ্রশানর্গে রাষ্ট্রপতিরাপ্ট্রের অন্য সকল ব্যক্তির উর্শ্বে দ্যান লাভ করিবেন এবং এই সংবিধান ও অন্য কোন আইনের দ্যারা জাঁহাকে প্রদত্ত ও জাহার উপর অপিত একল প্রমৃতা প্রয়োগ ও কর্তব্য পালন করিবেন ।
- (७) धरे प्रश्विधातम् ६७ अनुष्क्रित् (७) पक्षा-अनुष्ठाद्गं द्वयम् अधानप्रक्ति-निल्लाश्व १क्ष्य याजीक दार्श्वेषिक जाँश्व अना प्रकल प्राण्डिष्टान् अधानप्रक्रीत् भवाद्यम्-अनुपाणी कार्य क्रियन;

তবে শর্ভ থাকে মে, প্রশানমন্ত্রী রাষ্ট্রপতিকে আদে কোন পরামর্শ দান করিয়াচ্চেন কি না এবং করিয়া থাকিলে কি পরামর্শ দান করিয়াচ্চেন,কোন আদানত প্রেষ্ট সম্পর্কে কোন প্রশ্নের তদন্ত করিতে পারিবেন না।

- (৪) কোন ব্যক্তি রাষ্ট্রপতি নির্বাচিত হুইবার মোল্য হুইবেন না, মদি তিনি
 - (ক) পঁমবিশ বং সরের কয় বয়দ্ধ হন; অথবা
 - (খ) সংঘদ-সদ্দা নির্বাচিত হইবার যোগ্য না হন ; অখবা
 - (গ) কশ্মনত এই সংবিধানের অধীন অভিশংসন-দারা রাষ্ট্রপতির পদ হইতে অপদারিত হইয়া থাকেন।
- (৫) প্রশানমন্ত্রী রাষ্ট্রীয় ও পররাষ্ট্রীয় নীতি-সংকার বিষয়াদি সন্ধর্কে রাষ্ট্রপতিকে অবহিত রাখিবেন এবং রাষ্ট্রপতি অনুরোধ করিনে মে কোন বিষয় মন্ত্রিসভার বিবেচমার জ্ন্য পেশ করিবেন 1

8৯। কোন সাদানত, ট্রাইব্যুনান বা সন্য কোন কর্তৃপক্ষ কর্তৃক প্রদৃত্ত মে কোন দন্তের মার্জ্না, বিনম্বন ও বিরাম মজ্জুর করিবার এবং মে কোন দৃত্ত মতকুফ,

ক্ষরাপ্রদ**র্শ**নের অধিকার স্থিত বা ব্রাস করিবার প্রমতা রাষ্ট্রপতির থাকিবে।

৫০। (১) এই সংবিধানের বিশানাবলী-সাপেঞ্চ রাষ্ট্রপতি কার্মভার প্রহানের তারিখা হইতে পাঁচ বংসরের মেয়াদে তাঁহার পদে অধিষ্ঠিত থাকিবেন;

তবে শর্ত থাকে মে, রাষ্ট্রপতির পদের মেয়াদ্ শেষ হওয়া অত্ত্বেও তাঁহার উত্তরাধিকারী কার্মভার প্রহান না করা পর্মন্ত তিনি দ্বীয় পদে বহান থাকিবেন।

- (২) अकाि कि स्टिक वा ना रडेक मूरे विमापित अधिक ताबुभिजित भाग कान गुकि अधिष्ठिज थाकियन ना ।
- (৩) দ্দীকারের উদ্দেশে দ্বাঞ্চরমুক্ত পর্যোগে রাষ্ট্রপতি দ্বীম পদ্ স্যাগ করিতে পারিবেন।
- (৪) রাণ্ট্রপতি তাঁহার কার্মভারকালে সংসদ্-সদ্প্র নির্বাচিত হইবার যোগ্য হইবেন না, এবং কোন সংসদ্-সদ্প্র রাণ্ট্রপতি নির্বাচিত হইলে রাণ্ট্র-পতিরূপে তাঁহার কার্মভারগ্রহনের দিনে সংসদে তাঁহার আলম খুন্য হইবে।

৫১। (३) এই সংবিধানের ৫২ অনুচ্চেদের হানি না ঘটাইয়া বিধান করা হইতেছে মে, রাষ্ট্রপতি তাঁহার দায়িত্বপালন করিতে গিয়া কিংবা অনুরূপ বিরেচনায় কোন কার্ম করিয়া থাকিলে বা না করিয়া থাকিলে দেইজন্য তাঁহাকে কোন আদানতে জ্বাবদিহি করিতে হইবে না, তবে এই দ্ফা সরকারের বিরুদ্ধে কার্মধারা গ্রহনে কোন ব্যক্তির অধিকার ক্ষুধ্ন করিবে না।

(২) बाब्रेभिकित कार्मभावनात्म जाँशव विकृत्स्य त्कान व्यापान्यक कार्न अकाव क्योक्सावी कार्मभावा पारम्ब कवा वा जानू बाधा मारेख ना धवर जाँशव श्रिष्ठाव वा काबावास्मव क्या कान व्यापानक रहेल भरवामाना काबी कवा मारेख ना ।

(२) (२) अहे प्रश्वितान लश्चन या शुक्रवत अञ्चमा इत्रांत अखिरमाण द्राष्ट्रेभिवित अखिभार निव कर्मा माहेल भावितः ; हेराद क्रमा प्रश्माम् स्मारे प्रमाम् प्रश्माणितिके ज्ञार्थित द्राक्षत् अनुक्रभ अख्यालाद विवदने निभिवित्त कृतिमा अकि अम्रायद त्मिक अभीकात्दद निकि अमान कृतिक हेरियः स्भीकात्द्र निकरं अनुक्रभ लाहिन समान मिन हेरेल होम मित्न सूर्य वा जिन मित्न मृत भेरे अम्राय आलाहिक हेरेल भावित नाः রাষ্ট্রপতি-পদের মেয়াদ

ৰাৰ্থুপতিৰ দাম্মুক্তি

রাষ্ট্রপতির অভিশংসন

এবং সংসদ অধিবেশনরত না থাকিলে স্মীকার অবিনয়ে সংসদ আহ্বান করিবেন।

- (২) এই অনুচ্চেদ্রে অধীন কোন অভিযোগ তদন্তের জন্য সংসদ কর্তক নিমুক্ত বা আখ্যায়িত কোন আদানত, ট্রাইব্যুনান বা কর্তৃপক্ষের নিকট সংসদ রাষ্ট্রপতির আচর্ম গোচর করিতে পারিবেন।
- (৩) অভিযোগ-বিবেচনাকালে রাষ্ট্রপতির উপস্থিত থাকিবার এবং প্রতিনিধি-শ্রেরনের অধিকার থাকিবে।
- (8) अভियाभ-विविचनात भन्न सारे प्रम्मा-प्रथात यतुर्ग पूरे-एजीग़ाः म जिले अভियाभ प्रधार्थ विन्मा द्यामनी करिया प्रथम कान श्रमुख श्रद्धन करिल श्रद्धाव गृरीज रहेवान जानित्य नासुभिजन भन्न भूना रहेवा।
- (৫) अरे प्रश्विधात्म ८८ अनुएक्म अनुमामी प्रभोकाक कर्क वाष्ट्रेमिन्स पामित्रभानमकात्म अरे अनुएक्ए त्र विधानावनी अरे भित्रिक्त-मालाक श्रामाल रहेर्ति त्म, अरे अनुएक्ए त्म (३) प्रकाम स्मीकात्म छेल्ल्य एकपूष्टि स्मीकात्म छेल्ल्य विन्मा भीग रहेर्त अवर (८) प्रकाम बाष्ट्रेमिन्स भन्न सून्य रहेर्ताम बेल्ल्य स्मीकात्म मान श्रीकात्म अर्था रहेर्ता अर्थ हिंद्राम विन्मा भी रहेर्ता अर्थ स्मीकात्म सून्य रहेर्ता केल्ल्य विन्मा भी रहेर्ता अर्थ (८) प्रकाम वर्तिक कान श्रमात श्रीक रहेर्ता स्मीकात्म वर्षेष्ठ प्रामास्त्र वर्षिक स्मीकात्म वर्षेष्ठ प्रामास्त्र स्मीकात्म स्मीकात्म वर्षेष्ठ प्रामास्त्र स्मीकात्म वर्षेष्ठ प्रामास्त्र स्मीकात्म स्मित्र स्मीकात्म स्मीकात्म स्मीकात्म स्मित्र स्मित्र स्मीकात्म स्मित्र स्मित

৫०। (२) मातीदिक वा मानिकक अमाम(गुँद कार्त वा द्वीपिक अमाम(गुँद कार्त वा द्वीपिक अमाम(गुँद कार्त वा द्वीपिक अमामिक अमाम(गुँद कार्र अमामिक अमाम

(২) प्रश्निम व्यवित्यभनव्य ना थाकिल लािम श्राणिमात्र फ्रीकाव फ्रीकाव प्रश्निम प्रश्निम व्यवित्यभन व्याच्यान कित्यन प्रवर्ध पकि किलिएमा-भर्मम (अञ्चल्य पर्टे व्यनुष्कृष्ण "भर्मम्" विल्या व्याचित्रज्ञ) -शर्ठत्व श्रम्याच व्याच्यान कित्यन प्रवर्ध श्रम्याक्ष्मीय श्रम्याच केश्यामित्र अश्रिक रहेवाव भव क्योकाव उ९क्ष्मीए छेक त्याविष्यव प्रकृषि श्रिकिलिम वाद्येमिकाव विक्रे त्रिवर्ध होत्राच प्रवित्य प्रवर्ध श्राच्या प्रवित्य प्रवर्ध प्रवित्य प्रवर्ध प्याच प्रवर्ध प्रवर

অলাদর্খ্যের কারনে রাষ্ট্রপতির অপলারন

- (७) जमजाद्रत्यं क्रमु श्रमु। दिव तािष्म जमोकाद्यं निकि श्रमात्यं भव रहेल हिम् मित्यं श्रदं वा श्रिम मित्यं भव श्रमु। विषे हित्यं श्रमु। विषे हिन्यं भव श्रमु। विषे हिन्यं भव श्रमु। विषे हिम्पायं नां, अवर अनुक्रम हिम्मायं आवाद्यात्यं श्रमु। विश्वामित्यं क्रमु। श्रम् श्रम् श्रम् श्रम् श्रम् विष्याम् क्रियां विष्याम् विषयं श्रम्
- (8) প্রদ্যাবটি বিবেচিত হইবার কালে রাষ্ট্রপতির উপদ্যিত থাকিবার এবং প্রতিনিধি-শ্রের্ধের অধিকার থাকিবে।
- (७) श्रद्धावि प्रःष्ट्रात ज्ञेषाभातत पूर्व नाष्ट्रेषिठ भर्मत्मत पाता भरोक्षिक दरेवात क्रमा केषिष्ठ ना दरेया थाकित्म श्रद्धावि जित्ते एउमा मारेल भातित प्रदेश प्राक्तिल श्रद्धावि ज्ञित्त प्रमुख्यात प्राहे-ज्ञेमां भ जित्ते जारा भ्रीक दरेत्न श्रद्धावि भ्रीक दरेवात जातित्य नाष्ट्रेषिकत भन भूमा दरेत ।

(৬) অপসারনের জন্য প্রস্তাবটি সংসদে উত্মাপিত হইবার পূর্বে রাঞ্ট্রপতি পর্ষদের নিকট পরীক্ষিত হইবার জন্য উপদ্বিত হইয়া থাকিলে সংসদের নিকট পর্যদের মতারত পেশ করিবার সুযোগ না দেওমা পর্যন্ত প্রস্তাবটি ভোটে দেওমা মাইবে না।

- (१) प्रश्मित कर्ड्क अमुावि ३ मर्सात् विलार्षे (माशा अरे जनूरकृष्ट्र (२) म्मा- अनूमात् भन्नेकात् प्राठ मित्न मार्थे माथिल कता रहेत्व अर अनूस्म जात् माथिल ना कता रहेत्न जाश वित्रक्तात् अत्माल्य स्थानिक ना कता रहेत्न जाश वित्रक्तात् अत्माल्य रहेत्व ना) वित्रिक रहेतात् भन्न प्रश्मित प्राप्ति प्रमाणि प्रमाणि प्रमाणि प्रमाणि अनुत्र मूहे- एजीमार्थ जाति अम्रावि शृहीक रहेत्व जाशा शृहीक रहेतात् जातिष्य वाद्वेभिकत भम् सून रहेत्व।
- ৫৪। রাষ্ট্রপতির পদ শুন্য হইলে কিংবা অনুপদ্ধিতি,
 অনুস্তা বা অন্য কোন কারনে রাষ্ট্রপতি দায়িরপাননে
 অনমর্থ হইলে ক্ষেত্রয়ত রাষ্ট্রপতি নির্বাচিত না হওয়া
 পর্মন্ত কিংবা রাষ্ট্রপতি পুনরায় দ্বীয় কার্যভার গ্রহন না করা পর্মন্ত স্মীকার রাষ্ট্রপতির দায়ির পালন
 করিবেন।

অনুপদ্ধিত প্রভৃতির কানে রাষ্ট্রপতি-পদে স্পীকার

২য় পরিচ্ছেদ্ প্রধানমন্ত্রী ও মন্ত্রিসভা

৫৫। (১) প্রধানয়দ্রীর নৈতৃত্বে বাংলাদেশের একটি মন্ত্রিসভা

য়न्तिज्ञा थाकित्व এবং প্রধানমন্ত্রী ও সময়ে সময়ে তিনি মেরূপ স্পির করিবেন, সেইরূপ অন্যান্য মন্ত্রী লইয়া এই মন্ত্রিসভা গঠিত হইবে।

(২) প্রশানমন্ত্রী কর্তৃক বা জঁহার কর্তৃত্বে এই সংবিধান-অনুমায়ী প্রকাতন্ত্রের নির্বাহী ক্ষমতা প্রমুক্ত হইবে।

(७) ब्रिक्जिं प्रचार्य प्रश्माप्त निकरे पासी थाकित्वन ।

(8) अवकारत्व अकल नियांशी गुवम्। वाधे भिवत् नास्म भृशेक रहेमाह्य विन्सा अकाम कवा रहेरव ।

(৫) बाबुमिडिव नाम प्रनीठ आद्मिलसूर उ अन्ताना कुकिमय किस्ताम प्रजामिज वा प्रमानीकृठ इरे(व, बाबुमिडि जाहा विधिलसूर-मावा निर्धातने कवित्वन पवर अनुस्तमजात्व प्रजामिज वा प्रमानीकृठ कान आदम्भ वा कुकिमय प्रधापथजात प्रनीठ वा प्रस्नामिज रस नारे विन्मा जाहाव विवेज मस्नाक्ति स्मान

(७) बाब्रुंभिक प्रविश्वाही कार्मावनी वन्तेन अ भविष्ठालनाव उत्तर विधिष्ठसूर अनेमन कविरवन।

৫৬। (১) একজন প্রশানমন্ত্রী থাকিবেন এবং প্রশানমন্ত্রী মেরূপ নির্মার্থ করিবেন, সেইরূপ অন্যান্য মন্ত্রী, প্রতি-মন্ত্রী ও উপমন্ত্রী থাকিবেন।

(२) श्रधानबन्ती 3 जनगन् मन्ती, श्रवि-मन्ती अ डेलबन्ती फ्रिक बाब्देलिक निरमानपान कविरवन;

ज्य गर्ज थाक त्म, मध्यम-सम्ब्रा ना इरेल यरे अनुक्षिप्तर (४) म्या-मालक्ष्य कान गुक्ति अनुक्ष नित्माधनाञ्ज त्याधर रहेवन ना ।

- (७) त्म प्रश्मन-प्रमु प्रश्मित् प्रश्मागितिष्ठं प्रमुखात्र आम् । जाम् । जाम । जाम् । जाम । जाम् । जाम् । जाम । जाम् । जाम । जाम् । जाम । जाम् । जाम । जा
- (8) अनुनिभित् नियुक्त दरेवाक समस्य कान व्यक्ति अर्मिन सम्ब्रा ना भाकित यि जिनि अनुक्ष निस्मालक जाविश्य दरेख हम माम्बर मर्था मर्मिन समस्य निर्वाहिक ना इन, जाश दरेल किनि मनुनि भाकितन ना ।
- (६) ज्ञष्म जिष्मा याउगा धवर प्रथम-प्रमाप्तार अवाविष्ठ भववर्जी प्राथावन निर्वाहन-व्यवूकीत्व प्रवाविकाल धरे अवूष्ट्राह्म (२) या (७) म्याव अवीन निर्याणमानव श्रास्त्र एम्था

मिनुशन

मिल्ल प्रश्मम जाक्षिमा मार्थवात अवर्षिक श्रूर्व माराता प्रश्मम्-प्रमुग हिल्लन, अरे म्मात जेल्मा-प्राथनकल्ल जाराता प्रमुम्हास वराल तरिसारहन विस्ता भनी रहेरा।

৫१। (>) প্রধানয়ন্ত্রীর পদ সুন্য হই(ব, মদি

(ক) তিনি কোন সম্মে রাষ্ট্রপতির নিকট পদ্ত্যাগপত প্রদান করেন; অথবা

(খ্র) তিনি সংসদ্- সদ্স্য না থাকেন ।

(২) সংসদের সংখ্যাগরিষ্ঠ সদস্যের সমর্থন হারাইলে প্রধানমন্ত্রী পদ্ত্যাগ করিবেন কিংবা সংসদ্ ভাঙ্গিয়া দিবার জ্ন্য রাষ্ট্রপতিকে প্রামর্শদান করিবেন এবং তিনি অনুরূপ প্রামর্শদান করিলে রাষ্ট্রপতি সংসদ্ ভাঙ্গিয়া দিবেন।

(७) श्रवानमतीत छेउतार्विकाती कार्मजात शर्म ना कता भर्मत श्रवानमतीक मीम भए वशन थाकिछ धरे अनुस्कृत्मत कान किहुरे अत्यागु कित्व ना।

৫৮। (>) প্রশানয়ন্ত্রী ব্যতীত অন্য কোন মন্ত্রীর পদ শুন্য হইবে, মদি

(ক) তিনি রাষ্ট্রপতির নিকট সেশ করিবার জন্য প্রখানয়ন্ত্রীর নিকট পদ্ত্যাগপত্র প্রদান করেন;

(थ) ठिनि अश्मम- मम्मा ना थारकन ;

- (গ) এই সনুদ্ধেদের (২) দফা- সনুদারে রাষ্ট্র-পতি সনুরূপ নির্দেশ দান করেন; সমবা
- (च) अरे अनुत्कुत्पन (४) म्काम त्यन्त विवान करा रहेमात्, जारा कार्यकर रम।
- (२) श्रवानमनी त्म कान मम्स्र कान मन्नेकि भम्जाभ कवित्व अनुदार्थ कवित्व भावित्वन धवर् डेक मन्नी अनुक्ष अनुदार्थभान्नत अममर्थ रहेला जिन बाद्देभिजिक डेक मन्नोन नित्माला अयमान घोष्ट्रेयान भनामक मान कवित्व भावित्वन।
- (৩) সংদ্রদ ভাঙিগয়া মাত্তয়া অবদ্যার মে কোন সমমে কোন য়ন্ত্রীকে স্বীয় পদে বহান প্রাকিত এই অনুদ্ধেদের (২) দফার (ক), (প্র) ও (প্র) উপ-দফার কোন কিছুই অমোগ্য করিবে না।

(8) ख्रवानबद्धी भम्जाभ कतिल वा खीम् भरम वराल ना थाकिल मन्त्रोसित खरजुक भम्जाभ প্রবানমন্ত্রীর পদের মেয়াদ

अन्धाना मन्नीत शरमत स्म्याम् করিয়াছেন বলিয়া গণ্য হইবে; তবে এই পরিছেদের বিধানাবলী-সাপেঞ্চে তাঁহাদের উত্তরাধিকারিগণ কার্যভার গ্রহণ না করা পর্যন্ত তাঁহারা দ্ব দ্ব পদে বহাল থাকিবেন।

(৫) এই অনুদ্দেদে "মন্ত্রী" বনিতে প্রতি-মন্ত্রী ও উপয়ন্ত্রী অনুর্ভুক্ত।

৩য় পরিচ্চেদ– স্থানীয় শাসন

৫১। (১) আইনানুমায়ী নির্বাচিত ব্যক্তিদের সমর্ম্ গঠিত প্রতিষ্ঠান সমূহের উপর প্রজাতন্ত্রের প্রত্যেক প্রশাসনিক এককাংশের দ্বানীয় শাসনের ভার প্রদান করা হইবে।

(२) अटे प्रश्विधात ७ अन्य कान आहेन आलक्ष प्रश्मित आहेत्वत पाता त्यक्तम निर्मिष्ठे कवित्वन, अटे अनुत्कृत्मत (२) म्याम उल्लिभिण अनुक्रम अव्यक्त अिश्वेषान मत्याममूक अभावितक अकनाश्मात्र प्रत्या प्राटेक्तम मामिल्ल भावत कवित्वन अद्यक्तम आहेत्व निम्नालिभिण विषय्-प्रश्कातु मामिल्ल अतुर्कुक दरेल भाविता:

- (क) अनामन उ मनकाती कर्मातीएत कार्य;
- (थ) ज्नम्भ्यना-नक्षा;
- জনসাধারনের কার্ম ও অর্থনৈতিক উন্নয়ন
 -য়য়য়িত পরিকল্মনা -প্রনয়ন ও -বায়ৢবায়ন।

७०। এई সংবিশ্বানের ৫० अनुष्कृष्णत्र विधानावनीति भूने कार्यकर्ञामात्तर डेष्म् (मा प्रश्मम आरेत्तर द्वारा डेक अनुष्कृष्म डेल्लिभिङ मृानीय भामन मश्कानु श्रक्ति क्षानमपृश्क मृानीय श्राम्यक्त कर् आदाभ करियार अभ्यामश्चाम याद्यो श्रमुङ्कर्म उ निक्ष । उर्वन दक्षनात्म स्नि अभुङ्कर्म अम्बा श्रमान करियन।

স্নীয় শাসন সংকার প্রতিষ্ঠানের ক্ষমতা

मुानीय गाजन

৪ র্থ পরিচ্ছেদ্– প্রতিরক্ষা কর্মবিভাগ

৬)। বাংলাদেশের প্রতির্ক্ষা কর্মবিভাগ সর্গৃহের সর্বাধিনায়কতা রাষ্ট্রপতির উপর ন্যুদ্ধ হইবে এবং আইবের দ্বারা তাহার প্রয়োগ নিয়ন্তিত হইবে।

মর্বাধিনায়কতা

৬২। (১) সংলদ আইনের দ্বারা নিমুলিখিত বিষয়-সমূহ নিম্নুন করিবেন:

প্রতিরক্ষা কর্মবিভাগে ভর্তি প্রভৃতি

- (ক) বাংনাদেশের প্রতিরক্ষা কর্মবিভাগসমূহ ও উক্ত কর্মবিভাগসমূহের সংরক্ষিত সংশ্যমূহ গঠন ও রক্ষণাবেক্ষণ;
- (भ) डेक कर्मविज्ञाशमग्रूह किम्मन मञ्जूनी;
- (গ) প্রতিরক্ষা-বাহিনীরমূহের প্রধানদের নিয়াগ-দান ও তাঁহাদের বেতন ও ভাতা-নির্বারন; এবং
- (घ) উক্ত কর্মবিভাগসমূহ ও সংরক্ষিত অংশ-সমূহ -সংক্রান্ত শৃঞ্চ্যলামূনক ও অন্যান্য বিষয়।
- (২) प्रश्मित् आहेत्तव माता अहे अनुक्षित (२) प्रकाम वर्निक विष्ठम्म प्रदूर इत्र विधान ना कता भर्मनु अनुक्ष (य प्रकल विष्ठम् प्रक्रिक आहेत्तव अधीन नहा, वाञ्चेषिक आदित्य प्रावा प्रहे प्रकल विष्ठाम इत्र विधान करिक भावित्वन।

৬৩। (১) সংদদের সমাতি ব্যতীত মুদ্ধ ছোমনা করা মাইবে না কিংবা প্রজাতনু কোন মুদ্ধে অংশ গ্রহণ করিবেন না ।

- (২) वाश्लामिक विक्षि मूल, इल वा आकाम निर्मा अकृष वा आजन आजन आजना कि अकृष वा आजन आजना कि कि कि वाश्लामिक विकास विकास विकास कि अविविद्या अहम कि निर्मा अस्मिन विकास वितास विकास विकास
- (७) युद्ध किश्वा आक्रमने वा ममञ्जू विद्यादित काल ज्ञनित्राभेश निकिल कित्यात ७ त्राष्ट्रेक तृक्षा कित्वात छेष्म् भी चित्रमा अख्यिक मध्मप्त विधियम्न कित्र आहेन कि धेरे मध्यिधातत कान किहूरे श्रीयेष कित्र ना ।

७ म श्रीतटक्कृ जार्गेन - रक्तनारतल

७८। (२) जूक्षीम कार्टेन विष्नातक रहेवान त्याना काम नुक्तिक नाष्ट्रेमिक वाल्ला (एएन अगाविन क्वाल्ल - भए नित्सानमान कनितन ।

(2) अरादिन - रङ्गार्वन याद्वेभिष्ठ कर्ज्क अम् उ

अगार्धिन-क्रिनाव्य

प्रकल पाग्निय भानन कवितन।

- (৩) স্যাটরি-জেনারেলের দায়িসুপাননের জন্য বাংলাদেশের সকল স্থাদালতে সঁহার বক্তব্য পেশ করিবার অধিকার থাকিবে।
- (৪) রাষ্ট্রপতির সরোষানুমায়ী সয়য় দীয়া পমর্ব অ্যাটর্নি-জেনারেল দ্বীয় পদে বহান থাকিবেন এবং রাষ্ট্রপতি কর্তৃক নির্পারিক পারিপ্রয়িক লাভ করিবেন।

পঞ্চম ভাগ

जावेन जडा

३म शितरफूप- जश्जप

७६। (२) "ङाजीस मध्यम्" नास वाश्नाप्तात् अवि मध्यम् थाकित्व धवः धदे प्रश्विधात्मक् विवानावनी-प्रात्मक खङाङ्क्ति आहेनस्यनेस्न-ऋत्रजा प्रध्यप्ति डेभन नामु दहेत्व ;

তবে শর্ত থাকে মে, সংসদের সাইন-দ্বারা মে কোন ব্যক্তি বা কর্তৃপক্ষকে আদেশ, বিধি, প্রবিধান, উপ-আইন বা আইনগত কার্মকর্তাসমূর অন্যান্য চুক্তিপত্র প্রন্মানের ক্ষরতার্পন হইতে এই দ্ফার কোন কিচুই সংসদকে নির্ত্ত করিবে না।

- (২) একক আঞ্চলিক নির্বাচনী এলাকার মূহ হইতে প্রত্যক্ষ নির্বাচনের মার্ধ্যমে আইনানুমামী নির্বাচিত তিন শত সদস্য লইমা এবং এই সনুদ্ভেদ্দের (৩) দফার কার্মকর্তাকালে উক্ত দফাম বর্নিত সদস্য-দিগকে লইমা সংসদ গঠিত হইবে; সদস্যাপন সংসদ্ সদস্য বলিমা অভিহিত হইবেন।
- (৩) এই সংবিশান-প্রবর্তন হইতে দৃশ বংস্করনান অতিবাহিত হইবার অব্যবহিত পরবর্তীকালে সংগদ ভাঙিগ্রমা না মান্ত্রমা পর্মন্ত পনরটি আসন কেবল মহিলা-সদ্স্যদের জন্য সংরক্ষিত থাকিবে এবং তাঁহারা আইনানুমায়ী পুর্বোক্ত সদ্স্যদের দ্বারা নির্বাচিত হইবেন;

उत गर्ज भारक तम, धरे ममात रकान किहुरे धरे अनुरक्ष्मत (२) ममात अधीन रकान आप्रत कान प्रश्नित निर्वाचन नितृष्ठ कित्रत ना ।

(८) द्राक्थानोट प्रश्वस्त आजन थाकित।

अ। (२) कान नुष्ठि नाश्नाम्हण्य नागविक रहेल यवर जाँदान नम्म भाँकिश नुष्ठान भूमें द्रहेला पर्दे जनुष्कृष्प्त (२) म्याम निर्म निर्मान-जालक जिनि सश्मापन सम्मा निर्माकिज रहेनान प्रवश्मप्त-प्रम्मा थाकिनान स्यामा रहेरान ।

(२) टकान व्यक्ति मध्मापत मप्ना निर्वाहिक इरेबाव थवः मध्मप-मप्ना थाकिवाव त्याना रहेवन ना, मिप

मश्मम-श्राजिष्ठा

সংসদে নির্বাচিত হরবার যোগ্যতা ও অযোগ্যতা

- (ক) কোন উপমুক্ত আদানত জঁহাকে অধুকৃতিফু বনিয়া ঘোষনা করেন;
- (খা) তিনি দেউনিয়া ছোমিত হইবার পর দায় হইতে অব্যাহতি নাভনা করিয়া থাকেন;
- (গ) তিনি কোন বিদেশী রাষ্ট্রের নাগরিকত্ব অর্জন করেন কিংবা কোন বিদেশী রাষ্ট্রের প্রতি আনুগত্য ঘোষ্ণা বা দ্বীকার করেন;
- (ঘ) তিনি নৈতিক সমুল্মজনিত কোল ফৌজদারী অপরাধে দোষী দাব্যস্ত হথিয়া অন্যুন দুই বংদরের কারাদ্রে দ্রিত হন এবং তাঁহার মুজিলাভের পর পাঁচ বংদরকাল অতিবাহিত না হথিয়া থাকে;
- (७) जिनि २०१२ मालिव वाश्नाप्त पान-माङ्गकाती (विश्व देशिवुनान) ज्यादम्बाव ज्यीन प्रकान जानार्थं, जन्म पिनुज दरेगा थाकन;
- (চ) আইনের দ্বারা সদাধিকারীকে সমোগ্য ঘোষণা করিতেচ্ না, এমন সদ ব্যুতীত তিনি প্রজাতন্ত্রের কর্মে কোন নাভজনক সদে অধিষ্ঠিত থাকেন; সম্মবা
- (क्) जिनि कान आहेरनव मावा ग अवीन अनुक्रण निर्वाहराव क्रा आयाण हन।
- (७) धरे अनुस्हित्तर डेस्प्रशुप्राध्नकत्त्र कान व्यक्ति क्वन बन्नी, श्रिविम्नी वा डेपब्रनी रहेवार कार्त श्रद्धां कर्त्व कार्त नाडक्रक भर्त अधिकिंक विन्मा भन्ना रहेविन ना ।
- (8) कान प्रथम-प्रमम् जाँशत निर्वाहतत् पत् यहे जनूष्कृप्ततः (२) प्रकाश वर्ति अयाभुणत अवीन रहेशाह्न कि ना किश्वा पहे प्रश्विवादतः 90 जनूष्कृप- जनूषातः कान प्रश्मप-प्रम्पातः जापन भूना रहेव कि ना, प्रम्मात्क कान विवर्ष प्रभा पिता छनानी उ निक्षाित जन्म प्रभृति निर्वाहन किम्मप्ततः निकि खितिज रहेव पदः जनूमम् एक्षता किम्मप्ततः विक्वान कृष्णनु रहेवा।
- (৫) अट्टे अनुस्कृतित (६) मकात विधानायनी प्राटाल धूर्म कार्यकर्ण लाख कतिल भारत, रमिट्टे केल्ल्ला निर्वाचन किस्मनरक अध्यानार्तत उत्गु

সংলদ মেরূপ প্রয়োজন বোঁব করিবেন, আইনের দ্বারা জেইরূপ বিধান করিতে পারিবেন।

७१। (२) कान अर्झम्- मम्(मातः न्यानेन स्ना इरेक, मि त्रमणुरमङ् आजन सूनु इछमा

(ক) তাঁহার নির্বাচনের পর সংসদের প্রথম বৈঠকের তারিখা হইতে নবাই দিনের মধ্যে তিনি তৃতীয় তফলিলে নির্বারিত শপখগ্রহন বা ঘোষনা করিতে ও শপখ্দ পরে বা ঘোষনাপরে দ্বাক্ষরদান করিতে সমর্যা হন;

> তবে শর্ত থাকে মে, অনুরূপ নেয়াদ্ অতিবাহিত হাইবার মুর্বে স্মীকার মথার্ম কার্নে তাহা বর্ষিত করিতে পারিবেন;

- (খ) সংসদের অনুমতি না লইমা তিনি একাদিকমে নস্বই বৈঠক-দিবদ অনু-পদ্ধিত থাকেন;
- (भ) मरमप जिल्लमा माम ;
- (घ) जिनि এरे जर्विशानित ५५ अनु छ छत्। (२) म्फान अधीन अत्याना रहेगा यान; अथवा
- (७) परे महिवैशालक १० अनुत्कृति वर्निछ अविद्विष्ठिक डेमुक रम।

७৮। प्रःप्रति आहेन-पाता किश्वा अनुक्रमाव निर्वातिक ना रुख्या भर्मत तासुभिक कर्क आत्मान पाता त्मक्रभ निर्वातिक रहेत्व, प्रश्मिष-प्रमामन (प्रहेक्ष विकास काला अ विकास अधिकात नाल क्रितिन।

সংমদ-সদস্যদের বেতন প্রভৃতি

७०। कान गुक्ति ५२ प्रः विधानक विधान अनुभामी सम्बद्धार्थने वा खामनी कविवाव ५ वर सम्बद्धार वा खामनीसाल म्नाक्षवान कविवाव सूर्व किश्वा जिनि प्रश्मिन मन्त्रपु रहेवाव स्मान्त्र ना

শদমগ্রহান্র পূর্বে আসমগ্রহণ বা ভোটদান করিলে সদ্দ্যের অর্থদ্ভ अरमाना रहेगारहन कानिमा मश्मम-मम्माक्ता आसन-श्रद्यने वा खारेमान कित्रले जिनि अजि मिलव अनुक्रम कार्येव कृना अकाजरखुव निकरे प्या रिमाय छेन्नून-प्याना पक राजाव होका कित्रमा अर्थम्स मस्त्रीम रहेरवन।

90। কোন নির্বাচনে কোন রাজ্বৈতিক দ্নের প্রাথিরিক্সে মনোনীত হইয়া কোন ব্যক্তি সংগদ-সদ্শ্য নির্বাচিত হইনে তিনি মদি

(क) डेक म्ल इरेड भम्गाग कल्न, अथवा

(খ্র) সংসদে উক্ত দলের বিপঞ্চে ভোটদান করেন,

তাহা হইনে সংসদে তাঁহার আসন শূন্য হইবে, তবে তিনি সেই কারনে পরবর্তী কোন নির্বাচনে সংসদ-সদ্প্য হইবার অ্যোগ্য হইবেন না।

9)। (>) कान बाकि अकरे प्रमास पूरे वा ठळाविक निर्वाहनी अलाकात अध्यम-मम्प्रा रहेरान ना ।

(२) त्कान बुक्तित अकरे ममस् पूरे वा ज्लिविक नियाननी अनाका रहेल निर्वाननक्षार्थी रुउम्राम् अरे व्यमुक्तिप्त (२) मकाम वर्निज त्कान किहुरे छाजि-वस्तका पृष्टि कवित्व ना, जत्व जिनि मिष् अकार्विक निर्वाननी अनाका रहेल निर्वानिज रुन जारा रहेल

- (ক) তাঁহার সর্বশেষ নির্বাচনের বিশ দিনের য়েখ্য তিনি কোন, নির্বাচনী এলাকার প্রতিনিধিকু করিতে ইচ্চুক, তাহা জ্ঞাপন করিয়া নির্বাচন কমিশনকে একটি স্বাক্ষরমুক্ত ঘোষণা প্রদান করিবেন এবং তিনি অন্য মে সকল নির্বাচনী এলাকা হইতে নির্বাচিত হইয়াছিলেন, সতঃপর সেই সকল এলাকার আসন-সমূহ শূন্য ইইবে;
- (थ) परे प्रकात (क) डेभ-प्रका प्रामा करिए अन्नस्थ रहेत्न जिति य नकन आमत निर्वाहिज रहेशाहिलन, त्मरे मकन आमन भूना रहेत्व ; प्रवर
- (গ) এই দ্ফার উপরি-উক্ত বিধান সমূহ মতখানি প্রযোজ্য, ততখানি পানন না করা পর্মন্ত নির্বাচিত ব্যক্তি সংমদ্-সদ্দ্যের শপ্যপ্রহান বা ঘোষনা করিতে ও শ্পথ-

রাজ্নৈতিক দল হুইতে পদত্যাগ বা দলের বিপক্ষে ভোটদানের কার্ণে আসন শূন্য হুড্মা

দ্বৈত-সদ্স্তাম বাবা পরে বা ছোমনাপরে দ্রাক্ষরদান করিত পারিবেন না।

৭২। (১) ররকারী বিজ্ঞপ্তি-দারা রাষ্ট্রপতি সংসদ্ আহ্বান, দ্বুগিত ও ভঙ্গ করিবেন এবং সংসদ্ আহ্বানকালে রাষ্ট্রপতি প্রথম বৈঠকের সম্ম ও দ্যুন নির্বার্থ করিবেন;

তরে শর্ত থাকে মে, সংসদের এক অবিবেশনের সমান্তি ও সরবর্তী অবিবেশনের প্রথম বৈঠকের মধ্যে মাট দিনের অভিরিক্ত বিরতি থাকিবে না।

(2) अरे अनुष्क्षित (३) प्रकात विदाता वली प्राव्यु प्रश्मप-प्रप्राप्तत या कान प्रावात निर्वाहित क्रमाक्रम ध्यायिक रहेवात जिम पित्तत प्राव्यु र्विषेक अनुश्रीतित इत्यु प्रश्मप् आखान क्या रहेवा।

(৩) রাষ্ট্রপতি পূর্বে ভাঙ্গিয়া না দিয়া থাকিনে প্রথম বৈঠকের ভারিখ হইতে পাঁচ বংদর অতিবাহিত

ररेल मध्मम छाष्टिमा यारेव ;

তবে শর্ত থাকে মে, প্রজ্যতন্ত্র মুদ্ধে নিপু থাকিবার কানে সংসদের সাইন-দ্বারা অনুরূপ দেয়াদ এককানে অনধিক এক বংগর বর্ধিত করা মাইতে পারিবে, তবে মুদ্ধ সমাপ্ত হইনে বর্ধিত দেয়াদ কোনক্রমে চুয় মাদের অধিক হইবে না।

- (8) प्रश्मम ज्ञा दरेवात भन धर अश्मामन भनवर्जी प्रावान निर्वाहन अनुकारन भूदि नाकु भिन्न निर्वाह प्रमान स्था प्रावासक निर्वाह प्रजी समान दस प्रावासक निर्वाह सम्बद्ध निष्ठ निर्वाह स्था प्रावासक निष्ठ निर्वाह स्था प्रावासक निष्ठ निर्वाह स्थान क्ष्म प्रावासका क्ष्म प्रावासका क्ष्म प्रावासका क्ष्म प्रावासका क्ष्म प्रावासका क्ष्म प्रावासका क्ष्म क्ष्म
- (৫) अरे अनुष्कृष्पत (२) म्यान विदानावनी-प्रात्मक्ष कार्यक्षनीनी-विदि-म्नाना वा अनुज्ञात प्रश्मम् त्मन्म निर्दान्न कन्नित्वन, प्रश्मापन विवेकप्रमूर प्रिरे-नुभ प्रमास उ मुन्त अनुष्ठि दरेत ।

৭৩। (১) রাষ্ট্রপতি সংমদে ভাষ্ট্রন দান এবং বাণী প্রের্থ করিতে পারিবেন।

- (২) সংসদ-সদস্যদের প্রত্যেক সাধারণ নির্বাচনের পর প্রথম অধিবেশনের সূচনাম এবং প্রত্যেক বং সর্ব প্রথম অধিবেশনের সূচনাম রাষ্ট্রপতি সংমদে ভাষণ দান করিবেন।
 - (७) बाबुमिक कर्क्क अम्ड जायने अयने वा

সংমদে রাষ্ট্রপতির

जामने 3 वानी

সংসদের অধিবেশন

00

প্রেরিত বানী প্রাপ্তির পর সংঘদ উক্ত ভাষণ বা বানী ক্রমার্কে সালোচনা করিবেন।

981() कान प्राधातन निर्वाहतित एवं प्रश्नित्व प्रथम विवेक प्रथम- मन्प्राप्त प्रथा दरेख प्रथम धकक्र स्नीकान उ धकक्र एमू ि स्नीका निर्वाहित कित्वन, धवर धरे पूरे भएत या कानि भूना दरेल प्राज मिलन प्रथा किरवा थे प्रमुख प्रथम विवेकन्त ना धाकिल भनवर्जे स्रथम विवेक ज्ञा भूने किन्नान क्रम प्रथम- मन्प्राप्त प्रथा दरेख धकक्रमक निर्वाहित किन्ना।

(2) क्यीकात वा उपूर्विक्यीकात्वत भर भूगु इरेटा, यिप

(क) ठिनि प्रश्मप-प्रमुप्ता ना थारकन ;

(भ) जिनि मन्ती-अप शहन करवन ;

- (গ) পদ হইতে তাঁহার অপদারণ দাবী করিয়া মোট সংশ্লদ-সদ্ম্যের সংখ্যাগরিষ্ঠ ভোটে সমর্থিত কোন প্রদ্যাব (প্রদ্যাবটি উপ্সা-পনের অভিপ্রায় জ্ঞাপন করিয়া অন্যুন চৌদ্দ দিনের নোটিশ প্রদানের পর) সংশ্লদে গৃহীত হয়;
- (ঘ) তিনি রাষ্ট্রপতির নিকট দ্বাক্ষরমুক্ত পত্র-মোগে তাঁহার পদ ত্যাগ করেন;
- (৬) কোন সাধারন নির্বাচনের পর অন্য কোন সদ্স্য তাঁহার কার্মভার গ্রহণ করেন; অথবা
- (চ) ডেপুটি দ্দীকারের ক্ষেত্রে, তিনি দ্দীকারের পদে মোগদান করেন।
- (७) अभोकारत्त भम भूमु दरेल वा जिनि तालुभित्र पागिञ्च भानता त्र थाकिल किश्वा अमु रक्तान कात्र पिति श्री मागिञ्च भानता असमर्थ विनाम प्राप्त निर्मात किश्वा भागि प्राप्त निर्मात किश्वा भागि प्राप्त निर्मात किश्वा भागि किश्वा हिंदी अभीकार्त्र भागि किश्वा रुप्ति अभीकार्त्र भागि भूमु दर्शेल प्रश्माप्त कार्य ख्री किश्वा स्वाप्त भागि काम प्रश्माप्त कार्य भागि किश्वा किश्वा स्वाप्त किश्वा किश्वा अनुभित्र अनुभित्र कार्य क्षित्र मागि अभीकार्त्र अनुभित्र अनुभित्र भागि भागित प्रश्माप्त कार्य कार्य कार्य अनुभित्र अनुभित्र भागित प्रश्माप्त कार्य प्राप्त कार्य क

দ্দীকার ও ডেপুটি দ্দীকার

- (8) प्रश्मिप्त कान देविष्क म्मोकान्न ग्रांशन भाग रहेल ज्यम प्रान्ति क्रमा कान श्रमाव वित्रक्तान कान्न म्मोकान (किश्वा एमपूष्टि म्मोकान्न ग्रांशन व्यक्तान कान्न स्थित ज्यमान्न नित्र क्रमा कान श्रमाव वित्रक्तान कान्न एमपूष्टि म्मोकान्न वित्रक्तान कान्न एमपूष्टि म्मोकान्न) छेमिम् श्राचित्र प्रज्ञामिष्ठ किन्न कान्य पर्व परे अनुस्मृत्त (७) प्रकाम वर्निज क्रमान कान्य प्रोकान वा एमपूष्टि म्मोकान्न अनुमृत्र कान्योन तेविक प्रमार्क श्रामान्त विवानावनी अनुमृत्र श्राला किन्न विवानावनी अनुमृत्र श्राला कर्मिक विवानावनी अनुमृत्र श्रामान कान्य विवानावनी स्थान विवानावनी स्थान विवानावनी स्थान व्यामान कान्य विवानावनी स्थान विवानावनी स्थान व्यामान विवानावनी स्थान विवानावनी स्थान व्यामान विवान विवानावनी स्थान व्यामान व्यामान विवान विवानावनी स्थान व्यामान व्याम व्यामान व्याम व्याम
- (६) क्रीकात वा उप्पृष्टि क्रीकात्त अपप्रात्सेत् इता कान असाव प्रश्नाप वित्विष्ठ दरेवात् काल क्षित्रमञ क्रीकात वा उपपृष्टि क्रीकात्त्र कथा वित्वात् उ प्रश्मापत कार्यभाताम् अन्याजात् अश्मेष्ठद्रस्य अधिकात् थाकित्व पदः जिति क्षित्रन प्रमामाना उपितात्त्र अधिकात्ते दरेत्वन ।
- (७) अरे अनुष्क्रित् (२) म्मान विधानावली प्राकु उक्ष्यम् स्भीकान वा एम्पूरि स्भीकान गॅरान डेडनार्थिकानी कार्यजान श्रद्य ना कना भर्मा स्वीम भर्म वहाल वहिसारहन बलिसा भर्ग दहीत।

9@1 (>) धरे ज्रश्यित्रान-प्रात्मक

(क) प्रश्मम् कर्ज्क श्रिभीज कार्यश्रभानी-विवि - मात्रा ध्रवः अनुसम विवि श्रिभीज ना रुअमा भर्मनु त्राद्देभिज कर्ज्क श्रिभीज कार्यश्रभानी-विवि - मात्रा प्रश्मास्त्र कार्य-श्रभानी निम्मिनुज रहेरद ;

(था) डेमिन्ड उ लिंग्सिनकाती समम्प्राप्त स्थागिति हिंदि स्थापि सिकानु श्रीज रहेर्द ज्व समझ्थाक लिंदि स्थापित क्रिकान क्रिका स्थापित क्रिका क्रिका स्थापित क्रिका क्रिका स्थापित क्रिका स्थापित स्थापित

(भ) प्रश्माप्त कान प्रमुश्म भूना विश्माह, क्रियम पर्टे कावर्त किश्वा प्रश्माप केमिनुक रेटेवाव वा ज्याने काम काम केमार्म काम वास्त्र प्रश्माप्तर अधिकाव ना थाका प्रखु कान व्यक्ति प्रमुक्ष कार्म कविमाह्न, क्रियम पर्टे कावर्त प्रश्माप्त कान काम वास्त्र प्रिवर्टिं रेटेव ना । কার্যপ্রধানী-বিধি, কোরাম প্রভৃতি

- (२) मः माप्त रिवर्षक हमाकाल काम समास् उपित्र् मित्र सम्मा माप्ति क्य बिसा यि प्रजामित्र मृष्टि आकर्म करा दस, जादा दहेल जित अनुप्त मार्ट ज्य मम्मा उपित्र् ना द्रश्मा भयक्त रिवर्षक मृणिज वाभिरवन किश्वा मूनज्वी करित्वन।
- १७। (३) अश्वाप्त आलाक अधितमात् ध्यभन रैविवेटक मश्मम-मम्माप्त भी दिश्व मम्मा लोगा मश्मम निम्नाभिण म्यो किनिध्यमूह निरमण कित्रिका

मः मामि मामी क्षिक्रिम्

- (क) प्रकाती दिवाव कविषि ;
- (খ) বিশেষ- অধিকার কমিটি; এবং
- (গ) সংস্রদের কার্মপ্রধানী-বিধিতে নির্দিষ্ট অন্যান্য দ্যায়ী কলিটি।
- (২) সংসদ এই সেরুদ্ভেদের (২) দফায় উল্লিখিত কয়িটিসমূহের অতিরিক্ত অন্যান্য দ্যায়ী কমিটি নিমোগ করিবেন এবং অনুরূপভাবে নিমুক্ত কোন কয়িটি এই সংবিধান ও অন্য কোন আইন -দ্যাপেক্ষে
 - (क) अप्रज़ा विल ও अन्याना आहेन शठ अमुान भनेका कतिल भारितनः
 - (খ) আইনের বনবংকরন পর্মানোচনা এবং অনুরূপ বনবংকরনের জন্য ব্যবদাদি গ্রহনের প্রস্তাব করিতে পারিবেন;
 - (श) ज्रनकुक्षमभात्त विनमा प्रश्नम् कार्म विषय प्रभार्क कमिष्टिक अवश्चि कवित्त प्रिशे विषय कान मनुनीनस्य कार्य वा अभायन प्रश्वक्त अनुस्रक्तान वा जन्तु कवित्व भावित्वन এवः कान प्रमुनीनस्य निकढे ११८७ अध्यज्ञानु अजिनिवित माथास प्राप्तिक ज्थानि प्रश्वाद्य अवः अभानित सोधिक वा निधिज डेउन्नाख्य प्राप्तिका विश्वक डेउन्नाख्य स्वाप्तिका प्राप्तिका स्वाप्तिका स
 - (ছ) সংপ্রদ কর্তৃক অপিত অন্য যে কোন দায়িত্ব পানন করিতে পারিবেন।
- (७) प्रःमम् आरेत्नत् मात्रा परे अनुष्क्रम् व अभीन निमुक किमिष्नमृश्क
 - (ক) সাক্ষীদের হাজিরা বলবং করিবার এবং শদম, ছোমনা বা অন্য কোন উপায়ের অধীন করিয়া তাঁহাদের সাক্ষ্যপ্রহেশের,

(খ) দ্দিলপত্র দাখিল করিতে বাধ্য করিবার প্রক্ষতা প্রদান করিতে পারিবেন ।

99। (১) সংঘদ আইনের দারা ন্যায়পানের পদ্ প্রতিষ্ঠার জন্য বিবান করিতে পারিবেন।

(२) प्रत्मम् आहेत्वतः माता न्यामभावतः कात सनुनालमः, जवकावी कर्मघावी वा प्रश्विविवम् प्रकावी कर्षभाक्षकः त्म कात्र कार्म प्रम्भादकः विभावनावः अभवाष्ट त्मम् अभवा किश्वा त्मम् मामिष् अमान कवित्वन, नेगामभान त्मरेक्सभ अभवा अत्माग अ मामिष् भानन कवित्वन ।

(৩) ন্যায়পান তাঁহার দায়িত্বপানন সন্ধর্কে বাংদরিক রিজার্ট প্রশমন করিবেন এবং অনুরূপ রিপোর্ট সংসদে উপদ্যাপিত হইবে।

৭৮। (১) সংসদের কার্মধারার বৈর্বতা সম্মর্কে কোন আদানত প্রশ্ন উত্থাপন করা মাইবে না।

- (२) अश्मात्त त्म मन्मा या कर्मगतीत छेभत प्रश्मात्त कार्यश्चनीतिम्मूने, कार्यभितिम्ना या मृश्यात्रकात अप्रण नाम थाकित, जिन येरे मकन अप्रणश्चात्र अप्रण कार्य कार्यात्र कार यामान्छ्य प्रश्चिमात्त्र अप्रीत रहेत्वर ना।
- (७) मश्माप वा मश्मापत कान किपिछ किष्ठू वमा वा जिप्तेमात्मत जना काम मश्माप-मप्रमात विक्राक्ष कान आमामा कामीवा असी कहा यारेख ना।
- (৪) এংসদ কর্ত্ক বা সংসদের কর্ত্ত্ব কোন রিপোর্ট, কাগজপত, ভোট বা কার্মখারা প্রকাশের জ্ন্য কোন ব্যক্তির বিরুদ্ধে কোন সাদানতে কোন কার্মখারা গ্রহণ করা মাইবে না।
- (৫) अरे अनुरक्त-मालाक मध्मप्त आरेन-माना मध्मप्त, मध्मप्त कमिरिमम्हर अवश् मध्मप्-मम्मप्तन विलाध-अधिकान निर्वात्न करा मारेख भावित ।

१३। (३) अश्याप्त निङ्घु मिवानम् थाकिए।

- (३) प्रश्माप्त प्रिवानस्य कर्मग्रीस्व निस्नान ७ कर्सन् मर्जप्रसूर् प्रश्मम् आहेतन् मुन्न निर्वानने कन्निक भानितन ।
- (৩) সংসদ কর্তৃক বিধান প্রণীত না হওয়া পর্মন্ত ক্রীকারের সহিত পরামর্শক্রমে রাষ্ট্রপতি

न्राग्रंभान

সংমদ ও সদস্যদের বিশেষ-অধিকার ও দামমুক্তি

मः अप- अहिवाल म

मरम्प्त मिह्यालस्य कर्महात्रीयतः निरमाभ उ कर्मत् শর্তসমূহ নিখারন করিয়া বিধি প্রশম্ন করিতে সারিবেন এবং অনুরূপভাবে প্রনীত বিধিয়য়ূহ মে कान आहेत्वत विधान- माला क कार्यकर रहेता।

২য় পরিচ্চেদ্দ আইনপ্রশয়ন ও অর্থ-সংক্রান্ত পদ্ধতি

bol (>) आर्रेन ख्रानेस्त्र डिप्प्लि प्रश्मप् आनीउ आरेन खर्मान निक्रि প্রত্যেকটি প্রদ্ধাব বিল-আকারে উপ্পাণিত হইবে।

- (२) प्रश्मम कर्ज्क रकान विन शृशीज रहेरल प्रद्माजिव জন্য তাহা বাধুপতিব নিকট দেশ ক্য उदेरव ।
- (৩) রাষ্ট্রপতির নিকট কোন বিল পেশ করিবার পর পনর দিনের মধ্যে তিনি তাহাতে সম্ভিদান क्रिटिन किश्वा अर्थिन युजी अन्य कान विल्व ক্ষেত্রে বিলটি বা তাহার কোন বিশেষ বিখান भूनर्विवन्नाव किश्वा बाह्येमिक कर्क निर्माभिक कान अश्लार्थनी विविष्ठनात अनुवार्थ कामन करिया अकि वाज्य किन विलि प्रत्य कर्ड मिल পারিবেন ; এবং রাষ্ট্রপতি তাহা করিতে অসমর্থ ररेल डेक समारम्य अवमात जिनि विनिरित ममाजिमान कविमाहिन विनिमा भने रहेरव।
- (৪) রাষ্ট্রপতি মদি বিনটি অনুরূপভাবে महमाम रफर भार्यान, जारा रहेर्न महमम् राष्ट्रेषवित वार्जाबर जारा भूनविर्विष्ठना कविरवन; अवः प्रः लावनी-प्रश् या प्रश्लाविनी याजित्वक मध्यम पुनवाय विनिष्ठि श्रम करिल अमाजित क्रा जारा वार्षेणविव निकछे डेममाभिज रहेत्व अवर अनुकृष डेममाभत्व माज पित्तव प्राथा जिति विलिटिल प्रमाजिमान कवित्वत ; अवर बाहुमिन जाश कविता अप्रमर्थ रहेता जेक सिमार्भक अववात जिति विविधित मग्निजिपान कविमात्वन विसमा भनी रहेरव।
- (c) अरमा कर्क श्रीज विनिहिल बाह्रेमिज मग्रिजिमान करितन वा जिनि मग्रिजिमान करिया हिन विल्या अने इरेल जारा आरेल भविनेज रहेत्व अवः मःमाप्त आरेन विन्मा अভिरिठ रहेता।

b)। (2) धरे जाल "अर्थितन" वनिए क्वतन নিম্নু নিখিত বিষ্ণু সমূহের সকল বা যে কোন একটি

<u>अर्था</u>विल

प्रक्रार्किङ विधानावली- जः विलङ विल वुसारेखः

- (ক) কোন কর আরোপ, নিম্নুর্শ, রদবদল, রওকুফ বা রহিতকর্শ;
- (খা) সরকার কর্তৃক খানগ্রহন বা কোন গ্যারারি দান, কিংবা সরকারের আর্থিক দায়-দায়িত্ব সদ্মকিত আইন সংশোবন;
- (গ্) সংমুক্ত তহবিলের রক্ষণাবেক্ষণ, অনুরূপ তহবিলে অর্মপ্রদান বা অনুরূপ তহবিন হইতে অর্ম দান বা নির্দিষ্টকরণ;
- (ছা) সংমুক্ত তহবিনের উপর দাম আরোপ কিংবা অনুরূপ কোন দাম রদ্বদ্ন বা বিনোপ ;
- (৬) সংমুক্ত তহবিন বা প্রকাতন্ত্রের দরকারী হিসাব বাবদ অর্মপ্রান্তি, কিংবা অনুরূপ অর্থ রক্ষনাবেক্ষন বা দান, কিংবা সরকারের হিসাব-মিরীক্ষা;
- (চ) উপরি-উক্ত উপ-দ্ফাসমূহে নির্ধারিত মে কোন বিষয়ের অখীন কোন আনুষ্ঠিপক বিষয়।
- (२) कान क्रियाना या जना जर्यम् ज्याताल या व्यवप्ता, किश्या लाईप्रमानक या कान कार्यत क्रम कि या जेमून ज्यादाल या ध्रमान किश्या म्नानीम जेप्लमा प्राचनकल्ला कान म्नीम कर्षक या धिर्षान कर्क कान कर आखाल, निम्मुन, व्यवप्ता, मउकूक या विश्वकर्तन वियान करा रहेमाहि, क्रिया धरी कार्यन कार्या विश्वा
- (७) बाकुभिजिब प्रमाजिब क्र्रा गंशा निकिष्टे राम किवाब प्रमाय श्राट्यक अर्थित म्मीकादब म्वाक्काद परे मार्म प्रकिष्ट प्रार्किकिष्टे थाकित या, गारा प्रकिष्ट अर्थिका, प्रवः अनुकाम मार्डिकिकिष्ट मकन विष्ठाम हुड़ातु रहेत्व प्रवः रामे प्रमार्क रकान आमानाल श्रभ जेशामन कहा मारेत ना।

৮২। সর্কারী অর্থব্যয়ের প্রশ্ন জড়িত রহিয়াছে, এমন কোন অর্থবিল বা বিল রাষ্ট্রপতির সুপারিশ ব্যতীত সংসদে উম্পাপন করা মাইবে না;

তবে শর্ত থাকে যে, কোন কর ব্লাস বা বিলোপের বিশ্বান-সংবনিত কোন সংশোধনী উত্থাপনের জ্ন্য এই অনুদ্ধেদের অশ্বীন সুপারিশের প্রয়োজ্ন হথৈ না। आर्थिक गुरुष्ग्रवतीत् मुमादिस ৮৩। সংসদের কোন আইনের দ্বারা বা কর্তৃ ব্যক্তিত কোন কর আরোপ বা সংগ্রহ করা মাইবে না।

সংসদের আইন ব্যতীত করারোশে বার্থা

৮৪। (>) সরকার কর্তৃক প্রাপ্ত সকল রাজ্ম্ম, সরকার কর্তৃক সংগৃহীত সকল ঋণ এবং কোন ঋণপরিশোধ হিতে সরকার কর্তৃক প্রাপ্ত সকল অর্থ একটি দার তহবিলের অংশে পরিনত হইবে এবং তাহা "সংমুক্ত তহবিল " নামে অভিহিত হইবে ।

जःभूक व्यवित्व ३ अकावत्त्रुतं जनकानी विज्ञान

(२) प्रतकात कर्ष्क वा प्रतकात्व भक्ष प्रापु अनु प्रकल प्रतकाती अर्थ अङ्गाठत्तुव प्रतकाती दिप्राय ङ्गा दरिया।

> সরকারী অর্থের নিম্নু-

৮৫। प्रविकाती व्यर्थित विक्रमी तिक्रमी, त्रिश्चमठ प्रश्चिक जर्रवित्न व्यर्थिमान वा जाश रहेल जर्थ- अजाशत किश्वा अक्षाजत्तु व प्रविकाती शिमात जर्थ- अमान वा जाश रहेल व्यर्थिजाशत प्रवः जेमित-जेक विषयममृश्हर प्रहिज प्रश्चिकी वा व्यानुमिक्षक प्रवन विषय प्रश्चित व्याहित- प्राह्मित वा राष्ट्रवा व्याहमी विषय प्रवेश व्याहित विविध्य प्रश्चित वा स्थान विविध्य प्रश्चित विविध्य प्रश्चित वा स्थान वा स्थान विविध्य प्रश्चित वा स्थान विविध्य प्रश्चित वा स्थान विविध्य प्रश्चित वा स्थान विविध्य प्रश्चित विविध्य प्रश्चित वा स्थान विविध्य प्रश्चित विविध्य प्रश्चित वा स्थान विविध्य प्रश्चित वा स्थान विविध्य प्रश्चित वा स्थान विविध्य प्या विविध्य प्रश्चित वा स्थान विविध्य प्रश्चित विविध्य प्रश्चित विध्य प्रश्चित विविध्य प्रश्चित विविध्य विविध्य विविध्य विविध्य विध्य विविध्य विवि

श्रकाग्रह्मत्र मत्काती रिमाय श्राप्तम् अर्थ

७७। প্রজাতন্ত্রের সরকারী হিমাবে জ্য়া হইবে=

(क) ताल्म किश्वा এई मश्विधात्त ५-८ ज्यमुक्ट्रिप्त (२) मकात कात्री प्रकृष ज्य क्रियुक ज्य विश्वा क्रिक्ट क्रियुक ज्य विश्व क्रियुक क्रिया अलाज त्य क्रियुक क्रिया अलाज त्य विश्व विष

(শ) মে কোন মোকদ্বা, বিষয়, হিমাব বা ব্যক্তি বাবদ মে কোন আদানত কর্তৃক প্রাপ্ত বা আদানতের নিকট জ্বা রহিয়াচে, এইক্লদ সকন অর্থ।

৮৭। (১) প্রত্যেক সর্ম-বংদর দন্ধর্কে উক্ত বংদরের জন্য দরকারের অনুধিত আম ও ব্য়ম -সংবলিত একটি বিবৃতি (এই ভাগে "বার্মিক আর্থিক বিবৃতি" নামে অভিহিত) সংসদে উপদ্যাদিত হইবে।

(২) বার্ষিক আর্থিক বিবৃতিতে পৃথক পৃথকভাবে

বাৰ্ষিক আৰ্থিক বিবৃত্তি

- (क) धरे मः विधातिक मात्रा वा अधीन मः यूक उर्वित्मक छेलक मास्रक्तल वर्निक वास-निर्वादक कना आसाक्तीस अर्थ, धवर
- (भ) प्रश्मुक जर्शना रहेल गुम कहा रहेत, शरेक्षम श्रमानिक अन्यान्य गुमनिर्वाहरू कृत्रा श्रासाकनीय अर्थ

अमर्गिङ इरेट अवः अन्यान्य ग्रम रहेल वाक्ष्रभालवं याम श्यक कविमा अमर्गिङ रहेटा।

७७। मश्यूक उर्ययालय डेमर पास्यूक यास निम्नुका रहेरा :

(ক) রাষ্ট্রপতিকে দেম পারিশ্রমিক ও তাঁহার দপুর-সংশ্লিষ্ট অন্যান্য ব্যুম;

(भा) (भा) म्भीकाद उ एमू कि म्भीकाद, (भा) मुखीम कार्टिन विठातकश्चन,

(रे) प्रश दिमाय-निवीक्षक ७ निम्नुक,

(क्रे) निर्वाहन क्षिमनावृश्ने,

(उ) अवकावी कर्म क्रिम्स्तव मन्म्रापिशक एएम भाविश्विक ;

(গ) সংগদ, সুপ্রীম কোর্ট, মহা হিসাব-নিরীক্ষক ও নিম্বুকের দন্তর, নির্বাচন কমিশন এবং সরকারী কর্ম কমিশনের কর্মচারী-দিগকে দেম পারিপ্রমিকসহ প্রশাসনিক ব্যুম;

(ছা) মুদ, পরিশোধ-তহবিলের দাম, মূনধন পরিশোধ বা তাহার ক্রম-পরিশোধ এবং ঋনসংগ্রহ-ব্যুপদেশে ও সংমুক্ত তহবিলের জামানতে গৃহীত ঋনের মোচন-সংকার অন্যান্য ব্যুম্মহ সরকারের ঋন-সংকার সকল দেনার দাম:

(৬) কোন সাদানত বা ট্রাইব্যুনান কর্তৃক প্রজাতন্ত্রের বিরুদ্ধে প্রদৃত্ত কোন রাম, ডিক্রী বা রোমেদাদ কার্মকর করিবার জন্য প্রমোজনীম মে কোন পরিয়াণ অর্থ; এবং

(চ) এই সংবিধান বা সংসদের আইন -দ্বারা অনুরূপ দামমুক্ত বনিয়া ঘোষিত অন্য মে কোন ব্যম। দংমুক্ত তহৰিলের উপর দাম ৮৯। (>) সংমুক্ত তহবিলের দাম্মুক্ত ব্যম্ সদ্মর্কিত বার্ষিক আর্থিক বিবৃতির অংশ সংসদ্ আলোচনা করা হইবে, কিন্তু তাহা ভোটের আত্ততা-ভুক্ত হইবে না। বার্ষিক আর্থিক বিবৃতি সন্দর্কিত পদ্ধতি

निर्मिष्टेकर्म आहेन

- (২) অন্যান্য ব্যয়-সন্মর্কিত বার্ষিক আর্থিক বিত্তবিক অংশ সঞ্জুরী-দাবীর আকারে সংদদে উপস্থা-পিত হইবে এবং কোন সঞ্জুরী-দাবীতে সন্মতিদানের বা সন্মতিদানে অদ্বীকৃতির কিংবা সঞ্জুরী-দাবীতে নির্বারিত অর্থ ব্রাস-সাপেক্ষে তাহাতে সন্মতিদানের ক্ষমতা সংসদের থাকিবে।
- (৩) রাষ্ট্রপতির দুপারিশ ব্যতীত কোন মঞ্জুরী দাবী করা মাইবে না।
- 301 (>) ज्ञास्य कर्ज्य धरे प्रश्वितात् ५० अनुत्कृत्व अभीन प्रञ्जूती-मात्र भन प्रश्युक ज्ञानिक रहेल निम्नानिधिक व्यम्निक रहेत्व क्रिया अस्य निर्मिष्टक दिन विधान प्रश्वित धर्मिक धर्मिक धर्मिक प्रकार प्रश्वित धर्मिक प्रकार प्रश्वित प्रश्वाम क्रिया रहेता रहेता ।

ক) সংসদ কর্তক প্রদত্ত অনুরূপ মজুরী;
 এবং

- (খ) সংসদে উপস্থাপিত বির্তিতে প্রদর্শিত অর্থের অনবিক সংমুক্ত তহবিনের দামমুক্ত ব্যম।
- (२) व्यन्नसम काम विस्व प्रक्षार्क प्रश्नाम् अमन काम प्रश्नामिनी अमुन कना रहेरव मा, याराज करन व्यन्तमिन अमुज काम मञ्जूतीज प्रिवान करन व्यन्तमिन किरवा मरमूक वर्रावास जेलन माम्मूक वर्राम्य विष्य माम्मूक वर्राम्य प्रिवान प्रिवान प्राम्य वर्षेम्य प्राम्य वर्षेम्य प्राम्य वर्षेम्य प्राम्य वर्षेम्य प्राम्य वर्षेम्य प्राम्य ।
- (৩) এই সংবিধানের বিধানাবলী-সাপেক্ষে সংমুক্ত তহবিল হইতে এই অনুচ্ছেদের বিধানাবলী-অনুমায়ী গৃহীত আইনের দ্বারা নির্দিষ্টকর ব্যুত্তীত কোন অর্থ প্রত্যাহার করা হইবে না।

কান অর্থ-বংদর প্রদক্ষে মদি দেখা
 মান মে,

সন্সূরক ও অতিরিজ মঞ্জুরী

(ক) চনিত অর্থ-বংগরে নির্দিষ্ট কোন কর্মবিভাগের জন্য অনুমোদিত ব্যয় অপর্মাপ্ত ইইয়াচে কিংবা এ বংগরের

00

বার্ষিক আর্থিক বিবৃতিতে অনুর্ভুক্ত হয় নাই, এমন কোন নৃতন কর্ম-বিভাগের জ্ন্য ব্যয়নির্বাহের প্রয়ো-জ্নীয়তা দেখা দিয়াছে, অথবা

(খ) কোন অর্থ-বংদরে কোন কর্মবিভাগের জন্য মঞ্জুরীকৃত অর্থের অধিক অর্থ ঐ বংদরে উক্ত কর্মবিভাগের জ্ন্য ব্যয়িত হইয়াচে,

जहा हरेल परे प्रश्विधात्म द्वां या अधीन मश्यूक जहित्सम् छेभन रेशां क प्राम्म्यूक करा हरेक या ना हरेक, प्रश्मुक जहित्स हरेल परि वृग्निन विद्वं कर्ष्ट्र श्रमान करियान क्ष्मजा नास्त्रेभिक् थाकित प्रश्नेभिक एक्ष्मण्य परे वृग्नेमिक भित्राभिक्ष विद्वि किश्वा ज्याचिक विद्वि किश्वा ज्याचिक विद्वि प्रश्नाभिक्ष व्याधिक विद्वि किश्वा ज्याधिक विद्वि प्रश्नाम छेभान् व्याधिक विद्वि प्रश्नाम छेभान् व्याधिक व्याधिक व्याधिक विद्वि प्रश्नाम छेभान् व्याधिक विद्वि प्रश्नाम छेभान् विद्वि प्रश्नाम छेभान् विद्वि प्रश्नाम करित्म प्रश्नेम विद्वि प्रश्नाम छेभार्म क्ष्मित् व्याधिक व्याधिक विद्वि स्था विद्वि स्था

321 (১) এই পরিচ্চেদের উপরি-উক্ত বিধানারনীতে মাহা বনা ইইয়াচে, তাহা সম্ভেত্ত হিলাব, ঋন প্রভৃতির উপর ভোট

- (ক) মজুরীর উপর ভোটদান সন্দর্কে এই সংবিশানের ৮৯ অনুচ্চেদে নির্শারিত পদ্ধতি সদ্ধার না হওয়া পর্মন্ত এবং ঐ ব্যয় সদ্ধার্কিত ৯০ অনুচ্চেদের বিধানা-বনী-অনুমায়ী আইন গৃহীত না হওয়া পর্মন্ত কোন অর্থা-বংগরের কোন অংশের জন্য অনুমিত ব্যয়ের অগ্রিমা মজুরী-দানের প্রমতা সংসদের থাকিবে;
- (খ) কোন কামের বিশানতা বা অনির্দিণ্ট বৈশিপ্টের জন্য বার্মিক আর্থিক বিবৃতিতে দাখারনভাবে প্রদৃত্ত বিদ্যারিত বৃত্তান্তের দহিত জনুরূপ কার্ম-সংকার ব্যুম্নারী নির্মারিত করা দদ্ধব না হইলো প্রজাতরের সদ্দদ্দ হইতে অনুরূপ অপ্রত্যানিত ব্যুম্নির্বাহের জন্য মজ্বুরীদানের গ্রুমতা দংসদ্বে থাকিবে;
- (গ) কোন অর্থ-বিজ্ঞারের চলিত ব্যায়ের অংশ নয়, এইরূপ ব্যতিক্রিমী মঞ্জুরীদানের ক্লমতা

ज्ञश्मदम्ब थाकितः ;

এবং মে উদ্দেশ্যে অনুক্ষণ মজুরীদান করা হইয়াছে, তাহা আইনকন্দো সংমুক্ত তহবিল হুইতে আইনের দ্বারা অর্থ প্রত্যাহারের কর্তৃপ্রদানের ক্ষমতা সংদদ্ধে থাকিবে।

(2) वार्षिक आर्थिक विवृण्डि डेल्लिभिड रकान वार्म-प्रमार्किङ मञ्जूनी मातन (क्रांट्स प्रवेश जानून) वार्म निर्वार्ट्स डेल्ल्स्गा प्रश्मुक उद्दिन द्रेट्ड अर्थ निर्मिश्चेकत्र तेत्र कर्ट्य ध्रमातन कृता ध्रमीज्या आहेतन रक्रांट प्रदे प्रश्विमातन ५२७० ०० जातू कृत्व विवानावनी सम्माभ प्रक्रिम इरेख, वर्षमान जातू कृत्व (२) म्यान अथीन रकान मञ्जूनीमातन रक्षांट प्रवेश प्रमान अथीन ध्रमीज्या रकान आरेतन रक्षांटि डेक्ड जनुक्तृम्वम प्रमाजाय कार्यकन इरेख।

৩য় পরিচ্চেদ্দ অধ্যাদেশপ্রশয়ন-ক্ষমতা

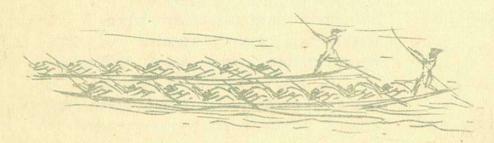
३७। (२) प्रश्नित् अविदिश्वनकान गुठीठ कान प्रमास नाष्ट्रेषिठन निकटे आन्य गुरम्राग्रहानं कृन्य श्राम्या नाष्ट्रेषिठन निकटे आन्य गुरम्राग्रहानं कृन्य श्राम्यान्तीस भिन्निष्ठि विष्यान नहिमाक जिनि उक प्रसिक्षिण्ड रमस्त्रेष श्राम्यान्तीस विन्या प्रत्न किनि उक्ति श्राम्या श्राम्यान्तीस विन्या प्रत्न किनि उक्ति श्राम्या श्राम्या श्राम्या श्राम्या श्राम्या श्राम्या श्राम्या श्राम्या श्राम्य श्राम्या श्राम्य श्राम श्राम्य श्राम्य श्राम श्र

তবে শর্জ থাকে মে, এই দফার অধীন কোন অধ্যাদেশে এমন কোন বিধান করা ইইবে না,

- (ক) মাহা এই জংবিধানের অধীন সংসদের আইন-দারা আইনসঞ্জতভাবে করা মাম না;
- (খ) মাহাতে এই সংবিধানের কোন বিধান পরিবর্তিত বা রহিত হইয়া মামু; অখবা
- (গ) মাহার দারা পূর্বে প্রনীত কোন অখ্যা-দেশের মে কোন বিধানকে অব্যাহত-ভাবে বলবং করা মায়।
- (২) এই অনুচ্চেদ্রে (১) দফার অধীন প্রনীত কোন অধ্যাদেশ জারী হইবার পর অনুষ্ঠিত সংসদের প্রথম বৈঠকে তাহা উপস্থাপিত হইবে এবং ইতঃপূর্বে

অব্যাদেশপ্রশম্ন-ক্ষরতা বাতিন না হইয়া থাকিলে অর্থ্যাদেশটি অনুরূপভাবে উপদ্যাপনের পর বিশ দিন অভিবাহিত হইলে কিংবা অনুরূপ মেয়াদ্ উত্তীর্ন হইবার পুর্বে তাহা অনুনুমাদ্ন করিয়া সংসদে প্রদ্রাব গৃহীত হইলে অর্থ্যাদেশটির কার্যকরতা লোপ পাইবে।

- (७) अर्म जिल्ला माउमा अवमृत कान ममस् वाद्वेमित निकि व्यवमृत्यं रहेन ज्ना आस्म वाद्वेमित निकि व्यवमृत्यं रहेन जन्म आस्मा मित्रिम भित्रिम् विम्हिन विम्हिमान विश्वाह विम्हिम मित्रिम प्रतिमान अर्था प्रति अने अर्था प्रति अर्थ अर्था प्रति अर्थ अर्था प्रति अर्थ अर्थ का मा व्यव्या प्रति विभिन्न मावाल मर्थियान माया अर्थ के व्यवि विभिन्न के विभिन्न विभिन्न
- (8) परे जन्महिद्ध (७) मका अधीन ज्ञीन कृष अल्युक अध्यादिक मथाकी च्रु मरमदि जेमब्राविक रहेर्य पर मरम धूनमंत्रिक रहेरात ग्रिश रहेर्ख यिक दित्र मर्था परे मर्विधालक ५१,५२ ७ २० जन्महित्मम्हर्व विधानायनी अस्माजनीस जेमसाबी-कर्मम्ह भानिक रहेर्य।



ষ্ঠ ভাগ

বিচারবিভাগ

১ম পরিচ্ছেদ – সুপ্রীম কোর্ট

38। (১) "वाश्लाम् मुश्रीम कार्टे" नास वाश्ला দেশের একটি সর্বোচ্চ আদানত থাকিবে এবং আদীন বিভাগ ও হাইকোর্ট বিভাগ নইয়া তাহা গঠিত হইবে।

(২) প্রবান বিচারপতি (মিনি "বাংলাদেশের প্রবান বিচারপতি" নামে অভিহিত হইবেন) এবং প্রত্যেক বিভাগে আননগ্রহনের জ্ন্য রাষ্ট্র-পতি মের্নুপ সংখ্যক বিচারক নিয়োগের প্রয়োজন বোঁব করিবেন, দেইরুপ সংখ্যক অন্যান্য বিচারক লইয়া দুপ্রীয় কোর্ট গঠিত হইবে।

(৩) প্রশ্নান বিচারপতি ও আদীল বিভাগে নিযুক্ত বিচারকগন কেবল উক্ত বিভাগে এবং অন্যান্য বিচারক কেবল হাইকোট বিভাগে আজন

धर्म कवित्वन ।

(৪) এই সংবিধানের বিধানাবনী-মাপেক্রে প্রধান বিচারপতি এবং অন্যান্য বিচারক বিচারকর্ম-পালনের ক্রেকে স্থাধীন থাকিবেন।

১৫। (১) প্রশান বিচারপতি রাষ্ট্রপতি কর্তৃক নিমুক্ত হইবেন এবং প্রশান বিচারপতির প্রহিত প্রার্ম করিয়া বাষ্ট্রপতি অন্যান্য বিচারককে নিয়োগদান করিবেন।

(२) कान बुकि बाल्नाम्प्लिय नागविक ना इहेत्न थवर

(ক) সুপ্রীন্ন কোর্টে অন্যুন দল বংসরকান অ্যাডভোকেট না থাকিয়া থাকিনে সংখ্যা

(খ) বাংলাদেশের রাষ্ট্রীয় দীমানার মধ্যে অনুনে দশ বংগর কোন বিচারবিজ্ঞীয় পদে অধিষ্ঠান না করিয়া থাকিলে কিংবা অনুনে দশ বংগরকাল অ্যাডভোকেট না থাকিয়া থাকিলে; এবং অনুন তিন বংগর জেলা-বিচারকের ঞ্চরতা নির্বাহ না করিয়া থাকিলে

তিনি বিচারকপদে নিয়োগলাভের মোগ্য হইবেন না।
(৩) এই অনুদ্ধেদে "দুপ্রীয় কোর্ট" বলিতে

त्रुचीच कार्टे - अठिका

विष्कृत-निर्माश

परे महिवैधान-अवर्जात् भूर्त त्य कान प्रमास गाला-एएलात ताहुीस जीमानात मार्थे त्य ज्यापाने रारेकार्जे रिमार्क पथिज्ञात आस्माभ करिमाह, मिरे ज्यापाने अतुर्कुक रहेरिक।

৯৬। (১) এই অনুচ্চেদ্র বিখানাবনী-সাপেক্ষে কোন বিচারক বাষটি বংসর বয়স পুর্ন হওয়া পর্মন্ত দ্বীয় পদে বহাল থাকিবেন ।

विष्णाद्यक्षपद शरपत सम्माम्

- (২) প্রমানিত অন্নদ্যর বা অন্সামার্থ্রের কারনে সংসদের মোট সদ্দ্য-অংখ্যার অন্যুন দুই-ভৃতীয়াংশ পরিষ্ঠতার দ্বারা সমর্থিত সংসদের প্রস্তাবক্রমে প্রদত্ত রাষ্ট্রপতির আদেশ ব্যুতীত কোন বিচারককে অদ্যারিত করা মাইবে না।
- (७) परे अनुस्हरम् (२) म्फाव अधीन श्रमान नम्मर्कि भक्ति परः कान विवादकव अन्नम्बन्धन वा अन्नामर्था मम्मर्कि उम्ह ७ श्रमालेव भक्ति प्रश्मम् आर्थेत्व पादा निम्मुन क्रिक भावितन।
- (৪) কোন বিচারক রাষ্ট্রপতিকে উদ্দেশ করিয়া দ্বাক্ষরমুক্ত প্রমোগে দ্বীয় পদ ত্যাগ করিতে পারিবেন।

১৭। প্রধান বিচারপতির পদ শূন্য হইলে কিংলা অনুপঙ্গিতি, অপুস্তা বা অন্য কোন কার্থে প্রধান বিচারপতি তাঁহার দামিরুপালনে অপন্রর্ম বলিমা রাষ্ট্রপতির নিকট প্রন্তোমজনকভাবে প্রতীম্নান হইলে ক্ষেত্রমত অন্য কোন ব্যক্তি অনুক্রপ পদে যোগদান না করা পর্মন্ত কিংবা প্রধান বিচারপতি দ্বীম কার্ম-ভার পুনরাম গ্রহণ না করা পর্মন্ত কার্মনা করা প্রহণ না করা পর্মন্ত আপীন বিভাগের অন্যান্য বিচারকের মধ্যে মিনি কর্মে প্রবীণতন্ন, তিনি অনুক্রপা কার্মভার পালন করিবেন।

अमूमी श्रधान विग्रज्ञाकि -निर्णाल

३७। এই সংবিশানের २८ অনুদ্ধের বিধানবিনী
সত্ত্বেও প্রশান বিচারপতির সহিত পরামর্শ করিয়া
রাষ্ট্রপতির নিকট পুপ্রীম কোর্টের কোন বিভাগের
বিচারক-সহখ্যা সাম্মিকভাবে বৃদ্ধি করা উচিত
বিন্যা সর্যোষজ্নকভাবে প্রভীয়নান হইলে তিনি
মথামথ মোগ্রাসদার এক বা একার্বিক ব্যক্তিকে
অন্বিক দুই বংসরের জন্য সভিরিক্ত বিচারক নিযুক্ত
করিতে পারিবেন, কিংবা তিনি উপমুক্ত বিবেচনা
করিলে হাইকোর্ট বিভাগের কোন বিচারককে মে
কোন অন্থামী মেয়াদের জ্ন্য স্ঞাপীন বিভাগে

সুখীদ কোর্ট্র অতিরিক্ত বিচারকগন আসনগ্রহনের ব্যবস্থা করিতে পারিবেন;

ठात गर्ज थाक तम, अविविक्त विवादकक्षा नियुक्त कान बुक्तिक धरे मः विधादक २६ अनुक्ष्पृत अधीन विवादकक्षा नियुक्त रहेल किश्वा वर्जधान अनुक्ष्पित अधीन आद्रेश थक त्ममात्मत जन्म अविविक्त विवादकक्षा नियुक्त रहेल वर्जधान अनुक्ष्पित कान किहुरे निरुष्ठ किर्ति ना।

३०। कान गुक्ति (अरे प्रश्विधातन २० अनु-एक् एत् विधानावली-अनुसाद अठिविक किन्तक स्था मामिक्षणालन गुक्रिक) विनावक स्था मामिक्षणालन कविमा भाकित्ल छेक भम रहेरक अवस्र श्राहरते वा अभाविक रहेराव भव किनि कान आमालक वा कर्षणाक्षेत्र निक्षे एकालिक वा कार्य कविरान ना अवश्र श्रद्धावत्व कर्स निर्माभना (इ.स. १) एरेरान ना। অবস্রগ্রহনের পর বিচারকদের অক্ষয়তা

2001 बाङ्धानील मूथीम कार्षित मुग्नी आमन भाकित, जत बाङ्गेमजिन अनुसामन मरेमा प्रधान विष्ठातम्जि मन्नाम् मन्नाम या म्हान वा म्हान मन्नूर निर्वादन कित्रत्वन, स्मरे म्हान वा म्हानमनूर राष्ट्रिकार्षे विज्ञालक् अधितमन अनुष्ठि रहेल भाविता। সুপ্রীয় কোর্টের আসন

২০১। এই সংবিধান বা অন্য কোন আইনের দারা হাইকোর্ট বিভাগের উপর যেরূপ আদি, আপীন ও অন্যপ্রকার -এখিতিমার ও ক্ষরতা অপিত হইয়াছে, উক্ত বিভাগের সেইরূপ এখিতিমার ও ক্ষরতা থাকিবে।

दाईकार्टे विভाशिव पश्चिमात

দৌনিক অধিকার
বনবংকর+ প্রদাণ্ডা
এবং কতিপম্
আদেশ ও নিদেশ
প্রভৃতি -দানের ক্ষেমে
হাইকোট বিভাগের
ফ্রমতা

(২) হাইকোর্ট বিভাগের নিকট মদি সন্তোষ-জনকভাবে প্রতীয়ধান হয় মে, আইনের দ্বারা অন্য কোন সমফলপ্রদ বিধান করা হয় নাই, তাহা হইনে (ক) মে কোন সংগ্রুদ্ধ ব্যক্তির আবেদনক্রমে

- (অ) প্রজাতর বা জ্যানীয় কর্পক্ষের বিষয়াবলীর সহিত সংশ্লিপ্ট মে কোন দায়িত্বপালনে রত ব্যক্তিক আইনের দ্বারা অনুমোদিত নয়, এমন কোন কার্ম করা হইতে বিরত রাখিবার জ্ন্য কিংবা আইনের দ্বারা তাঁহার কর্নীয় কার্ম করিবার জ্ন্য নির্দেশ প্রদান করিয়া, অথবা
- (আ) প্রজাতনু বা কোন স্নানীয়
 কর্তৃপক্ষের বিষয়াবলীর সহিত
 সংগ্লিপ্ট যে কোন দায়িত্বপালনে
 রত ব্যক্তির কৃত কোন কার্ম বা
 গৃহীত কোন কার্মবারা আইনসঙ্গত কর্তৃত্ব ব্যতিরেকে করা
 হইয়াচ্চে বা গৃহীত হইয়াচ্চে
 ও তাহার কোন আইন গত
 কার্মকরতা নাই বলিয়া ঘোষণা
 করিয়া

উক্ত বিভাগ আদেশদান করিতে পারিবেন; অথবা (খ) মে কোন ব্যক্তির আবেদনকমে

- (आ) आहेर प्रश्न कर्ष गुणि दिल वा विआहेरी जेला हा कार्य कार्य कार्य आहेर श्रह्मा आहेर हाथा रम राहे विल्या माराल जेक विज्ञालंद विरुप्त माराल जेक विज्ञालंद विरुप्त मारेर भारत, द्रमरेक्स्य श्रद्माम आहेर जेक वृक्तिक जेक विज्ञालंद म्रमूल्य आनम्मद निर्म्स श्रमान करिया, अथवा
- (আ) কোন সরকারী পদে আসীন বা আজীন বনিমা বিবেচিত কোন ব্যক্তিকে তিনি কোন্ কর্তৃবনে অনুরূপ পদ্মর্মদাম অধিষ্ঠানের দাবী করিতেচ্নে, তাহা প্রদর্শনের নির্দেশ প্রদান করিয়া

डेङ विভाग आएममान कविल भावित्वन।

(৩) উপরি-উক্ত দফাসমূহে মাহা বলা হইয়াচে, তাহা মত্ত্বেও এই দংবিধানের ৪৭ অনুচ্চেদ প্রযোজ্য হয়, এইরূপ কোন আইনের ক্লেত্রে বর্তমান অনুচ্চেদের অধীন কোন আদেশদানের প্রুমতা হাইকোর্ট বিভাগের থাকিবে না।

(৪) এই অনুচ্চেদ্র (১) দ্ফা কিংবা এই অনুচ্চেদ্র (২) দ্ফার (ক) উপ-দ্ফার অধীন কোন আবেদ্নক্রমে যে ক্ষেত্রে অন্তর্বর্তী আদেশ প্রার্থনা করা হইয়াচে এবং অনুরূপ অন্তর্বর্তী আদেশ

> (ক) মেখানে সমাজ্তান্ত্রিক কর্মদূচী বাস্ত্র-বামনের জ্ন্য কোন ব্যবস্থার কিংবা কোন উন্নম্নমূলক কার্মের প্রতিকূলতা বা বাবা সৃথি করিতে পারে, অথবা

> (শ্র) মেখানে জন্য কোনভাবে জ্নজ্বার্থের পক্ষে ক্ষতিকর হইতে পারে,

(मरेभात आार्टिन-रहनात्नक डेक आतम्न प्रमार्क मुक्तिप्रकेष तार्टिममान थवर आर्टिन-रहनात्तव (किश्वा परे विषया जाँरात मात्रा जात्रामु अनु कान आर्डिजिक्टिन) वक्रवा भ्रवने ना क्वा भर्मेस पवर परे म्मान (क) वा (भ) डेभ-म्माम डेन्निभिड श्रिकिमा पृष्टि कित्रित ना विनमा शरेकार्टि विज-रश्त निकटे मत्ताष्ट्रस्तकज्ञात श्रिकार्टि विज-रश्त डेक विज्ञा कान अर्डु की आर्म्स मान कित्रितन ना ।

(६) श्रमाल्य प्राप्ताल्य अन्यक्ष ना इरेल्य धरे अनुरक्ष्म "व्यक्ति" विन्यं प्रदेशकी अन्न क्षित्रका कर्मिक अवस्थित श्राप्ति अधिक क्षित्रका कर्मिका अपूर - अरुका उपित्र अधिक श्रीत अधिक काम आपान वा द्वीरे व्यानाम व्याचिक किरवा धरे अरु विद्यास्त्र >>१ अनुरक्ष्म श्राप्ताल्य र्म, धरेक्ष काम द्वीरे व्यानाम व्याचिक स्मान्तिक वा द्वीरे व्यानाम अनुर्ज्ज रहेरव ।

১০৩। (১) হাইকোর্ট বিভাগের রাম, ডিক্রী, আদেশ বা দ্রাদেশের বিরুদ্ধে আদীন শুনানীর ও ভাহা নিষ্পত্তির এখতিয়ার আদীন বিভাগের থাকিবে।

(2) शरेकार्ट विज्ञालव वाम, जिक्री, आर्म्स वा मुखारम्भव विक्रंप्त आभीन विज्ञालव निकडे जिरे भिष्य अधिकाववर्त आभीन कवा मारेख, य भिरा शरेकार्ट विज्ञान

(क) अरे झार्स जार्डिफिरकि मान कवियन तम, माझनाछित जिल्ल भरे जरविधान- আদীন বিভাগের এখতিয়ার ব্যাখ্যার বিষয়ে আইনের গুরুত্বপূর্ন প্রশ্ন জড়িত রহিয়াচে; অথবা

(थ) कान सृबुरम् उशन करियाह्न किश्वा कान व्यक्तिक सृबुरम् वा मावक्रीवन कानाम् पितुष्ठ करियाह्न; अथवा

(গ) উক্ত বিভাগের অবদাননার জ্যা কোন বাজিকে দ্রদান করিমাছেন;

धवः अः प्रति आहेन-माता त्यक्तम विधान कता शरित,

मिरेक्ष यन्ताना (कवा।

(७) शहरकार्टे विज्ञालिक वाम, जिकी, आप्तर्भ वा मुखाप्त्राक विकृष्ट्व स्म बामनाम परे अनु-क्षिप्तक (२) प्रका क्षरमाङ्का नर्ह, रकवन आभीन विज्ञाल आभीरनक अनुम्निष्ठमान कविरान स्मर्टे बामनाम आभीन किर्ति।

(8) प्रश्नम् आहेत्वव मात्रा श्राम्नना कतित्व प्रावित्वत त्य, पटे अनुष्कृत्म् विधानप्रभूर राहेलार्डे विভाश्यव श्रम्भ त्यक्तम् श्रायाङ्ग, अन्य कान आण्नव वा द्विरियुग्नात्मव श्रम्याङ जारा (प्रश्नम् श्रायाङ्ग रहेत्व ।

308। कान व्यक्तित शिक्ति किश्वा कान मिनन भव छेम्बादेन वा माधिन कितवान आप्तिकश् आभीन विভाशिन निकदे विद्यार्थीन या कान ब्राह्मना वा विश्वास्त्र प्रम्मूर्न न्यास्त्रविद्यात् क्रियु यस्त्रभ श्रास्त्रवीस श्रेष्ठि भारत, छेक विভाश प्रमुख निर्मिन, आप्तिन, छिक्की वा बीदे क्रांबी क्रिक्र भावित्वन।

আদীন বিভাগের পরোয়ানা জারী ও নির্বাহ

>०৫। प्रश्मित् य कान आरेतन विधानावनी-प्राप्तक प्रवः आमीन विज्ञान कर्न अनीज या कान विधि-प्राप्तक आमीन विज्ञालन कान प्राप्ति नाम या अनुक आत्मि भून विविधनान अनुका जेक विज्ञालन थाकिय। আপীন বিভাগ কর্তৃক রায় বা আদেশ পুনর্বিবেচনা

जूषीम (कार्टिक उल्लाहरीम् नक पथित्रमातः আপীন বিভাগের বিবেচনার জন্য স্থেরন করিতে পারিবেন এবং উক্ত বিভাগা দ্বীম বিবেচনাম উপমুক্ত শুনানীর পর প্রশ্নটি দক্ষার্কে রাষ্ট্রপতিকে দ্বীম মতামত জ্ঞাপন করিতে পারিবেন।

>०१। (२) ज्ञः अप कर्क स्रेनेच य कान आरेन-आर्भिक प्रसीम कार्टे नास्नेमिचन अनुसापन सरेगा श्रालाक निजालन प्रवेश अवस्त्र या कान आपान एवं नेजि ७ भम्निज-निम्मुलेन क्रिन् विविष्ठमूर स्रेनेमन किरिक भानित्वन ।

(२) जूखीम कार्टे परे अनुष्कुरम्त (२) म्फा प्रवर परे मर्वियात्तर २२०, २२६ ७ २२७ अनुष्कृम् प्रमूर्व अधीन मामिश्रममूर्व जान डेक आमानलव कान प्रकृष्टि विज्ञालक किरवा प्रकृष्टिक विज्ञानकर्क अर्थन किर्विष्ठ भाविरवन ।

(७) এই जनू एक एन् अभीन अभी विधित्र पूर-प्राप्त कान् कान् विवादकक नरेगा कान् विভाशित कान् विक्ष शिठि रहेरा थर कान् कान् विवादक कान् डेप्प्रा जावन धर्म कित्रिन, जारा धर्मन विवादमि निस्तिन कित्रिन ।

(৪) প্রখান বিচার্পতি সুপ্রীম কোর্টের মে জান বিভাগের কর্মে প্রয়ীনতম বিচারককে প্রেই বিভাগে এই অনুদ্ভেদের (৩) দ্ফা কিংবা এই অনুদ্ভেদের অধীন প্রনীত বিধিসমূহ-দ্বারা অর্দিত মে কোন ক্ষমতাপ্রয়োগের ভার প্রদান ক্রিতে পারিবেন।

२०६। त्रुष्टीम कार्षे अकि "कार्षे अव त्रकरं" इरेटिन अवश देशन अवमाननान क्रम जित्त आएम-मान वा म्हाएममात्मन क्रमजाम आहेन-मालक अनुस्म आमान्यत्र मकल क्रमजान अविकानी थाकिटन।

"কোর্ট অব রেকর্ড" রূপে সুপ্রীম কোর্ট

দুপ্রীল কোর্টের বিধিপ্রশম্ন-ক্ষমতা

১০%। হাইকোর্ট বিভাগের অবস্তুন মকল আদানত ও ট্রাইব্যুনালের উপর উক্ত বিভাগের তত্ত্বাববান ও নিম্নুন-ক্ষমতা থাকিবে।

আদ্দেতসমূহের উপর তত্ত্বাবধান ও নিম্দুন

>>०। हाईरकार्टे विजालित निकि मिप प्रसाम-जनकजार अञेम्सान इम स्म, उक विजालित कान अवस्ता आपानला विकाराधीन कान मामनाम् पर्दे प्रश्वितात्व व्याभ्या-प्रश्कानु आरेत्व प्रमन् अक्ष्रमूर्वे अभू वा प्रमन् जनस्त्रक्ष्मम् विषम् अधमुन आमानङ इदेख दारेकार्टे विভारण मामना मुानानुद ङ्फिल विश्वाहि, प्रश्ली सामनाव मीमाश्माव जन्य प्राश्व प्रकार्क प्रिक्वानुश्चर्य प्राश्व कर्त, जाश रहेटन राहेटकार्ट विভाश डेङ ज्यामानक रहेट प्राप्तनाि धल्याश्व किया नहेट्य धन्दर

(क) ख्रुग्रः माद्यनाहित मीमारमा करितनः

(थ) डेक आरेत्व अमिदिव निश्वि किंदिन प्रवर्ग डेक अम्म मम्स्य रारेकिंदी विভाগেत वार्मित नकनम् स्य आम्मिक रहेरू माम्मिक स्यामिक रहेरू माम्मिक (या अन्य क्रिया किंदिन अप्यामिक क्रिया किंदिन अप्यामिक क्रिया अप्यामिक क्रिया किंदिन प्रवर्ग किंदिन प्रवर्ग किंदिन अप्यामिक छेक वार्मित महिल मामिक क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया

১১১। আপীন বিভাগ কর্তৃক দ্রোমিত আইন হাইকোর্ট বিভাগের জ্ন্য এবং দুপ্রীয়া কোর্টের মে কোন বিভাগ কর্তৃক ঘোষিত আইন অবদ্যন দক্ষন আদানতের জন্য অবশ্যদাননীয় হইবে। দুপ্রার কোর্টের রামের বাব্যতামূনক কার্মকরতা

১)২। প্রজাতন্ত্রের রাজ্রীয় দীয়ানার অন্তর্ভুক্ত দকল নির্বাহী ও বিচার বিভাগীয় কর্তৃপক্ষ দুপ্রীয় কোর্টের দহায়তা করিবেন।

দুপ্রীয় কোর্টের মহামৃতা

3) (२) अवात विष्ठात्मि किश्वा डाँश्व निर्द्रभक्ष अन्य कात विष्ठात्म वा कर्मष्ठाती मूश्रीम कार्षेत्र कर्मष्ठाती प्रिशक निमुक करियन अवश् त्राष्ट्रभिवित भूर्यानुस्माप्तकस्म मूश्रीम कार्षे कर्म श्रीव विधिन्नमूट अनुमामी अहे निर्माणमान करा दहेया। मुष्टीय कार्टिन । कर्ममंत्रिशन

(२) अरुमाएत एम कान आहेत्व विश्वाना-वनी-आएएक मूखीम कार्टे कर्ज् ध्रेनीच विधिमग्रूह एमज्ञम निर्माविज इहेर्ब, मूखीम कार्टेव कर्मावीएव क्ष्रव गर्जावनी प्रिहेज्ञम इहेर्ब।

২য় পরিচ্চেদ্ অধস্তন আদালত

338। আইনের দ্বারা মেরূপ প্রতিষ্ঠিত হইবে, দুপ্রীয় কোর্ট ব্যুতীত দেইরূপ অন্যান্য অংবস্তুন আদানত থাকিবে। অধ্যস্ত্রন আদানত-দলুহ -প্রতিষ্ঠা

>>৫। (>) विष्ठात्रविज्ञात्रीत्र भरम् वा विष्ठात्रविज्ञात्रीत्र माश्चित्रभाव्यकात्री अप्राक्तिस्तुरे हे-भरम् অর্থস্থন আদানতে নিমোগ

(क) जिला- विठात (कत ट्रम्प्ट प्रूप्टीय कार्षेत प्रूपातिमक्स्य, धवर

(খ) অন্য কোন ব্যক্তির ক্ষেত্রে উপমুক্ত দর্কারী কর্ম কমিশন ও সুখ্রীম কোর্টের সহিত প্রারশক্রের রাষ্ট্রপতি কর্তৃক উক্ত উদ্দেশ্যে প্রেনীত বিধিদ্রমূহ-সনুমায়ী

वाङ्गेभाज नित्साभमान कवित्वन ।

(২) কোন ব্যক্তি জেলা-বিচারক সদে নিয়োগ-লাভের মোগ্য হইবেন না; মদি তিনি

- (ক) নিয়োগলাভের সময়ে প্রজাতন্ত্রের কর্মে রত থাকেন এবং উক্ত কর্মে অর্যুন সাত বংসরকান বিচারবিভাগীয় পদ্ বহাল না থাকিয়া থাকেন; অথবা
- (খ) অন্যূন দশ বংগরকান অ্যাডভোকেট না থাকিয়া থাকেন।

336। विठात - कर्मविज्ञाल निमुक गुक्तिप्त परः विठातविज्ञानोम मामिल्लामाना त्र माकि स्मिटेप्तत निम्मुन (कर्मम्न-निर्भातन, लामान्निमान ७ हृटि-मञ्जूती-जर) ७ म्ञ्यनाविधान मुस्रोम कार्टिन जेलत नामु भाकित्व। অবস্তুন আদানত-সমূহের নিয়নুন ও শৃঙ্গুনা

৩য় পরিচ্ছেদ— প্রশাসনিক ট্রাইব্যুনাল

১১৭ (২) ইতঃপুর্বে মাহা বনা হইয়াছে, তাহা রুপ্তে নিমুনিখিত ক্ষেত্রসমূহ সম্পর্কে বা ক্ষেত্রসমূহ হইতে উদ্ভূত বিষমাদির উপর এখতিয়ার-প্রয়োগের জন্য সংল্পদ্ আইনের দ্বারা এক বা একাবিক প্রশাসনিক দ্বীইবুনোল প্রতিষ্ঠিত করিতে পারিবেন: (ক) নবম ভাগে বর্নিত বিষয়াদি এবং स्रभामिक मेरियुर-नामममूह অর্থদন্ত বা অন্য দন্তসহ প্রকৃতিরের কর্মে নিমুক্ত ব্যক্তিদের কর্মের শর্তবিনী;

(भ) या कान बाबुरेग्रंड उत्पाश वा प्रश्विविवास प्रवंकाती कर्ज्भ त्मत कालना उ व्यवस्थाना पवर प्रवृक्ष कर्माता पवर प्रवृक्ष उत्पाश वा प्रश्विविवास प्रवंकाती कर्ज्भ कर्मप्र कान प्रारे त्व प्रवंकाती कर्जभ कर्मप्र कान प्रारे त्व प्रवंकात वा प्रवीत प्रवंकात्व डेभ व नाम वा प्रवंकात्व कालन प्रकार वा प्रवंकात्व कालन प्रकार वा प्रवंकात्व प्रवंकात्व वा प्रवंकात

(গ) মে আইনের উপর এই সংবিধানের ১০২ অনুদ্ধেদের (৩) দফা প্রয়োজ্য হয়, সেইরূপ কোন আইন।

(१) कान किए परे अनुष्कृष्त्र अधीन कान अभाजनिक द्वेरेबुत्नाल अविष्ठि रहेटल अनुस्म द्वेरेबुत्नाला अधिश्राद्द अनुभंज कान विश्वास अनु कान आमान्य कानस्म कार्यवादा अर्थ कित्वन ना वा कान आप्तम अमान कित्वन ना;

ज्व गर्ज थाक त्म, ज्ञश्मम आहेतत्र द्वाता अनुक्रम कान द्वारेयुरनात्मक प्रिक्वानु भूनर्वित्वना वा अनुक्रम प्रिक्वातुक् विकृष्ट्व आमील्व विधान कृष्टि भावित्वन ।



সপ্তম ভাগ

নিৰ্বাচন

১৯৮। (১) প্রবান নির্বাচন করিশনারকে লইয়া এবং রাষ্ট্রপতি সময়ে সময়ে মেরুপ নির্দেশ করিবেন, সেইরুপ সংখ্যক অন্যান্য নির্বাচন করিশনারকে লইয়া বাংলাদেশের একটি নির্বাচন চন করিশন থাকিবে এবং উক্ত বিষয়ে প্রনীত কোন আইনের বিধানাবলী-আপক্ষে রাষ্ট্রপতি প্রবান নির্বাচন করিশনারকে ও অন্যান্য নির্বাচন করিশনারকে নিয়োগদান করিবেন।

(২) একার্ষিক নির্বাচন কয়িশনার্কে নইয়া নির্বাচন কয়িশন পঠিত হইলে প্রধান নির্বাচন কয়িশনার তাহার মভাপতিরূপে কার্ম করিবেন।

- (৩) এই সংবিধানের বিধানাবনী-সাপেকে কোন নিবাচন ক্রিশনারের পদের মেয়াদ্ গ্রহার কার্যভারপ্রহারের তারিখা হইতে পাঁচ বংদর্কাশ হইবে এবং
 - (ক) প্রধান নির্বাচন ক্ষিপনার -পদে প্রাথিষ্ঠিত ছিলেন, এমন কোন ব্যক্তি প্রকাতন্ত্রের কর্মে নিমোপনাভ্র মোগ্য হর্ষবৈন না;
 - (খ) অন্য কোন নির্বাচন কমিশনার অনু-রূপ পদে কর্মাবলানের পর প্রবান নির্বাচন কমিশনার রূপে নিয়োগনাভর শোগ্য হইবেন, তবে অন্য কোনভাবে প্রকৃতিকের কর্মে নিয়োগনাভর মোগ্য হইবেন না।
- (8) निर्वाचन किमन पासिष्ठभानत् (क्रांट्य द्यांथीन थाकित्वन धवर त्कवन धरे मर्निथान ७ व्यारेतिक व्यायीन रहेत्वन ।
- (७) प्रश्मम् कर्ज्क श्रुनीत्र (कान आरेत्यः विधानायनी-प्राप्तिकः निर्वाचन कप्तिभनात्र एत् कर्मत्र भज्यनी बाद्देणि आएएएन् मावा एम्ल निर्वावने कित्वनः, स्वरेक्ष रहेत्यः;

उत् मर्ज थाक (म, ब्रूप्टीम कार्टिन विजनक यम् भक्षि उ कान्ती अभन्नानि रहेल भालन, प्रिरेम् भक्षि उ कान्नी व्यक्ति कान निर्वाहन क्षिमनान अभन्नानि रहेतिन ना । নির্বাচন কমিশন -প্রতিষ্ঠা (৬) কোন নির্বাচন কমিশনার রাষ্ট্রপতিকে উদ্দেশ করিয়া দ্বাক্ষরযুক্ত প্রযোগে দ্বীয় পদ্ ত্যাগ করিতে পারিবেন।

333)(३) प्रश्मित् प्रकल निर्वाहत्त इत् छोत्-ङालिका श्रमुङकद्रत्तेत ङङ्कायधान, निर्द्र्भ उतिमृत्तुने ध्यवः प्रश्मित्व निर्वाहन ङ दाञ्चेषिङ-भूत्व निर्वाहन भविहालना न पामिञ्च निर्वाहन किमिनत्व डेप्प न नामु थाकित्व धवः निर्वाहन किमिन धरे मःविधान उ जारेनानुमामी

নির্বাচন কমিশনের দামিস্থ

(क) वाबुभि जिन्म तिर्वाहन व्यनुशेन कविरवन ;

- (খা) সংঘদ-সদ্স্তদ্রে নির্বাচন স্বর্তান করিবেন; এবং
- (গ) সংসদের নির্বাচনের জ্ন্য নির্বাচনী এলাকার সীমানা নির্বার ও ভোটার-তানিকা প্রস্তুত করিবেন।
- (২) উপরি-উক্ত দ্ফান্সয়ূহে নির্ধারিত দায়িত্ব
 য়মূহের অভিরিক্ত মের্নুপ দায়িত্ব এই দংবিখান

 বা অন্য কোন আইনের দ্বারা নির্বারিত হইবে,

 নির্বাচন কমিশন মেইরুপ দায়িত্ব পালন করিবেন।

320। এই ভাগের অঁথীন নির্বাচন কমিলনের উপর ন্যুম্ব দায়িত্বপালনের জ্ন্য যেরূপ কর্মচারীর প্রয়োজন হইবে, নির্বাচন কমিশন অনুরোধ করিনে রাষ্ট্রপতি নির্বাচন কমিশনকে সেইরূপ কর্মচারী প্রদানের ব্যবস্থা করিবেন।

নির্বাচন কমিশনের কর্মচারিগন

>2)। प्रःम्म निर्वाहति ज्या शिलाक आक्रमक निर्वाहती प्रमाकान प्रकृषि कित्रमा (जितेन जानिका प्राकित्व प्रवर्ष वर्स, ज्याज, वर्म ७ बानी-शूक्ष्म (जित्र जितिक (जितेन वित्रम् कित्रमा काम विश्वम (जितेन जानिका श्रममन क्रा यारेत ना ।

প্রতি এনাকার জ্ন্য একটিমার ভোটার-ভানিকা

১২২। (১) স্রাপ্তবম্দ্ধের ভোটাধিকার-ভিত্তিতে সংসদের নির্বাচন সমুষ্ঠিত হইবে।

ভোটার-তানিকায় নামভুক্তির যোগ্যতা

(২) কোন ব্যক্তি সংলদের নির্বাচনের জ্ন্য নির্বারিত কোন নির্বাচনী এলাকাম ভোটার-ভানিকা-ভুজ হইবার অধিকারী হইবেন, মদি

- (ক) তিনি বাংলাদেশের নাগরিক হন;
- (भ) जाँदाद वस्रज्ञ व्यावाद वर्जादंद क्स ना द्वा:
- (গ) কোন যোগ্য আদানত কর্তৃক জঁহার সঞ্চার্কে অপ্রকৃতিজ্ বনিমা ঘোষণা বহান না থাকিমা থাকে;
- (ছা) তিনি ঐ নির্বাচনী এলাকার অধিবাদী বা আইনের দ্বারা ঐ নির্বাচনী এলাকার অধিবাদী বিবেচিত হন; এবং
- (७) जिति २०१२ जाल्य वाश्लाप्तम (याम-जाङ्भकाती (विश्वष द्वेरित्राताल) जारम्लात अवीत कात अभवादित ज्वर मुन्जि ता द्वेगा थाकन।

३२७। (२) दाङ्घेषि निष्पत्त स्माप्- अवमात्त्व कावले उक भिष्पत्र देशेल स्माप्- प्रमाधित जाविष्यव नखरे पित भूव सूनाभिष्म भूवलेव कृता निर्वाचन अनुष्ठि देशेव :

निर्वाहन-अनुष्ठातक जनम

ज्य मर्ज थाक तम, तम प्रश्माप्त प्रमण्या हारा जिनि निर्वाष्ठिज इरेगार्ष्त्र, र्जिर प्रश्माप्त तम याप्त काल तार्षुभिजित कार्यकाल त्मम रहेल्ल म्रश्माप्त्त भ्रवर्जी प्राथात्रने निर्वाष्त्र ना रुख्या भर्मनु व्यत्नम् ग्रामप पूर्न कित्रवात क्रा निर्वाष्त्र व्यत्नम् ग्रामप पूर्न कित्रवात क्रा निर्वाष्त्र व्यत्नम् ना, यवः व्यत्नम् प्राथात्रने निर्वाष्ट्रत्त्र प्रव प्रश्माप्त प्रथम विवेदकत्र पित रहेर्ज विम् पित्रत प्रथम त्राष्ट्रभिजित भूत्राप्रपृष्ट कित्रवात् क्रा निर्वाष्ट्रन व्यक्षिण रहेर्य।

- (२) प्र्जूर, भम्जाभ वा अभकावत्तं कल वाद्धेभिज्व भम् भूना दरेला भम्कि भूना दरेवाव भव नसरे मित्रव मत्या जारा भूने कवियाव कना निर्वाहत अनुष्ठिज रहेत्व ।
- (৩) সংসদ-সদ্প্রদের সাবারন নির্বাচন স্নু-ষ্ঠিত হইবে
 - (क) त्मग्राम्-व्यवमात्मत्र काव्यं व्यव्प्रम् ज्ञाक्षिग्रां मारेवात् त्रकृत्य ज्ञाक्षिग्रां मारेवात् भूववर्जे नस्वरे मिल्न प्रायंऽ; पवर
 - (৯) মেয়াদ্-অব্রাম ব্যুতীত অন্য কোন কার্নে সংসদ ভাজিয়া মাইবার

क्रिया जिल्लामा याहेबात भववर्डी नक्षत्रे मित्रक मध्याः

ज्य मर्ज थारक (स, यहे म्काब (क) डेम-म्बा -अतूमाग्नी अतूष्ठिज प्राधावन निर्वाहत निर्वाहिज ब्राङ्किशन डेक डेम-म्काम डेल्लिथिज (मग्नाम् प्रमाष्ट्र ना १७गा भर्मतु प्रश्मम्-प्रमाप्रकृतम् कार्यज्ञव शहने कविद्यन ना ।

(8) झर्झम् छाष्टिंग् मा याउमा वाजीक अना कान कारत प्रश्नाम् कार काम सम्माभम् भूना रहेल सम्हि भूना रहेवान नक्टरे मित्नर माँग केक भूना-सम् भूने कविवान कुना निर्वाहन अनुष्ठिक रहेव।

328। परे प्रश्विधातम् विधानायमी-प्रालक्षित्रम् प्राप्ति प्राप्ति

নির্বাচন সম্পর্কে সংসদের বিধান-প্রনম্নের ক্ষরতা

১২৫। এই সংবিখানে মাহা বনা হইয়াছে, তাহা সঙ্গেও নির্বাচনী আইন ও নির্বাচনের বৈবঁতা

- (क) परे प्रश्विधातन २२८ ज्यू एक एवं ज्योग प्रभी वा अभी ज विस्मा वित्विष्ठि निर्वाष्ट्री प्रमाकान प्रीमा निर्धान्न ने, किश्या ज्यूक्षण निर्वाष्ट्री प्रमाकान कृगु ज्याप्रम-विदेश प्रमाकि प्रमा कार्यान जारेतन दिवेश प्रमाकि कार आही-माल अन्न जेण्यासन कना माहेत ना;
- (খ) সংসদ কর্ত্বক প্রনীত কোন আইনের দ্বারা বা অখীন বিধান-অনুমায়ী কর্ত্পক্ষের নিকট এবং অনুরূপভাবে নির্বারিত প্রশালীতে নির্বাচনী দ্রখাস্ত্র ব্যতীত রাষ্ট্রপতি-পদে নির্বাচন বা সংসদের কোন নির্বাচন সদ্পর্কে কোন প্রশ্ন উত্যাপন করা মাইবে না।

১২৬। নির্বাচন কমিশনের দায়িত্বশাননে সহায়তা করা সকল নির্বাহী কর্তৃপক্ষের কর্তব্য হইবে। নির্বাচন কমিশনকে নির্বাহী কর্তৃপক্ষের সহায়তাদান

অষ্ট্ৰয় ভাগ

মহা হিসাব-নিরীক্ষক ও নিয়ন্ত্রক

১২৭। (১) বাংনাদেশের একজন মহা হিদাব-নিরীক্ষক ও নিম্নুক (অতংশর "মহা হিদাব-নিরীক্ষক" নামে অভিহিত) থাকিবেন এবং তাঁহাকে রাঞ্জিতি নিয়োগদান করিবেন। मरा रिलाव-निवीकक -भारत अजिका

(३) परे प्रश्विधान उ प्रश्मम कर्ड्क अनीज एम कान ज्यारेटन्स विधानावनी-प्रात्मक प्रशा रिप्राय-नित्नीक्षक्त कर्ष्म्य गर्जावनी बाह्येमिक जाए-भित्र प्राया एम्सम निर्मात्न कविखन, (प्रश्किम श्रेष ।

२२६।(२) प्रदा हिप्राय-नितीक्षक अङ्गल्तुत्र प्रवकाती हिप्राय प्रवः प्रकल आमाल्ल, प्रवकाती कर्ज्षक उ कर्षमतीत प्रवकाती हिप्राय नितीक्षा कतित्वन उ अनुक्ष हिप्राय प्रमार्क तिलाई मान कतित्वन प्रवः प्रदे उल्लिल्य जिनि किश्वा प्रदे अत्याज्ञत जाँहात माना क्रमणशासु कान गुङ्खि अङ्गल्यत कर्म निपूक प्र कान गुङ्कित मध्यन पुक्र प्रकल निथ, वहि, तिप्रम, मनिन, नभम अर्थ, मीगाम, जामिन, जाकात या अनुध्वकात प्रवकाती प्रमाडि भत्नीक्षात अधिकाती हरेतन।

(२) परे अनुत्कृत्त्व (०) एकाम वर्ति विधाना-वनीत श्रान ना कित्रमा विधान कता शरेलकृ त्य, आरेलत प्रांता अगुक्रजात अविकिण कान त्योथ अश्मात क्वा आरेलत प्रांता त्यमण गुक्ति कर्क उक मश्मात शिवान नित्रोक्षात ३ अनुस्रण शिवान मम्मर्क निर्णार्षेमात्मत्र व्यवम् कता शरेमा थात्म, स्मरेस्रण गुक्ति कर्क अनुस्रण शिवान नित्रोक्षा ३ अनुस्रण शिवान प्रमार्क निर्णार्षे पान कता मारेला।

(०) परे अनुष्कुर्पतः (०) प्रकास निर्धाति प्रासिश्वसम् र गुजेज स्ट्रम् आरेत्र द्वारा स्मिष्ठ निर्धात्ने करित्वन, सरा रिमान-निर्देशिककरक स्मिरे-मूण प्रासिश्वजान अर्थने करित्व भारित्वन प्रवश् परे प्रकान अर्थन विधानावनी अभीज ना रुउग्रा भर्मन राष्ट्रेषि आर्प्तिन द्वारा अनुसृष विधानावनी अन्यन करित्व भारित्वन ।

(8) धरे अनुक्किप्तत (३) म्यात अवीन माग्रिञ्च-

प्रशा रिमाव-निविकत्व मामिञ्ज भामतित्रं किया प्रशा हिमाव-नित्रीक्षकरक ज्यापु कार गुक्ति वा कर्ष्णक्षत्रं भविहासमा वा निर्मुत्स्व ज्यीन करा दरेख ना।

১২১। (১) এই অনুদ্দেদ-রাপেক্সে মহা হিরাক নিরীক্ষক ষাট বংসর বয়র পুর্ন হওয়া পর্যন্ত ভাঁহার পদে বহান থাকিবেন।

मश रिजाव-निवीक्रकित करमँव सिमाम

- (২) সুপ্রীয় কোর্টের কোন বিচারক যেরূপ পদ্ধতি ও কারনে অপলারিত হইতে পারেন, সেইরূপ পদ্ধতি ও কারন ব্যতীত মহা হিমাব-নিরীক্ষক অপলারিত হইবেন না ।
- (৩) মহা হিদ্যাব-নিরীক্ষক রাষ্ট্রপতিকে উদ্দেশ করিয়া দ্বাক্ষরমুক্ত শত্র্মোগে দ্বীয় পদ প্রাথ করিতে পারিবেন।
- (8) कर्पावमात्नव भन प्रशा रिप्राव-निनीक्षक श्रकावत्तुन कर्प स्मान काम भए निमूक दरेवान त्याना दरेतन ना।

अमृग्नी महा हिमाय-निवीक्रक

১৩১। রাষ্ট্রপতির অনুমোদনকমে মহা হিলাব-নিরীক্ষক যেরূপ নির্বার করিবেন, সেই রূপ আকার ও পদ্ধতিতে প্রজাতন্ত্রের হিলাব রক্ষিত হইবে।

প্রজাতন্ত্রের হিমাব-রক্ষার আকার ও পদ্ধতি

२०२। প্রজাত নের হিলাব সম্পর্কিত মহা হিমাব-নিরীক্ষকের রিলোর্টি ময়ুহ রাষ্ট্রপতির নিকট লেশ করা হইবে এবং রাষ্ট্রপতি তাহা সংসদে লেশ করিবার ব্যবস্থা করিবেন।

সংসদে মহা হিসাব-নিরীক্ষকের রিপোর্ট উপস্থাপন

নবম ভাগ

বাংলাদেশের কর্মবিভাগ

২ম পরিচ্ছেদ্ কর্মবিভাগ

२७०। परे मश्विधातम् विधानायनी-मालकः मश्मम् आरेतम् माना श्रकालत्तम् कर्म कर्मानी-प्रम् निरमाश उ कर्मन् सर्गायनी निम्मुन करिल भावित्यनः

निएगांश 3 कर्मत শर्जावली

ज्त गर्ड थाक त्य, अरे डिल्ला आरेतव द्वावा वा अवीन विधान अभीज ना रुश्मा भर्मक अनुक्षण कर्मा होत्तिव नित्मां अ कर्मव गर्छा-वनी निम्सुन कविमा विधिन्न मूर्र- अनेम्लव क्ष्मण वार्षुणिज् थाकित अर अनुक्षण त्य कान आरेतव विधानावनी- मालिक अनुक्षण विधिन मूर्र कार्यक व् रूरेता।

১৩৪। এই সংবিধানের দ্বারা অন্যর্কাপ বিধান না করা হইয়া থাকিলে প্রজাতন্ত্রের কর্মে নিমুক্ত প্রত্যেক ব্যক্তি রাষ্ট্রপতির সন্তোষানুমায়ী সময়জীমা পর্মন্ত দ্বীয় পদে বহাল থাকিবেন ।

कर्मक रमग्राप

১৩৫। (১) প্রজাতন্ত্রের কর্মে অপ্রামরিক পদে নিযুক্ত কোন ব্যক্তি তাঁহার নিয়োগকারী কর্তৃপক্ষ-অপেক্ষা অর্ধস্তুন কোন কর্তৃপক্ষের দ্বারা বর্ত্মাস্ত্র বা অপ্রারিত বা পদাবন্দ্রিত ইইবেন না।

व्यमामहिक महकाही कर्मामहिक महकाही कर्मामु अञ्चि

(२) अनुक्ष भरम निमुक कान गुक्ति जाँदान प्रकार अमुाविज जावम्। श्रद्ध विक्रान्न कान्ने प्रमादेवान मुक्तिमक्षिज मुर्याक्षान ना क्वा भर्ममु जाँदाक वन्थामु वा अभन्नाविज वा भर्मा-वनविज कन्ना मादेख ना;

ख्य गर्ड थाक त्य, अरे म्का त्मरे मकल कित्य श्राह्याकुर रहेत मा, त्यभात

- (অ) কোন ব্যক্তি মে সাচর্নের ফলে ফৌজ্দারী অপরার্থে দক্তিত হই-য়াছেন, মেই আচর্নের জ্ন্য তাঁহাকে বর্পান্ত, অপ্রারিত বা পদাবনিরিত করা হইয়াছে; অথবা
- (আ) কোন ব্যক্তিকে বরখাদ্র, অপদারিত

বা পদ্যবনমিত করিবার ক্ষমতাসমার কর্তৃপক্ষের নিকট সন্তোষজ্নকভাবে প্রতীম্মান হ্ম মে, কোন কার্টে— মাহা উক্ত কর্তৃপক্ষ লিপিবদ্ধ করিবেন— উক্ত ব্যক্তিকে কার্ট দ্র্শাইবার মুমোগ-দান করা মুক্তিসংগতভাবে সন্তব নহে; অথবা

- (ই) রাষ্ট্রপতির নিকট সন্তোষজনকভাবে প্রতীম্মান হয় মে, রাষ্ট্রের নিরাপতার দ্বার্থে উক্ত ব্যক্তিকে অনুরাপ দুযোগ-দান সমীচীন নহে।
- (8) या क्लाज कान गुकि कान निधित क्रिक अधीन श्रकालतु कर्म निधुक रहेग़ाह्न धवर डेक क्रुकित अर्जावनी-अनुमामी मधामध ताहित्मत पाना क्रुकिहित अयमान घछीन रहेग़ाह्,
 त्मरे क्लाज क्रुकिहित अनुमाम अवन्नातत करा
 किनि धरे अनुस्क्रित डेल्ल्गुमायनकल्ला भम
 रहेल अपनातिक रहेग़ाह्न विनम्मा भन् रहेत ना।

১৩৬। आहेत्तत पाता श्रङ्गाण्डात् कर्मविज्ञान-प्रमूद्र मृष्टि, प्रश्युककर्म ३ शकीकर्मप्र पून-गर्गत्त विद्यान कर्ना याहेत्व श्रद्ध अनुकृष आहेन श्रङ्गाण्डात् कर्म नियुक्त कान गुक्तिर कर्मत् भर्णवनीत जार्ज्या कर्निज ३ जारा स्म क्रिल प्राहित्व ।

২য় পরিচ্চেদ— সরকারী কর্ম কমিশন

>৩৭। आरेरातः माना वाश्नाम्हान कर्ना अक वा धकार्विक अन्कानी कर्म किन्नित प्रिक्शित विधान कना यारेरा धवः धकक्रम अज्ञाणिक ७ आरेत्व माना यक्षण निर्वादिज रहेरा, ट्यरेक्षण बनाना अम्महर्क नरेगा प्रास्तुक किन्नित शक्ति रहेरा।

কমিশন-প্রতিষ্ঠা

কর্মবিভাগ-পুনগঠন

अम्बार-नियाश

भारत्व सम्माप

ত তান্যান্য সদ্দ্র্য হাষ্ট্রপতি কর্তৃক নিযুক্ত হইবেন;
তার কর্তৃক প্রাপ্ত কর্তৃক ক্রিম্নের মত্যুর

जत नर्ज थाक त्य, अलाक किमलाव यज्हून प्रमुख आर्थक (जत आर्थक कम नहा) प्रश्मिक प्रमुख अपने वाकिश्मि रहेरवन, याँशवा कुछि व्यम्न या जलाधिककान वाल्लाफ्रास्त्र वाहुरीम प्रीयानाव प्राथा त्या काम प्रमुख काम क्रांत्र काम अवकाख़ करम काम जान अधिकिज हिलन ।

(২) সংসদ কর্তৃক প্রনীত যে কোন আইন-রাপেক্ষে কোন সরকারী কর্ম ক্রিমনের সভাপতি ও অন্যান্য সদ্দ্যের কর্মের শর্তবনী রাষ্ট্রপতি আদেশের দ্বারা যেরূপ নির্ধারন করিবেন, রেইরূপ হইবে।

১৩৯। (১) এই অনুচ্চেদ্র বিধানাবনী-সাপেক্ষে কোন সরকারী কর্ম কমিশনের সভাপতি বা অন্য কোন সদ্দ্র্য তাঁহার দায়িত্বগ্রহেশের তারিখ হইতে পাঁচ বংসর বা তাঁহার বাষটি বংসর বয়স প্রনি হওয়া— ইহার মধ্যে যাহা অগ্রে ঘটে, সেই কাল পর্মন্ত দ্বীয় পদে বহাল থাকিবেন।

(२) प्रुष्टीय कार्टिक कान विठावक यक्षि भक्षिक ७ कार्ट्स अभन्नातिक दरें आत्न, प्रदेशभ भक्षिक ७ कार्ट्स व्यक्ति कार्टिक भारत, प्रदेशभ भक्षिक ७ कार्ट्स व्यक्ति कार्टिक कार्ट्स विभाव प्रकाशिक वा अन्य कान प्रमुख अभन्नातिक दरेखन ना।

- (৩) কোন সরকারী কর্ম কমিশনের সভাপতি বা অন্য কোন সদ্স্য রাষ্ট্রপতিকে উদ্দেশ করিয়া স্থাক্ষরমুক্ত প্রযোগে স্থীয় পদ্ ভাগে করিতে পারিত্তন।
- (8) कमांवझात्न मन त्कान प्रवकाती कर्म किम्मित्त प्रमित्र श्रुखालत्तुव कर्त्म भूनवाम निमुक रहेवाव त्यामु थाकितन ना, जत वहे स्मृतकृत्मव (२) म्का- प्रात्मक्त
 - (क) कर्मावझात्रव भव कान प्रजामिक पक स्मारम्ब इन्ड भूनिस्मान नार्ज्य स्मान्ड थाकियन; प्रवर
 - (भ) कर्ज्ञायमात्मय भर काम प्रमु (प्रज-भिक्त वार्ष्ट्रीक) थक स्मिशास्त्र क्रमु किश्वा काम प्रवकाती कर्म किस्मिश्तर प्रकाभिकित्स मित्राक्षमाख्य (याम्र) भाकित्यम ।

2801 (२) कान प्रवकारी कर्म किमलाय पारिष्ट्र किमलाय पारिष्ट्र

৬১

ररेत्य

- (क) श्रङ्गाङ त्तुव कर्ष निरम्गणमालव कर्ग डेल मुक व्यक्ति मिलक मरना न म रनव डेल स्था मानाई उ भवीका अविनानना;
- (थ) परे अनु (क् (प् व (२) म्का-अनु माग्ने ने शु-भिक्त कईक कान विषय अम्मार्क किश्वा किश्वासर्व काउमा रहेला किश्वा किश्वासर्व मास्ट्रिय-मार्कानु कान विषय किश्वास्त्र निकेष्ट (ध्युवन करा रहेला (महे महस्त्र ने शुक्षेणिठिक उन्न (मन्नमान) । प्या

(গ) আইনের দ্বারা নির্বারিত অন্যান্য দায়িত্বপানন ।

- (২) সংসদ কর্তক প্রনীত কোন আইন এবং কোন কিম্পনের সহিত পরামর্শক্রমে রাষ্ট্রপতি কর্তক প্রনীত কোন প্রবিধানের (মাহা অনুরূপ আইনের সহিত অসমজ্ম নহে) বিধানা বনী-মাপেক্ষে রাষ্ট্রপতি নিমুনিপ্রিত ক্ষেত্রসমূহে কোন কমিশনের সহিত পরামর্শ করিবেন:
 - (ক) প্রজাতন্ত্রের কর্মের জ্ন্য মোগাতা ও তাহাতে নিমোগের পদ্ধতি সক্ষরিত বিষয়াদি;
 - (খ) প্রকাতন্ত্রের কর্মে নিয়োগদান, উক্ত কর্মের এক শাখা হইতে অন্য শাখায় পদোরতিদান ও বদনিকর পরে অনুরূপ নিয়োগদান, পদোরতিদান বা বদনিকর ধের জ্ন্য প্রার্থীর উদ্দ মোগিতা - নির্নিয় সন্সর্কীয় নীতিসমূহ;
 - (গ) অবসর-ভাতার অধিকারমহ প্রজাত্ত্রর কর্মের শর্তাবনীকে প্রভাবিত করে, এইরূপ বিষ্মাদি; এবং
 - (ঘ) প্রজাতন্ত্রের কর্মের শৃঙ্খলাঘূনক বিষয়াদি।

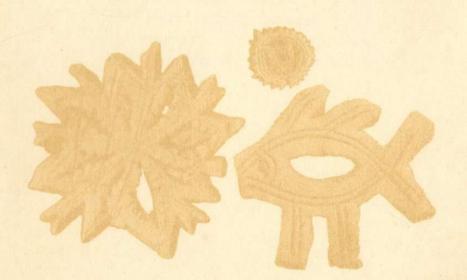
১৪১। (১) প্রত্যেক কমিশন প্রতি বংদর মার্চ মানের প্রথম দিবমে বা তাহার পূর্বে পূর্ববর্তী একবিশে ডিলেম্বরে সমাস্ত এক বংসরে দ্বীম কার্যবিনী সম্বন্ধে রিপোর্ট প্রস্তুত করিবেন এবং ভাহা রাষ্ট্রপতির নিকট পেশ করিবেন।

वार्धिक बिलार्ट

- (২) রিপোর্টের সহিত একটি ক্সারকনিপি থাকিবে, মাহাতে
 - (क) काम क्षाय किमिलात काम भग्नामर्भ भृशीय मा श्रेमा भाकित्म प्रमिश क्ष्मय प्रवर भग्नामर्भ भृशीय मा श्रेमान काम्म, प्रवर
 - (খ) মে একন ক্ষেত্রে করিশনের সহিত্ত পরামর্শ করা উচিত ছিন অখচ পরামর্শ করা হয় নাই, সেই একন ক্ষেত্র এবং পরামর্শ না করিবার কার্ম

সম্বন্ধে করিশন মতদ্র অবগত, ততদ্র নিপিবদ্ধ করিবেন।

(७) य वरमन निलार्ट (मन कना दरेगारह, मिरे वर्मन पकिलार मार्टन मन जन्हिल मर्माद प्रथम विठेक नार्द्धेमिन डेक निलार्ट अमानक-निमि मरमार डेममामान नार्मा किनिया



দৃশ্য ভাগ

সংবিধান-সংশোধন

>8२। अरे प्रश्विधात मारा वना रहेगार्ह, जारा प्राञ्च

সংবিধানের বিধান সংশোধন বা রহিতকরধের ক্ষমতা

- (क) प्रश्मित्व आहेन-माना अहे प्रश्विभात्तव कान विवान प्रश्लाविक वा वृहिक हरेल भावित्वः; ज्व भर्व भाक त्यः,
 - (अ) अनुक्रम प्रश्लावनी वा विश्वकर्तित्र कर्तु आनीक कान विलव प्रस्तृनी भिवनामाम अदे अश्विवात् कान विवान प्रश्लावन वा विश्व कर्ता दर्शे विलम्भ स्थिति विवास क्रिय ना थाकिला विनिधि विवास क्रिय श्रद्धने कर्ता मारे (व ना ;
 - (আ) সংসদের মোট সদ্স্য-সংখ্যার সন্তুর দুই-স্ভায়াংশ ভোটে গৃহীত না হইনে সনুরূপ কোন বিনে সদ্মতিদানের জ্ন্য তাহা রাষ্ট্রপতির নিকট উপস্যাদিত হইবে না;

একাদেশ ভাগ

विविध

১৪৩। (১) আইনসঞ্জাতভাবে প্রজাতন্ত্রের উপর প্রজাতন্ত্রের সম্মন্তি नामु या कान जुमि वा मक्सि वाजीज निम्-निष्ठि प्रकाष्ट्रियमुर अकाष्ट्र डेमर ररेदा :

- (क) वाल्लारमाला (य कान पृत्रित अतुः मु प्रकल भिन्द उ अन्याना मृनामभन जामधी;
- वार्नार्मात्व वाष्ट्रीय क्लबीमाव अनु-वंजी प्रशामाल (वंद अतुः म् किःवा वाः नाप्ताम् प्रशिक्षामात्वे उपविष् मरामाभारतंत्र अतुः सु मकल स्मि, थितिङ् उ अन्ताना मृनामभन माम्यो ; प्रवर्
- वाल्लाएल व्यविषुठ अकुछ मानिक-বিহীন যে কোন সদ্পতি।
- (२) जरम मग्राम मग्राम जारेनव पाना वार्नारम्ला वाक्षीय जीवानाव पवर वार्नारम्लाव राष्ट्रीय ज्नन्नीया उ मरीत्माभात्न मोन्ना-निर्या-্বনের বিখান করিতে পারিবেন।

388। अङ्ग्रित निर्वारी कर्षु अस्त्रि धर्म, विक्स, रम्रानुद, वन्नकमान अ विलि-ग्वमा, स्म कान कानवान या वावमाम - नानना पवः स कान दुकि अन्यन क्रा यारेक।

সদ্ধত্তি ও কারবার প্রভৃতি-প্রদক্ষে নিৰ্বাহী কর্মজু

>861 (२) अङ्ग्राज्युत निर्वाशे कर्नुष्ट अनीक इकि अम्बन प्रकल हुकि उ प्रतिल बाद्देणि कर्क अनीउ वित्रमा अकाम कहा देहेरव प्रक् बाह्रेमि (यक्ष निर्दिश या क्रमाजा अमान करित्वन, जाँशर माक मिर्निम गुकि कर्क उ प्यरेन्स स्नामील जारा जम्मापिङ रहेरव ।

(২) প্রজাতন্ত্রের নির্বাহী কর্তৃত্বে কোন চুক্তি या प्रिल अनेम्न या प्रकाप्त कहा रहेला डेक कर्रि अनुक्ष हुकि या प्रिल अनेम्न या प्रस्थापन करियात ज्मा ताधुभि किश्या अमा कान युक्ति युक्तिभञ्जात मासी दरेत्वन ना, ज्त

अहे अनुक्षिप अवकात्वत विकृष्म यथायथ कार्य-भावा आनम्दा कान वर्षक्र अधिकात सूर्य कृतित्व ना ।

১৪৬। "বাংলাদেশ" এই নামে বাংলাদেশ অরকার কর্ত্বক বা বাংলাদেশ সরকারের বিরুদ্ধে সামনা দায়ের করা মাইতে পারিবে। বাংনাদেশের নামে স্লাসনা

389। (১) এই অনুদ্ধে প্রযোজ্য হয়, এইর্প কোন পদে অধিষ্ঠিত বা কর্মরত ব্যক্তির পারিপ্রদিক, বিশেষ-অধিকার ও কর্মের অন্যান্য শর্ত সংদ্ধের আইনের দ্বারা বা অধীন নির্বারিত হইবে, তবে অনুরূপভাবে নির্বারিত না হত্তয়া পর্যন্ত

কতিপয় পদাধিকারীর পারিপ্রদিক প্রভৃতি

(ক) এই সংবিধান-প্রবর্তনের অব্যবহিত পূর্বে ক্ষেত্ররত সংশ্লিপ্ট পদে অধিষ্ঠিত বা কর্মরত ব্যক্তির ক্ষেত্রে তাহা যেরূপ প্রযোজ্য চিল, দেইরূপ হইবে; অথবা

(था) व्यव्यविक भूर्ववर्जी केम-प्रका श्रायाशु ना दरेला वाश्वेषिक व्याप्तास्त्र पाना त्यक्षा निर्मेश कवित्वन, प्रदेशम १रेता।

(१) परे ज्यन्ताम् अत्माक्त रम, परेक्ष काम भाम ज्यिषिक वा कर्मक्र गुक्तिं कार्मज्काल जाराज भाविद्यितिक, विश्वम-अधिकातं ७ कर्मक् ज्यनाना भावित् अमन जावज्या क्रां यारेख मा, यारा जाराज्ञ भावित्र असुविधाक्तक रहेल भाता।

(७) भरे अनुष्कृत अत्माकृ र्य, भरेक्ष कान भर्त निमुक या कर्मकृ गुक्ति कान नाव-कृतक भर्त किश्वा विक्नानिमुक भर्त या मर्माम् यशान रहेवन ना किश्वा मुनाकानाख्व देख्ना-मुक्त कान काम्मानी, प्रक्षिक या अविकासन वावक्षाभनाम या भरिकाननाम कानकृत अश्व भ्रद्य किविवन ना:

তবে শর্ভ থাকে মে, এই দ্ফার উদ্দেশ্যমাইন-কল্পে উপরের প্রথমোল্লিখিত দদে অধিষ্ঠিত বা কর্মরত রহিয়াচ্চ্ন, কেবল এই কার্থে কোন ব্যক্তি অনুরূপ লাভজ্মক সদ্ বা বেতনাদ্যুক্ত দদ্ বা মর্যাদ্যয় অধিষ্ঠিত বলিয়া গণ্য হইবেন না।

(8) अरे अनुत्कृत् निम्निश्चिक भन्जमूर अत्याक्र रहेताः

(ক) রাষ্ট্রপতি,

श्रवानग्रही, (21)

अभीकात या एमि अभीकात,

युने, अञ्-मुने वा डेमब्रुने, (国)

मुष्टीम कार्दिन विठातक, (4)

प्रशाय-नियोक्षक अ नियनुक, (五)

नियांक्त किंद्राश्नात, (五)

प्रवकाती कर्स किमिश्तत् प्रमार।

১৪৮। (১) সূতীয় তফলিলে উল্লিখিত মে কোন পদের শদশ लिए निर्वाहिक वा नियुक्त वाक्ति कार्यभागश्रश्लेव भूदि डेक जर्मानन-जनुमामी ममयश्रदने या प्यामना (এই অনুচ্চেদে "শপথ" বনিয়া অভিহিত) করিবেন এবং অনুরূপ শপ্রস্তে বা ঘোষনাপত্ত দ্বাঙ্গুন্ন कवियम ।

(२) अरे अश्विधातक अश्वीत निर्मिष्टे कान याकित निकि मामश्राद्यने आवनाम रहेल पयः त्कान काव्रत सिरे व्यक्तिव निकटे मामश्राश्वर ममुव ना रहेत्न अनुक्रभ युक्ति प्रक्रभ युक्ति उ मुान निर्दावन कवित्वन, त्मरेक्ष युक्तिव निकि त्मरेक्ष मात गमय शहर कहा याहेरव।

(७) अरे प्रश्विधात्म अधीन (य किल कान मुक्तित भरक कार्यजान्धर्तन पूर्व समयधर्न व्यावमारक, स्मरे स्मर्व गमश्राश्त्र व्याविश्व भव जिनि कार्यज्ञ शहरे कवियारहून विनया भन् श्रेव ।

282। परे प्रश्विधात्र विधानावली-प्रालक मकम श्रामिक आहेतिक कार्यकरका अवाहक थाकित्व, जत अनुक्ष आहेन धरे प्रश्विधात्व अधीन अनीज आहेरनव मात्रा महत्माधिज या व्हि रहेल मावित ।

প্রচনিত আইনের হেফাজ্ত

>७०। अरे मश्विधात्र जना काम विधान मञ्ज उर्के उर्कामल वर्निक कान्तिकालीन ଓ अमासी विधानावली कार्यकृत रहेता।

कान्तिकानीन उ अमुग्री विश्वानावनी

রহিত করে ব

oc)। वार्षेषिव निम्निधिक आ(प्रमामृश पज्याना निश्ठ कना रहेल:

(क) आरेत्व भावायादिकज वनवर कवन आर्म्भ (१२१) मात्मद २०१ प्रधिन

39

जातित्य अभीज);

- (भ) २०१२ प्रात्मक वाल्लाप्तन अम्हासी प्रश्विदान आप्ति ;
- (গ) ১৯৭২ সালের বাংনাদেশ হাইকোর্ট আদেশ (১৯৭২ সালের দি. ও.নং ৫);
- (घ) २०१२ माल्यस वाश्नाद्यम महा रिमाव-निवीक्षक ७ निम्नुक आद्यम (२०१२ प्रात्मक भि. ७. नः २६);
- (७) २०१२ मात्मत्र वाश्चादम् अनेभविषद् ज्यादम्भ (२०१२ मात्मत् भिःउ नः २२);
- (क) २०१२ माल्जर वाल्लाएम निर्वाचन कप्रिमन ज्याएम (२०१२ माल्जर भि. ७. नर् २७);
- (ह) २०१२ प्रात्मव वाश्माएम प्रवकाती कर्म कप्रिमनप्रवृष्ट् आएम (२०१२ प्रात्मव भि. ७. नः ७४);
- (क्) २०१२ आत्मद्र वाश्माप्तम (अद्रकाती कर्म अस्माप्त) आप्तम (२०१२ आत्मद्र भि: 3. नः ७७)।

১৫২। (১) বিষয় বা প্রসঞ্জের প্রয়োজ্ন অন্যূর্প শুস্পা না হইনে এই সংবিধানে

" अविविध्य " (प्रश्मम्- श्रम् (श्र्म प्रश्नि) अर्थ परे प्रश्निवान- श्रवर्णत्म भन्न किश्वा पक्षात्म अर्थित रहेवान वा जिल्लामा मारेवान अन्त अर्म प्रमान श्रम श्रिमिन रहे, ज्या रहेल प्रश्मम अर्थित रहेला वा जिल्लामा मार्थित विवेद- प्रश्न ;

"अनुक्त्र" अर्थ भरे जश्विधातत कान अनुक्त्रमः

" अयमद- जारा" अर्थ आश्मिकजात श्राप्तम् रहेक वा मा रहेक, या काम अवमद- जारा, मारा काम गुक्तिक ग गुक्तिद क्षांचा प्रमः, प्रवश्काम जिर्देश-उर्दिल्य हाँचा वा रेशद प्रिल्थ याक्षिक अविदिक अर्थ श्रेलुर्भने-गुण्लाम् एम् अवमद्रकान्योन युक्त रहेत्दः,

" अर्थ-वर्मत्" अर्थ जूनारे माल्यत् अथम

पियाम या या अप्रत्त आत्मु;

" আইন" অর্থ কোন আইন, অধ্যাদেশ, আদেশ, বিধি, প্রবিখান, উপ-আইন, বিজ্ঞপ্তি ও অন্যান্য আইনগত দলিন এবং বাংনাদেশে আইনের ক্ষমতাসদ্ধর যে কোন প্রথা বা রীতি;

" আদীন বিভাগ " অর্থ সুপ্রীম কোর্টের আদীন বিভাগ ;

"उम-म्का" अर्थ तम म्काम नद्धि व्यवहरू, जिन्ने म्कान प्रकृषि छेम-म्का;

" ঋনপ্রহন " বলিতে বাংসরিক কিন্তিত পরি-শোর্থমোগ্য অর্থনংপ্রহ অন্তর্ভুক্ত হইবে; এবং "ঋন" বলিতে তদ্মুরাদ অর্থ বুঝাইবে;

"করারোপ" বনিতে সাধারন, দ্যানীয় যা বিশেষ— যে কোন কর, খাজ্মা, শুদ্ধ বা বিশেষ করের আরোপ অনুভূজ হইবে; এবং "কর" বনিতে তদনু-রূপ সর্য বুঝাইবে;

" जारानि " विन्ता कार्य उपाला प्रूराण कियानिक भित्रमातिक अस्मितिक अस्मितिक अस्मितिक अस्मितिक अस्मितिक अस्मितिक कित्रमातिक वार्या विश्व वार्या वार्या विश्व वार्या व

"জ্মো-বিচারক" বনিতে অতিরিক্ত জ্মো-বিচারক অনুভূক্তি ইইবেন;

"उक्तिन" अर्थ परे प्रश्विवातत्र स्नान उक्तिन; "प्का" अर्थ त्म अनुस्कृत्म भन्नि गुवक्र, प्ररे

अनुत्कृत्पन वकि प्रमा;

"দ্না" বনিতে বাৎ দরিক কিরি হিনাবে

মূলবন পরিশোবের জন্য মে কোন

বার্থবাবকতাজনিত দাম এবং মে কোন

গ্যারানি মুক্ত দাম অনুর্ভুক্ত হইবে;

এবং "দ্নার দাম" বনিতে তদ্বুরুপ

অর্থ বুঝাইবে;

"নাগরিক" অর্থ নাগরিকত্ব-সন্মর্কিত আইনার্-মায়ী মে ব্যক্তি বাংলাদেশের নাগরিক; "প্রচলিত আইন" অর্থ এই সংবিধান-প্রবর্তনের অব্যবহিত পূর্বে বাংলাদেশের রাষ্ট্রীয় श्रीयानाम वा जेराव अश्मवित्राष्ट्र आहेत्व क्ष्मजायसम् किंद्व कार्यक्रव प्रक्रिम थाकूक वा ना थाकूक, धमन या कान आहेत;

"अङ्गा म " अर्थ भर्म अन्यङ्ग वार्नाप्न ;

"প্রকাত দ্রের কর্ম" অর্ম অসামরিক বা সামরিক ক্ষরতা ম বাংলাদেশ সরকার সংকার মে কোন কর্ম, চাকুরী বা পদ এবং সাইনের দ্বারা প্রকাত দ্রের কর্ম বনিয়া ঘ্রোষিত হইতে পারে, এইরুপ অন্য কোন কর্ম;

"প্রখান নির্বাচন কমিশনার" অর্থ এই দংবিধানের

১১৮ অনুদ্দেদ্রে অধীন উক্ত পদে নিমুক্ত
কোন ব্যক্তি;

"প্রথম বিচার্পতি" অর্থ বাংলাদেশের প্রথম বিচার্পতি ;

"প্রশাসনিক এককাংশ" অর্থ জেনা কিংবা এই সংবিধানের ৫৯ অনুচ্চেদের উদ্দেশ্যমাখন-কন্সে আইনের দ্বারা অভিহিত অন্য কোন এলাকা;

"বিচারক" অর্থ সুপ্রীম কোর্টের কোন বিভাগের কোন বিচারক;

"বিচার-কর্মবিভাগ" অর্থ জেনা-বিচারক-পদ্র অনুর্শ্ব কোন বিচারবিভাগীয় পদ্ অধিষ্ঠিত ব্যক্তিদের নইয়া পঠিত কর্মবিভাগ;

"रेवर्ठक" (ज्ञश्मम्-प्रम्यक्षा) अर्थ मूनवनी ना कविष्ठा अश्मम् मञ्क्रने याज्ञावाष्टिक-जार्व रेवर्ठकवृज थारकन, जिल्लेम् रम्मामः

" ভাগ" সর্ম এই সংবিধানের কোন ভাগ;

"রাজ্ধানী" অর্থ এই সংবিধানের ও অনুদ্দেদ রাজ্ধানী বনিতে মে অর্থ করা হইয়াচে;

"রাজ্বৈতিক দ্ল" বলিতে এমন একটি স্থিপভ্য বা ব্যক্তিসরাষ্টি সমুর্জ, মে স্থিপভ্য বা ব্যক্তিসরাষ্টি সংসদ্রে সভ্যরেরে বা বাহিরে স্থাতন্ত্র্যসূচক কোন নামে কার্ম করেন এবং কোন ব্যক্তিকি মত প্রচারের বা কোন রাজনৈতিক তৎপরতা পরিচাননার উদ্দেশ্যে অন্যান্য অধিদ্রগদ্ম হইতে পৃথক কোন অধিদ্রগদ্ম হিদারে নিজ্-দিগকে প্রকাশ করেন;

" রাষ্ট্র "বনিতে সংমদ, সরকার ও সংবিধিবদ্ধ সরকারী কর্তৃপক্ষ অন্তর্ভুক্ত ;

"রাষ্ট্রপতি" অর্থ এই সংবিধানের অধীন নির্বাচিত বাংনাদেশের রাষ্ট্রপতি কিংবা সামম্মিকভাবে উক্ত পদে কর্মরত কোন ব্যক্তি:

"मृक्यमा-यात्रिनी" अर्थ

- (क) मृत, तो या विद्यान -याहिनी;
- (भ) यूनिम-यारिनी;
- (গ) আইনের দ্বারা এই সংক্রার অর্থের অনুগত বলিয়া ঘোষিত মে কোন শৃঞ্খলা- বাহিনী;

" मृश्यनामूनक आरेन" अर्थ मृश्यना गरिनीत मृश्यनानिम् स्नेकाती कान आरेन;

" সংবিধিবদ্ধ সরকারী কর্তৃপক্ষ" অর্থ মে কোন কর্তৃপক্ষ, সংস্থা বা প্রতিষ্ঠান, মাহার কার্মাবনী বা প্রখান প্রখান কার্ম কোন আইন, অখ্যাদেশ, আদেশ বা বাংলাদেশে আইনের ক্ষরতাসন্দার চুক্তি-পত্য-দ্বারা অপিত হয়;

"प्रश्मम्" व्यथं अरे प्रश्विवात्तत् ७० अंनु एक्न-प्वाता प्राकृष्ठिक वास्तात्म्लात् प्रश्मम् ;

"সদ্ধতি" বলিতে সকল স্থাবর ও অস্থাবর, বস্তুগত ও নির্বস্কুগত সকল প্রকার সম্পত্তি, বানিজ্যিক ও শিল্পগত উদ্যোগ এবং অনুরূপ সম্পত্তি বা উদ্যোগ্রের সহিত সংশ্লিপ্ট যে কোন মৃত্যু বা অংশ অন্তর্ভুক্ত হইবে;

"সরকারী কর্মচারী" অর্থ প্রজাতন্ত্রের কর্মে বেতনাদ্মুক্ত পদে অধিষ্ঠিত বা কর্মবৃত কোন ব্যক্তি;

"সরকারী বিজ্ঞপ্তি" সর্থ বাংনাদেশ গেজ্টে প্রকাশিত কোন বিজ্ঞপ্তি;

" प्रिकिडेविटि" विनाल मीक अनुर्कु रहेत;

"সুস্রীয় কোর্ট" সর্ফ এই সংক্রিখানের ১৪ অনুচ্চেদ-দ্বারা গঠিত বাংলাদেশের সুস্রীয় কোর্ট; "স্মীকার" অর্থ এই সংবিধানের ৭৪ অনুদ্দেদ-অনুসারে সাম্মিকভাবে স্মীকারের সদে অধিষ্ঠিত ব্যক্তি;

"रारेकार्षे विভाগ" अर्थ मूखीम कार्षेत्र रारेकार्षे विভाগ ।

(३) ३४-२१ जात्मद र्ज्नार्म क्रूक्म् याहि

- (ক) সংসদের কোন আইনের কেলে মেরূপ প্রমোজ্য, এই সংবিধানের কেলে সেইরূপ প্রমোজ্য হইবে;
- (খ) সংদদ্র কোন আইনের দ্বারা রহিত কোন আইনের ক্লেলে মের্ল্প প্রয়োজ্য, এই সংবিধানের দ্বারা রহিত কিংবা এই সংবিধানের কারনে বাতিন বা কার্মকরতানুপু কোন আইনের ক্লেলে সেইর্ল্প প্রয়োজ্য হইবে।

১৫৩। (১) এই সংবিশানকে "গণপ্রজ্যাতন্ত্রী বাংলা-দেশের সংবিশান" বলিয়া উল্লেখ করা হইবে এবং ১৯৭২ সালের ডিসেম্বর মাসের ১৬ তারিখে ইহা বলবং হইবে, মাহাকে এই সংবিশানে "সংবিশান-প্রবর্তন" বলিয়া অভিহিত করা হইয়াছে।

(২) বাংনাম এই সংবিধানের একটি নির্ভর্যোগ্য পাঠ ও ইংরাজীতে অনুদিত একটি নির্ভর্যোগ্য অনু-মোদিত পাঠ থাকিবে এবং উভম পাঠ নির্ভর্যোগ্য বিনিমা গনপরিষদের স্পীকার দার্টিফিকেট প্রদান করিবেন।

(७) थरे व्यनुक्तिप्त (२) एका-व्यनुषामी मार्छ-किकिटेमुक कान भार्व भरे प्रश्विधालन विधानावनीन इज़ानु ध्रमान विनामा भना दरेख;

তবে मर्ज थारक त्म, वाश्ना 3 रेश्वाकी भार्षिव झर्था विखार्थंव स्माय वाश्ना भारे आवाना भारेरा। अवर्डन, डेल्लभ 3 निर्वेद्रत्याभा भाठे



প্রথম তফসিল

[८१ जनुष्कृम]

অন্যান্য বিধান সত্ত্বেও কার্যক্র আইন

১৯৫० ज्ञात्मत् धूर्यक्ष क्रिमात्रो म्थन अ श्रका-युष्ट आहेन (১৯৫১ ज्ञात्मत् आहेन नः २৮)।

२०१२ प्रात्मत वाश्नातिक (मिन्न ७ वानिका श्रक्तिं निम्नु । अवस्थिति । मास्यु-श्रद्ध । आत्मक (अस्यो वाद्येषविव २०१२ प्रात्मव आत्मक वर्ष २)।

२०१२ ज्ञात्म्य वाश्लोरिक (प्राम्नाङ्ककारी (विस्मय द्वीरेवुर्गाल) ज्यारिक (२०१२ ज्ञात्मक कि. ७. नर् ५)।

२०१२ माल्यस वाश्नादिश मतकात (कर्मविज्ञान-मग्रूर) आदिश (२०१२ माल्यस भि. ३ न१ ०)।

२०१२ प्रात्मत् वाश्नादम्य भिषिः कर्लाद्यम् आदम्य (२०१२ प्रात्मत् थिः ३. नः २०)।

२०१२ मात्नव वार्नाएम (उदासु ममांडि भूनकृषात) आर्एम (२०१२ मात्नव भि. उ. नर् २७)।

२०१२ प्रात्मव वाश्नारिक प्रवकावी कर्माती (अवज्ञव्हाद्य) आरिक (२०१२ प्रात्मव कि. ३. नर् २८)।

১२१२ ब्राल्य वाश्नादिन मित्रुङ प्रसि उ (तिम्द्रने, गुवस्नामना उ विनि-गुवस्ना) आदिन (२२१२ ब्राल्य कि. उ. नः २५)।

२०१२ ज्ञात्मव् वाश्नात्म वा क (बाद्दोम्डकर्न) जात्मन (२०१२ ज्ञात्मव भिः उ. नः २७)।

२०१२ मालक वाश्नाप्म मिल्माप्राज (वाष्ट्री-युकक्ते) आप्नम (२०१२ मालक भि. ३. तर् २१)।

२०१२ झाल्यस बाल्बा (म्ल अञ्जुतीन कुलमान

कर्लात्वभन आरम्भ (२२१२ मालव मि. ३. तर २५)।

১৯৭२ माल्य वाश्नादम (मक्सेडि ७ महिमक्स) नामुकर्म) आदिम (১৯৭२ माल्य मि. ७. नः २२)।

>२०१२ ज्ञात्मत्र वाश्मात्म वीद्या (क्रुक्ती विधान-वनी) आत्मम (२२१२ ज्ञात्मत्र भि. ३. नः ७०)।

>२१ मात्मक वाश्मात्म निज्ञवादशार्य प्रवा महवतार आत्मम (२२१ मात्मक भि. ३. नः ८१)।

১৯৭२ माल्यक् वाश्माद्यम उम्मिन्डूक अपनार्य (विस्मित्र द्वेरियुनान) आदिम (১२१२ माल्य मि. ७.नः ६०)।

১৯৭২ সালের রাষ্ট্রাম্ত ও বেসরকারী সংগঠন-সমূহ (কর্মচারীদের বেতন-নিম্নুন) সাদেশ (১৯৭২ সালের পি: ও. নং ৫৪)।

२०१२ ज्ञात्मन् वाश्मापम भाटे न्रष्टानी जः मा ज्यापम (१०१२ ज्ञात्मन भि. ३. नः ४१)।

२०१२ जात्मक वाल्नात्मक मानि ३ विपुर जेन्नस्न भर्षमञ्जूर जात्मक (२०१२ जात्मक भि. ७. नः ७२)।

১৯१२ प्रात्मक वाल्नात्म प्रकात (प्रार्डिप्रक् फ्रीनिश्ञात्मम (२२१२ प्रात्मक भिः उ. नः ५५)।

२०१२ माल्य वाश्यापम मत्कात हाछ 3 वाङ्गत (व्यवम्राभना) स्थापम (२०१२ माल्य भि. ७. नः १७)।

२०१२ मात्मन वाश्नादिक मत्कात् उ आश्मिक म्याम्डकाजिङ अजिकीनम्बर्ट (कर्मात्रीपत विकन निम्नुन) सादिक (२०१२ मात्मत्र भि. उ. नश्पे)।

२०१२ माल्य वाश्नाप्तम वीमा (ताश्वोग्रङकर्न) जाप्तम (२०१२ माल्य मि. ३. नः २७)।

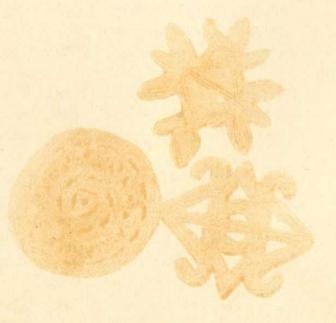
>२१२ मात्मत वाश्नातम् जूमि जितार (मीमा-विक्त कत्रने) ज्यातम् (२२१२ मात्मत्र भि. ८. नः २४)। ३२०१२ माल्य बाश्नाप्य विमान आप्रा (२२०१२ माल्य पि. ३. नः २२५)।

১२१२ प्रात्मत वाल्याप्य या क आएम (১२१२ प्रात्मत भि. उ. नः २२१)।

२०१२ मात्मव वास्तात्म मिन्न अर्न मरम् जात्म (२०१२ मात्मव भि. ७. तर २२৮)।

२०१२ झात्नत वाल्नारम्भ मिन्न बाष्क आरम्भ (२०१२ झात्नत भि. उ. नर २२०)।

प्रवरः वार्षुभिवित आरिष्मिष्ठ श्रवित आरेष्वत् म्वाता कृष्ठ डेमिति-डेक आरेप अ स्थारिष्मिष्ठ हरित् प्रकल प्रश्राधिती ।



দ্বিতীয় তফসিল

[८४ व्यनुष्कृत]

রাষ্ট্রপতি-নির্বাচন

- ১। প্রধান নির্বাচন কমিশনার (এই তফ্রিনে "ক্রিশনার" বনিয়া অভিহিত) রাষ্ট্রপতির পদের যে কোন নির্বাচন -অনুষ্ঠান ও পরিচাননা করিবেন এবং অনুরূপ নির্বাচনে নির্বাচনী কর্তা হুইবেন।
- ২। এই তফজিল-অনুসারে অনুষ্ঠিত সংসদ-সদ্স্যদের বৈঠকে সভাপতিত্ব করিবার জ্ন্য ক্রিশনার একজন ভোটকেন্দ্র-কর্তা নিমুক্ত করিবেন।
- ७। किमनात मत्काती विक्रिष्ठत मार्थाप्त मार्यास्म्रेम्य पाणिल, भतीका, धन्यादात पवर (धार्माज्य दहेल्य) जिन्देश्वर्यस्य मम् ३ मृत्य तिर्वत्ये कित्यम ।
- 8। রানান্যনপত্র দাখিলের জ্ন্য নির্বারিত দিনে দ্বিপ্রহরের পুর্বে মে কোন দময়ে কোন সংসদ্-সদ্স্য রাষ্ট্রপতি-পদে নির্বাচিত হইবার মোগ্যাস্থার কোন ব্যক্তিকে ঐ পদের জ্ন্য মনোনীত করিয়া নির্বাচনী কর্তার নিকটি একটি মনোন্যনপত্র প্রদান করিতে পারিবেন, মে মনোন্যনপত্রে প্রস্তাবক হিলাবে তাঁহার স্বাক্ষর থাকিবে এবং দমর্থক হিলাবে অন্য একজন সংসদ্-সদ্প্যের স্বাক্ষর থাকিবে; দেই সংগ মিনি রাষ্ট্রপতি-পদের জ্ন্য মনোনীত হইতে মাইতে-চ্বেন, তাঁহারও উক্ত মনোন্যনে সন্মতিসূচক শ্বাক্ষরিত বিবৃতি থাকিবে;

তবে শর্ত থাকে মে, প্রস্তাবক হিলাবে বা লল্পর্যক হিলাবে কোন ব্যক্তি কোন এক নির্বাচনে একটির অবিক মনোন্মনপ্র দ্বাক্ষ্য করিবেন না।

৫। করিশনার ভাঁহার দ্বারা নির্বারিত অনম ও স্থানে মনোন্মনপত্র পরীক্ষা করিবেন, এবং পরীক্ষার পর মাত্র একজ্নের মনোন্মন বৈব থাকিলে উক্ত ব্যক্তিকে নির্বাচিত বনিমা ঘোষনা করিবেন, তবে একাবিক ব্যক্তির মনোন্মন বিব থাকিলে সর্কারী বিজ্ঞপ্তির মাধ্যমে বৈবিভাবে মনোনীত ব্যক্তি (এই তফসিনে "প্রার্থী" নামে অভিহ্তিত)-দের নাম ঘোষনা করিবেন।

७। প्रार्थिभम् श्रव्णाशात्व जन्य निर्मात्व पित पित्रश्रद्व पूर्व या कान प्रमास कान आर्थों छाटे-किन्छ-कर्जाव निकटे प्राक्षवस्युक तार्टिभ माधिन कृतिसा निष्कृत श्रार्थिभम् श्रव्णाशाव कृतिष्ठ भावित्वन, प्रवश् कान श्रार्थी व्यवसम्भाजात्व प्रोस् श्रार्थिभम् श्रव्णाशव कृतित्व वाशाक भे तार्टिभ भाविक कृतिष्ठ (म्डसा शरीत ना

१। মদি একজ্ন ব্যতীত সকল প্রার্থী প্রার্থি-পদ প্রত্যাহার করিয়া থাকেন, তাহা হইলে করিশনার প্রেই একজ্নকে নির্বাচিত বনিয়া ঘোষনা করিবেন।

৮। মদি কোন প্রাথি প্রাথিপদ প্রস্তাহার না করিয়া থাকেন কিংবা প্রস্তাহারের পর দুই বা তভোবিক প্রার্থী থাকিয়া মান, সহা হইলে রুরুকারী বিজ্ঞপির রাব্যমে ক্রিমনার অনুরূপ প্রার্থিদের এবং ভাঁহাদের প্রস্তাবক ও রুমর্থকদ্র নাম ঘোষনা করিবেন, এবং পরবর্তী অনুদ্ভেদ্ররুহের বিধানাবনী-অনুমায়ী সোপন ভোটের মাধ্র নির্বাচন অনুষ্ঠানের ব্যবস্থা করিবেন।

3। निर्वाहन-प्रमाणित भूर्व यिष देवं जात प्रातानीय कान आर्थीत मृत्रु रम प्रदे लाहे किनु-कर्जा वाँरात मृत्रुत तिलाहें आणु रन, जारा ररेल लाहे किनु-कर्जा डेक आर्थीत मृत्रु प्रमुक्त निष्ठिक रहे यात्र भन लाहे छार्रीत मृत्रु प्रमुक्त निष्ठिक रहे यात्र भन लाहे छार्रीत मृत्रुत कित्रित उ किमिना निर्वाह स्म मिल्ल कार्यां न्यू किन्ना आन्मु रहे रव ।

30। সংসদ্-সদ্সাদের বৈঠকে ভোটগ্রহ+ অনু-প্রিত হইবে এবং কমিশনারের অনুমাদ্নকমে ভোট-কেন্দ্র-কর্তা কর্তৃক নিমুক্ত কর্মচারীদের সহামৃতাম ভোটকেন্দ্র-কর্তা ভোটগ্রহ+ পরিচালনা করিবেন।

>>। मः प्रत्न रेवर्रक छारेमात्तव ज्तु छेभिषुठ

ख्राला प्रश्नम् प्रमान (अदे व्यक्तिमाल "लाहेमाल" नाम अलिहिक)- कि आर्थीरम् नाम-प्रश्निक धकि कित्रिमा लाहेम्य धमान क्रा दरेर्द प्रवर् विनि स्म धार्थीरक लाहेमान क्रिल रेष्ट्रक, जाँदान नासम भार्य हिना-हिक मिमा व्यक्तिश्वलाद लाहेमान क्रियन ।

२२। ভाष्ट्रेभव वाजिल दरेत, मिप

- (ক) উহাতে সরকারী সংখ্যা ব্যুতীত এমন কোন নাম, শব্দ বা চিহ্ন থাকে, মাহা-দ্বারা ভোটদাতাকে সনাক্ত করা মাম; অথবা
- (খ) উহাতে ভোটকেন্দ্ৰ-কর্তার নামের দৃদ্ধুখণ না থাকে; অথবা
- (গ) উহাতে ঢেরা-চিহ্ন না থাকে; অথবা
- (ঘ) দুই বা ততোধিক প্রার্থীর নামের সাম্প্রেল্যা-চিহ্ন থাকে; অথবা
- (৬) কোন্ প্রাথার নামের পার্শ্বে তেরা-চিছ দেওয়া হইয়াচে, সে সমার্কে কোন অনিক্যুতা থাকে।

30। ভाष्टिश्वर्म प्रमाण्डित भन श्राह्य छिति सु-कर्ज श्राभी पत वा जाँदा पत अनु प्रमाप्ति श्राष्टिनिर्दि-एत सभी दरेख माँदाना छेल मिड्ड था किख रेक्ट्रक, जाँदा पत प्रमाप्त छा छित वा आ श्रामि भू नित्तन ७ भामि कित्रमा एक नित्वन, यवर अरे मर्विधालन ५१ अर्मु क्षिप्त अभीन आरे पत्र प्रामि प्रभामि छा छित्र विध छाष्ट्रे स्थाप कित्रमा या अनु स्थाप अनेना कित्रमा कित्रमा यवर अनु स्थाप स्थाप स्थाप अ

38। यिन प्राप्त पूरेकिन প্রার্থী থাকেন, তাহা হইলে মে প্রার্থী অধিক-সংখ্যক ভোট লাভ করিয়াছেন, তিনি নির্বাচিত হইয়াছেন বলিয়া কমিশনার ঘোষনা করিবেন।

>৫। মদি তিন বা ততাবিক-সংখ্যক প্রার্থী থাকেন, তাহা হইলে একজন প্রার্থী অবশিপ্ট প্রার্থিগন কর্তৃক প্রাপ্ত সর্বমোট ভোট-সংখ্যা অপেক্ষা অধিক ভোট পাইয়া থাকিলে তিনি निर्वाहिक इरेग़ाह्न विलिशा किमिनात धामना कित्रियम ।

36। यि जिन वा जलिक-मःभाक आर्थी भारकन थवः ज्यवाविक पूर्ववर्जी ज्यनु एक हि धरमान्ता ना रूम, जारा एरेल पर्वे ज्यक्तिल वर्षिक पूर्ववर्जी विधानावनी-ज्यनु मामी धननाम जिल्ले क्वा रहेर्द थवः थरे लिहेश्वर में क्वा रहेर्द थवः थरे लिहेश्वर में कमाम पूर्ववर्जी लिहेश्वर में का का का का स्मानिक वा प्राप्ती प्रविम्न प्रश्मिक रहा मान का का का मानिक वा प्राप्ती प्रविम्न पर्वे मान का का का का स्मान का स्मान का का स्मानिक वा प्राप्ती प्रविम्न परिष्ठमा रहेर्द्य।

३९। अयाविश्व शूर्ववर्जी जिन अनुक्तित्व विधानायनी-अनुयागी श्रासाक्तीग छाछेशुर्द पवर उ९ भववर्जी त्य कान छाछेशुर्द क्रिक्स प्रकन अनुक्तित्व विधानायनी श्रामाक्त श्रीता।

(क) यि माज पूरेज्न निर्वाहन था शिक्त ; अथवा

(च) यि परे उक्षित्तर २७ अनुक्ति एतं अभीन कान छार्छे ग्रद्ध प्रम-मश्युक छार्छे श्राष्ट्र श्रार्थी एतं सद्दे रहे छ धक्र कान का पियां श्रद्धां का र्या, जारा रहेल क्षिप्रज निर्माहत्तर क्रम वा ग्राप् पियां क्रम श्रार्थी वाहारे नहीं वी द्वां रहे वा।

20। कात छाटेश्वरतित भन छाटेशनेना प्रमाणु रहेत्न पवः छाटेश्वरतित कलाकल ब्रिज़ेक्ठ रहेत्न किम्मनान उ९क्कनी९ डेमब्रिंड व्यक्तिएन ब्रम्मू (भ कलाकल खामना कवित्वन पवः उ९क्कनी९ प्रवकानी विक्डिण्डि-माना जाहा खामनीन व्यवस्था कवित्वन।

২০। এই তফ্রিলের উদ্দেশ্যমরূহকে কার্যকর করিবার জন্য রাষ্ট্রপতির অনুমোদনক্রে কমি-শনার সরকারী বিজ্ঞপ্তি-দ্বারা বিধিমমূহ প্রন্মন করিতে পারিবেন।

তৃতীয় তফসিল

[১८७ यनुष्क्म]

শপথ ও ঘোষণা

>। রাষ্ট্রপতি— প্রশ্নন বিচার্পতি কর্ত্রক নিম্ননিখিত ফরমে শপথ (বা ঘোষণা) -পাঠ পরিচানিত হইবে:

"আরি,, সমদুচিত্তে শপথ (বা দৃঢ়ভাবে ঘোষনা) করিতেচি মে, আরি আইন-অনুমায়ী বাংনাদেশের রাষ্ট্রপতি-পদের কর্তব্য বিশ্বস্কৃতার সহিত পানন করিব;

আমি বাংনাদেশের প্রতি অকৃত্রিম বিশ্বাস ও আনুগত্য পোষ্ট্রন করিব ;

आि अप्विधातक क्क्रन, अमर्थन अ निवाभशा-विधान कतिय ;

এবং সামি ভীতি বা সনুগ্রহ, সনুরাগ বা বিরাণের বশবর্তী না হইয়া সকলের প্রতি সাইন-সনুমায়ী মখাবিহিত সাচর্ট করিব।"

২। প্রধানমন্ত্রী এবং অন্যান্য মন্ত্রী,প্রতি-মন্ত্রী ও উপমন্ত্রী— রাষ্ট্রপতি কর্ত্ক নিমু লিখিত ফর্মে শপ্রথা (বা ছোম্বনা) -পাঠ পরিচানিত হইবে:

(क) भरम्य भाग्य (या खाश्रना) :

"আমি, সশ্রদ্ধতিতে শপ্ম (বা দৃদ্ভাবে ঘোমনা) করিতেচি মে, আমি সাইন-অনুমামী সরকারের প্রখানমন্ত্রী (কিংবা ক্ষেত্রত মন্ত্রী, প্রতি-মন্ত্রী, বা উপমন্ত্রী) -সদের কর্তব্য বিশ্বস্থতার সহিত শালন করিব;

আমি বাংলাদেশের প্রতি অকৃত্রিম বিশ্বাস ও আরুগত্য সোমন করিব ;

पवर व्यामि जीनि वा अनुश्र , अनुश्राम वा विशासित वसवर्जी ना दरेशा अकलत प्रकि आरेन-अनुसासी स्थाविदिन आहत्न कतिवा।" (খ) গোপনতার শপথ (বা ঘোষনা):

"आविः, अश्रम्भिष्ठ अभिष्य (या पृष्णाय ध्यामनी) कवि छि एय, अवका दिव अने अने कि कि स्वा क्षिण प्रमें, अकि मन्ते, या जेल मन्ते (कि स्वा क्षिण प्रमें), या जेल मन्ते)-क् एण एम अकल विष्य आमाव वि दिव हमाव कि जा माने हरेदि या एम अकल विषय आमि अवले हरेदि या ध्याम अवले हरेदि या ध्याम आमि अवले हरेदि या ध्याम आमि अवले हरेदि या ध्याम आमि अवले हरेदि गारी ध्याम स्वाम अवले हरेदि मन्ते, या जेल मन्ते अस्मान कर्वा प्रामें कर्वा ध्याम वि खाम व

৩। স্মীকার – প্রধান বিচার্পতি কর্তৃক নিম্নুলিপিত ফর্মে শ্রুপথ (বা ছোম্বনা) -পাঠ পরিচানিত হইবে:

" আরি;, সশ্রদ্ধিতি কাপথ (বা দৃঢ়ভাবে মোষনা) করিতেচি মে, আরি আইন- অনুমায়ী সংসদের স্পীকারের কর্তব্য (এবং কখনও আহুত হইলে রাষ্ট্রপতির কর্তব্য) বিশ্বস্থতার সহিত পালন করিব ;

আমি বাংনাদেশের প্রতি অকৃত্রিম বিশ্বাস ও আরুগত্য পোষ্ঠ করিব ;

आहि प्रश्विधात्व वक्षन, प्रवर्धन अतिवाषणः विधान कविच ;

এবং आहि जीकि वा अनूश्वर, अनुवाश वा विवाशवा वसवर्जी ना दरेशा अकलव श्रक्ति आर्रेन-अनुषामी मधाविद्यिक आह्यन कविव ।"

8। ডেপুটি স্মীকার- প্রশান বিচারপতি কর্তৃক নিমুলিখিত ফর্মে শপ্র (বা ঘোষনা) - পাঠ পরিচানিত হইবে:

याप्ति वाःलाप्तरात्र युक्ति यकविष्र विश्वाष

ও आनूशजु लामन कविय;

आि प्रश्विधातत त्रक्रने, प्रद्यम् ३ नितामजा-विधान कतिव ;

এবং সামি ভীতি বা সনুগ্রহ, সনুরাগ বা বিরাণের বশবর্তী না হইয়া সকনের প্রতি সাইন-সনুমায়ী মখাবিহিত সাচরন করিব।"

G। সংসদ-সদস্য— সংসদের কোন বৈঠকে দ্দীকার কর্তৃক নিম্নলিখিত ফর্মে শৃপ্থ (বা গ্রোষ্ট্রনা) -পাঠ পরিচালিত হইবে:

" আরি, সংদদ্-সদ্স্য নির্বাচিত হইয়া সগুদ্ধ চিত্তে শ্রুপথ (বা দৃদ্ভাবে ঘোষনা) করিতেটি মে;

আঘি মে কর্তব্যভার গ্রহন করিতে মাইতেছি, ভাহা আইন-অনুমামী ও বিশ্বস্তুভার সহিত শালন করিব ;

আমি বাংনাদেশের প্রতি অকৃত্রিয় বিশ্বাস ও আনুগত্য সোমন করিব ;

ववः अश्अम- अम्ब्राङ्गल आसात कर्ज्युभानमत्क बुक्तिक खार्थित माना स्राचिक रहेल मिव ना।"

৬। প্রধান বিচারপতি বা বিচারক— প্রসান বিচারপতির ক্ষেত্রে রাষ্ট্রপতি কর্তৃক এবং সুপ্রীম কোর্টের কোন বিভাগের কোন বিচারকের ক্ষেত্রে প্রশান বিচারপতি কর্তৃক নিম্নুনিখিত ফর্মে শুপুম (বা ঘোষনা) -পাঠ পরিচানিত হইবে:

" সান্নি, প্রশান
বিচারপতি (বা ক্ষেত্রয়ত সুপ্রীন কোর্টের আপীন/হাইকোর্ট
বিভাগের বিচারক) নিমুক্ত হইয়া সপ্রদ্ধচিত্তে শপথ (বা দৃঢ়ভাবে ঘোষনা) করিভেচ্চি মে, আদি আইন-অনুমায়ী ও
বিশ্বস্তুতার সহিত আয়ার পদের কর্তব্য পানন করিব;

সামি বাংলাদেশের প্রতি সকৃত্রিম বিশ্বাস ও আনুগত্য পোষ্ট্রন করিব;

আদি বাংলাদেশের সংবিধান ও আইনের রক্ষান, সমর্থন ও নিরাপভাবিধান করিব:

थवर जामि जीजि वा ज्यनुश्चर, ज्यनुवाम वा विवालव वगवर्जी ना दरेगा प्रकलन श्रांजि ज्यारेन-ज्यनुमागी यथाविद्यां जाम्बनी कविता।" প্রথান নির্বাচন কমিশনার বা নির্বাচন কমিশনার
 প্রপ্রান বিচার্পতি কর্তৃক নিয়ুলিপ্রিত ফর্মে শৃপথ
 (বা ঘ্রোষ্ট্রনার পরিচালিত ইইবে:

" আরি; , , প্রশান নির্বাচন করিশনার (বা ক্ষেত্ররত নির্বাচন করিশনার) নিমুক্ত হিইয়া সন্তাদ্ধ চিন্তে শপম (বা দৃঢ়ভাবে ঘোষনা) করিতেচি মে, আরি আইন-অনুমায়ী ও বিশ্বপ্তভার সহিত আরার পদের কর্ত্ব্য পালন করিব;

আয়ি বাংলাদেশের প্রতি অকৃত্রিয় বিশ্বাল ও আনুগত্য পোষ্ট্রশ করিব ;

आि प्रश्विधात्मत् त्रक्षनं, प्रवर्धनं उ नितापडा-विधान कवितः ;

प्रयः आमात प्रत्कारी कार्य अप्रकारी प्रिष्ठाहरू युक्तिगठ म्नार्थन पुनरा प्रजाविज दरेल पिन ना।"

৮। মহা হিসাব-নিরীক্ষক ও নিয়ন্ত্রক— প্রাধান বিচারপতি কর্ত্বক নিম্নলিখিত ফর্মে শ্রুপথ (বা ঘ্রোম্বর্না) -পাট পরিচালিত হইবে:

" আরি, নহা হিনাব-নিরীঞ্চক ও নিম্নুক নিমুক্ত হইয়া সমৃদ্ধ চিত্তে শপথ (বা দৃঢ়ভাবে ঘোষনা) করিতেছি যে, আরি সাইন-অনুমায়ী ও বিশ্বস্তুতার সহিত আমার্ পদের কর্তব্য পানন করিব;

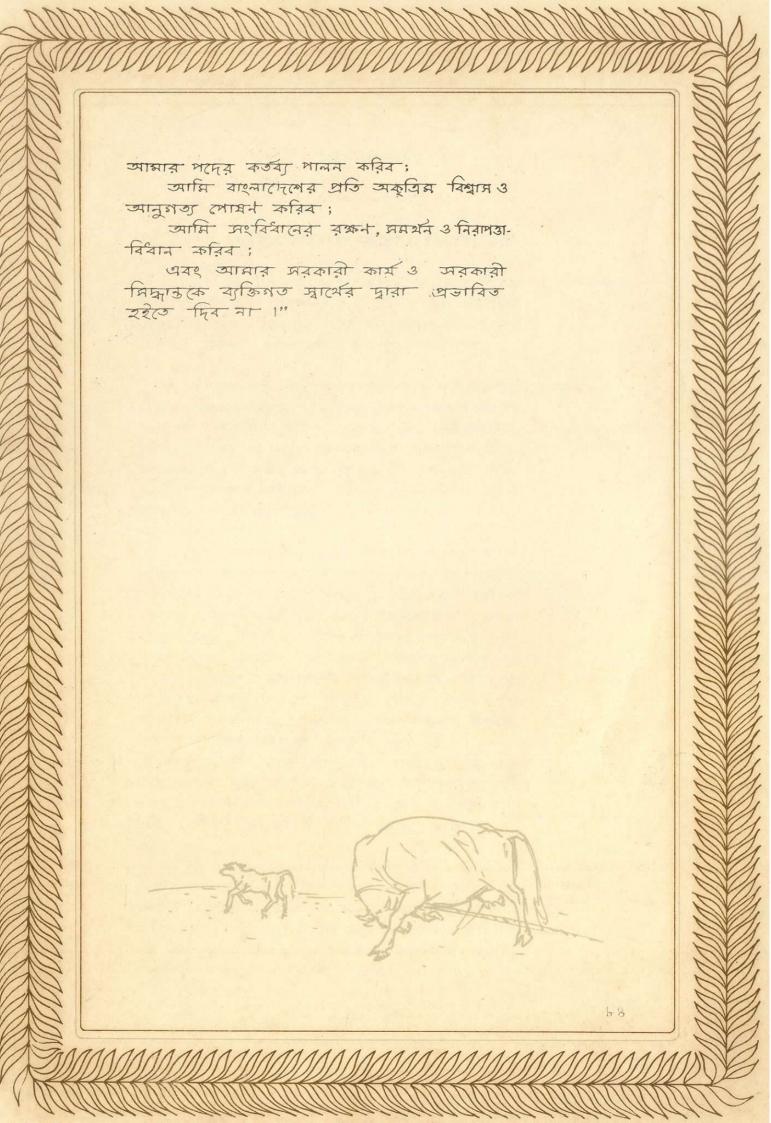
সাল্লি বাংলাদেশের প্রতি সক্রিম বিশ্বাস ও সানুগত্য পোষ্ক করিব ;

সোলি সংবিধানের রক্ষান, সমর্থন ও নিরাপত্তা-বিধান করিব :

এবং সামার সরকারী কার্ম ও সরকারী দিদ্ধান্তকে ব্যক্তিগত স্থার্মের দ্বারা প্রভাবিত হইতে দ্বি না।"

১। সরকারী কর্ম কমিশ্রনের সদস্য— প্রশান বিচারপতি কর্তৃক নিমুলিখিত ফর্মে শুপুথ (বা ঘোষ্ণনা) -পাঠ পরিচানিত্ হইবে:

" আরি; , , , , , রকারী কর্ম করিশনের জভাপতি (বা ক্ষেত্তমত সদ্দ্যা) নিমুক্ত হইয়া সম্রাদ্ধাহিত্তে শপথ (বা দৃড়ভাবে ঘোষনা) করিভিদ্বি মে, আরি সাইন-অনুযায়ী ও বিশ্বস্তুতার সহিত



চতুর্থ তফ্সিল

[১৫० जानुष्कृप]

ক্রান্তিকালীন ও অস্থায়ী বিধানাবলী

১। প্রজ্যতন্ত্রের জ্ন্য সংবিধান-রচনার মে দামিস্বভার এই গর্নপরিষদের উপর ন্যুস্ত ছিল, তাহা পানিত হও্য়াম এই সংবিধান-প্রবর্তনের দাঙ্গে সঙ্গে গর্নপরিষদ ভাঙ্গিয়া মাইরে।

গ্রন্সবিষদ ভশ্মকর্ন

21(>) अरे प्रश्वितान-श्वर्जत्व प्रव प्रथमिश्व श्रम्म निर्वाहन प्रमुख प्रश्मम्-प्रमुख्य -निर्वाहत्व कृत्य श्रथम प्रावेशवे निर्वाहन अनुष्ठिल रहेर्य अवर अरे छेष्म्भुप्रावेशव कल्ला >०१२ माल्यक वार्लाएम्स खालेव-जानिका ज्यादम्स (२०१२ माल्यक भिः ७. नर २०४) - अर्थवेन श्रमुख खालेव-जानिका अरे प्रश्वितात्व २०२० अनुष्कृत-अनुष्यामी श्रमुख खालेव-जानिका विस्ता भन् रहेर्य।

(२) प्रश्मित-प्रमित्र प्रथम निर्वाहतित उद्भिणप्रार्थनकर्तम १०१० प्रात्न प्रकाशित अ भूर्वजन आदिशिक भरिष्म भर्वतित उद्भिर्ति हिर्ह्छ निर्वाहनी
प्रमाकाष्रपृद्द श्रीमाना ध्रेट प्रश्विधातत् २५०
प्रमुद्दि प्रथमित किर्ह्छ प्रोप्ताना बिन्मा भर्गु
र्शेद प्रवः निर्वाहन किर्ह्मित प्राह्मित्र स्म रकान निर्वाहनी धनाकात् नाम किश्वा जाशात् प्रमुद्ध प्रश्क प्रश्कमा वा धानात् नाम भरिवर्जन किर्मा प्रवृक्ष निर्वाहने विकित्ति प्रमाका प्रमुक्ष निर्वाहनी प्रमाकाप्रमुद्द जिल्ला ध्रकाश किर्स्तन;

ज्य मर्ज थारक रम, अरे प्रश्विधात्त ५६ ज्यनुरक्तित्व (७) प्रकाम डेल्लिभिज प्रश्निन-प्रक्षात्त्व ज्यात्रन प्रकार्किज विधानायनी कार्यक्त कविवाद ज्वा ज्यारेत्व प्रावा विधान कवा यारेरा।

৩१(३) ३२१२ मालक २५८म मार्ह रहेल धरे प्रश्वित- खर्वर्जन जावित्यक मार्थु ख्रिनीज वा ध्रिनीज वित्रमा वित्विष्ठ मकन आहेन, मार्थीनजाव व्यायनीषण या त्या कान आहेन रहेल आहेवि या आहिल विल्मा वित्विष्ठि कर्जु अथीन अनुक्ष त्रिमालक मार्थु ख्रु प्रकन क्षत्रजा वा धाताबाहिकठा-तृकाः ७ जातुर्वठीः यावस्रावन्नीः क्छ जनन नार्य पञ्चाता अनुसामित उ प्रविश्व इरेन प्रवर छारा आहेनानुसामी मथार्थजाव अनीव, अमुक उ कृष ररेमाह्य विनमा धामित ररेन।

- (२) २०१२ जात्मत वाश्माप्तम व्यम् ग्रिश्म व्याप्तम वाल्म रहेगा माल्या प्रख्य धरे मरिविधान विवास विवास
- (७) यहे प्रश्विधात्व त्य विधान प्रश्मात्व उपत्र उपत्र व्याहेन- धन्म प्रत्य क्षमण उपामित्व व्याहेन धन्म प्रत्य क्षमण उपामित्व व्याहेन कि विधान वाहुँ पिकिक वा देव विधान वाहुँ पिकिक व्याह्म व्याहम व्याह्म व्याह्म व्याह्म व्याहम व्याहम व्याह्म व्याहम व्याहम

8। () परे ज्ञारिवाति । ८० अनु एक एत्य अभीन नाषु भिकि-भिक्त निर्वाष्ठि कान गुक्ति कार्यज्ञ । श्रुष्ट्रीन ना करा भिर्मनु परे ज्ञारिवान-श्रवर्णत् न् अवप्रविश्व भूर्य मिनि नाषु भिकि-भिक्त अधिकि । हिलान, किनि छेक भिक्त वशास थाकितान, त्यान किनि परे ज्ञारिवालन अधीन नाष्ट्रीभिकि-भिक्त निर्वाष्ठिक रेरेगाहिन;

ज्य मर्ज थारक त्य, वर्जमान अनु हिष्त अवीन अमिश्विकान अरे प्रश्विवातन ७० अनु हिष्प (२) म्यान डेल्स्भ प्रमावनकल्स भने देश ना।

(२) अटे प्रश्विधातिन १८ व्यक्त एत (२) प्रमा-व्यक्त प्रामी प्रभीकात उ एक्षु कि भीकात निर्वाठित न रुक्षा भर्मन अटे प्रश्विधात- श्वर्यत्व व्यव्यविष्ठ श्वर्य याँ राजा भर्म मित्र प्रमा का उ एक्षु कि भीकात न प्रमा व्यविष्ठिक कि स्मान, प्रश्मम कि न रुक्षा प्रस्तु व्यव्यक्त प्रमा प्रमा विष्ठ न रुक्षा प्रस्तु व्यव्यक्त प्रमा प्रमा विष्ठ न रुक्षा प्रस्तु व्यव्यक्त प्रमा प्रमा विष्ठ विषठ विष्ठ विष

রাষ্ট্রপতি

श्रंथानमञ्जी अ अन्यानम् मन्ती

©। এই সংবিশানের অধীন প্রথম দানারন নির্বাচনের পর এই সংবিশানের ও৬ অনুচ্চেদের অধীন প্রশানয়ন্ত্রী নিমুক্ত না হওয়া পর্মন্ত এবং তিনি কার্মভার গ্রহণ না করা পর্যন্ত এই সংবিশান-প্রবর্তনের তারিখের অব্যবহিত পূর্বে যিনি প্রশানমন্ত্রীর পদে অধিষ্ঠিত চিলেন, তিনি উক্ত পদে এবং উক্ত তারিখের অব্যবহিত পূর্বে মাঁহায়া মন্ত্রী-পদে অধিষ্ঠিত চিলেন, প্রশানয়ন্ত্রী ভিররণ নির্দেশ না দিলে তাঁহায়া সেই সকল পদে বহান থাকিবেন, যেন এই সংবিশানের অধীন তাঁহায়া দ্ব দ্ব পদে বিমুক্ত হইয়াচ্চেন; তবে এই সংবিশানের ও৬ অনুচ্চেদের কোন কিছুই প্রশানয়ন্ত্রীর পরামর্শক্রের অন্যান্য দ্বন্তী - নিয়েগে নিমুক্ত করিবে না।

বিচারবিভাগ

- ७।(३) २०१२ माल्य अम्मि प्रश्विधात विवाद आदिए मुना भिष्ठ हारेकाटिंद अधात विवाद भिष्ठ-भिष् मित प्रवर अनुपातु विवादक-भिष् मारा परे मर्विधात-भ्रवर्जत्य अविध्यय अवुविश्व भूवि अधिकि हिल्ता, जारावा डेक अदिश्व रहेल मु मु भिष् वराल थाकित्य, यम जारावा परे मर्विधात्य १० अनुष्कृत्य अधीत (भाषा अधीत विवाद के अपूर्व वरात के अनुष्कृत्य अधीत (भाषा अधीत विवाद के अपूर्व वरात वर्ष मित्र स्था रहेगा हिन।
- (२) परे प्रश्विधात- अवर्जतत कात्म माराजा धरे जनूरक्रात्व (२) जेम-जनूरक्र्म- जनूपात् विहातक-भाम (अधान विहात्मिन वुजिज) अधिष्ठि इश्मिक्त, जाराजा रार्रकार्टे विज्ञाल नियुक्त ररेमारहन विनम्मा भन्त ररेवन प्रवर परे प्रश्विधातत् २४ ज्यनुरूप-जनूयामी जाभीन विज्ञाल निरमाभमान क्रम ररेवन।
- (७) परे अनुष्हिएत (१) छेल-अनुष्हिए छेल्लिशिव आरेनशव कार्मभावा युठीठ परे मरविधान-भ्रव्यंत्र जातिएभव अयुविद्य भूदि राहेकार्हित स्म जकल आरेनशव कार्मभावा मीमार्आभीन हिल, जारा राहेकार्ट विভाश अग्नानु विठ रहेरा ७ छेळ विভाश मीमार्मभाभीन विल्ला भन्त रहेरा प्रवर्ध परे मरविधान-अवर्धनक भूदि अन्छ राहेकार्टि विভाशित काम वा आएक राहेकार्ट विভाशित काम वा आएक राहेकार्ट विভाशित प्रावा अन्छ वा कुळ वाम वा आएक अग्रा उ कार्मक वा लाज कित्र ।
 - (৪) মে সকল আইনগত কার্মধারা এই

प्रश्विधान-प्रवर्जनं जावित्यं व्यवावित्र पूर्व शहे-त्कार्टें व्याणीन विज्ञाल प्रीमार्माथीन हिन, पर्टे प्रश्विधान-प्रवर्जन शहेल प्रे प्रक्रम कार्यवा निश्वित् कृत्र व्याणीन विज्ञाल स्नाना तुत्र शहेरा प्रवर पर्टे प्रश्विधान-प्रवर्जनं पूर्व शहेकार्ढें व्याणीन विज्ञाल कर्ष्ट्रक प्रपद्ध या कृष त्य कान नाम या ज्ञात्मण पर्टेक्स क्षमण अ प्रक्षिम्ल नाज कित्रत, त्यन जाशा जालीन विज्ञालव मृत्रा प्रमुख या कृष्ठ शहेगाहा ।

(७) परे प्रश्विधात्मक् विधानावनी प्रवर

अन् कान आहेन -प्रात्मक

(क) या प्रकल आिंग, आभीन ७ अगाग प्रथितां ३०१२ प्रात्म वाद्नाए स् अशामी प्रदिश्चान आप्तम नद्वां ना कि शही प्रदेशन आप्तम नद्वां ने कि शही प्रदेशन आप्तम ने कि शही कि शही कि शही प्रयाम प्राप्तम कि शही प्रथितां कि प्रयाम प्राप्तम कि प्रयाम क

(थ) अरे प्रश्वित्तान- श्रवर्गतंत्र अवाविर्ज शूर्व अथिक्रांत्र अ कार्यक्रमाज- श्राण्णान-त्रज प्रकल (मञ्ज्ञांनी, क्लोक्सांती अ त्राक्ष्य आपाल अ द्वेरित्राताल अरे प्रश्वितान- श्रवर्गत रहेल म्र प्रथिक्षांत्र अ कार्यक्रमाजा श्राप्तां कित्र शिक्षांत्र कित्र स्वारांत्र अनुक्षा आपालक अ द्वेरित्राताल - अमृरहत विजित्र भए अधिर्विज हिलान, जाँशांता म्र म्रु भएत वहाल थाकिरान ।

(५) अवसुन आमान सम्मिक् पर्दे महिर्विवातन मर्थ जारान रेम मिल्लिम् विवान वनी मथानीष्ट्र मस्त्र वासुवामिक करा रहेर्द्र प्रवेश कारा वासुवामिक करा रहेर्द्र प्रवेश कारा वासुवामिक ना रहमा मर्मन डेक मिलिस् विकि विश्वमादि अरे महिर्विवान ध्रवर्णत्व अवग्रविक सूर्व प्रकृत निम्निक रहेर्ड, आहेरान मृत्र धरीक पर्दे प्रकृत विवान मालिक जहा प्रदे कारा निम्निक रहेर्ड थाकिरा ।

(१) धरे व्यनुष्कृत्त्य कान किहूरे कार्यशता वाजिल इउगा प्रमार्क कान अवितर वाहेरनव কার্মকরতাকে প্রভাবিত করিবে না।

9। बार्नाट्म्ल्य वाष्ट्रीय मीमानाय कार्यव् आमोलं अधिकाव कान रारेकार (२०१२ मात्नद बार्नाप्य रारेकारि (प्रश्लावती) व्यात्मलाव (२०१२ प्रात्मव भि.उ. नर् ०)) व्यथीन भठिक जामीन दिलाभ बाकीक) कर्वक २०१३ जात्नक मार्ड मारमक अथम पिवम रहेल अपन कृज वा खात्रिज त्म त्कान वाम, जिक्री, व्यादिश या म्राउत विक्रा प्रमम्भाज त्म रकान वादा प्रदूष मुखोग कार्टिंग जाभोन विভाश जाभोन क्रा यारेदा ;

তবে मर्ज थाक त्य, परे प्रश्विशासन २०० अनुस्कृप रारेकार्ट विज्ञाल रहेळ आलीत्मव स्वता रममन अयाब्य रम, डेलवि-डेक य कान आलीलव क्षित जारा मिरेक्स श्राका ररेत;

তবে আরও শর্ড থাকে মে, এই সংবিধান-अवर्जन जारिय रहेल नसरे मित्र मणाम उंडोर्न रहेल अनुस्म कान आमील कहा याहेरा ना।

৮। (১) এই সংবিধান-প্রবর্তনের তারিথের অব্য- নির্বাচন কদিশন বহিত পুর্বে , কর্ম্বত নির্বাচন কমিশন উক্ত তারিখা ररेल और मरविधातक पाता अणिकिन निर्वाहन कांब्रम्य विस्मा भनी इहेरवन ।

(१) परे अर्विवान-अवर्जनत जाविष्यत ज्या-विश्व भूर्य मिनि अथान निर्वाहन किमनात्व भए प्रश् भाँराजा निर्याहन किविमना (वृत् भए) अधिष्ठिङ कित्मन, डेक अविभ रहेए जारावा म् मु नप् वरान थाकित्वन, त्यन जाँरावा अरे मः विदातन अवीन अनुकाल लिए नियुक रहेशारह्न।

) (३) परे मः विधान- ध्रवर्तत् वावि (ध्रव् अयुविश्व पूर्व कर्ववं प्रकाती कर्म किम्मन-अमृश डेक जातिभा रहेल परे मर्विवासव अधीन প্রতিষ্ঠিত अवकावी कर्स कविसन विलिमा अनु ररेखन ।

(2) परे प्रश्विधान- प्रवर्जन जाविष्यवं अवा-यहिङ भूर्य यिनि कान अवकाती कर्म क्रिमान्त अजामिक वा अना कान प्रमुखात भए अधिर्विक

अवकारी कड़ी

ছিলেন, উক্ত তারিখা হইতে তিনি দ্বীয় পদে বহান থাকিবেন, যেন তিনি এই সংবিশানের অধীন অনুরূপ পদে নিমুক্ত হইয়াছেন।

১০। (২) এই সংবিধান ও মে কোন আইনের সরকারী কর্ম বিধান সাপেক্ষে

- (क) अर्च अर्शविद्यान-श्रवर्जतात् जाति (भ्यत् अवावश्रिक भूर्य श्रकारातुत् कर्मा वर्क राम कान वाकि छेक जातिश्व रहेराक श्रीम कर्सा वहान थाकिरवन अवर और अर्शविद्यान-श्रवर्जनात् जातिस्थात् अवावश्रिक शूर्य जाँदाव (कर्माव्यक्र) राम अर्जावनी श्राम्माभाषा (कृत, जाहा अभविवर्जिक थाकिरवः;
- (था) अरे प्रश्विधान-श्विष्ट्रंत्व व्यव्यविष्ठ शूर्य वाल्लात्त्त्लात् वाष्ट्रीय प्रीमानाय मासिञ्चलान्ववक प्रकल विषावविज्ञातीय, निर्वाही उ समुनाल्यात् कर्ल्लक उ कर्मघाती अरे प्रश्विधान-श्वव्यत् रहेल मु मु मासिञ्चलान्य क्रिक्ट थाकित्वन।

(२) धरे अनुष्कु (मद (३) डेभ-अनुष्कु एव कान किहुरे

- (क) २०१२ प्रात्मव वास्तापिन प्रवकार (कर्म-विजाशप्रशृष्ट) आपि एमत (२०१६ प्रात्मव नि. ७. नः ०) किश्वा २०१२ प्राप्तव वास्तापिन प्रवकात (प्रार्जिपक मुनिस्) आपि एमत (२०१२ प्राप्तव नि. ७. नः ७१) प्रवाहित अस्मार्थ वादाश्चनार कवित ना ; अथवा
- (भ) धरे प्रश्विधान- प्रवर्जतन भूति कान प्रमाप प्रकारतन कर्म निमुक व्यक्तिमान किश्वा धरे स्नूष्क्रित्व कर्म विधानावनी स्नूमामी प्रकारत्व कर्म वर्षानावनी स्नूमामी प्रकारत्व कर्म वर्षान व्यक्तिमान कर्मा (भाविधानिक, हूि, स्रवाम् विभागि प्रकार अधिकान उ म्थ्यनामूनक विभागि प्रकार स्थितान क्रिया स्वाचिन क्रिया स्वित- प्रनेमन करा रहेल विवर क्रिया स्वाचिन क्रिया ना।

১১। अरे मश्विधात्मक कृत्रीय जम्मिता स्य সকল পদের জ্ন্য শ্রম্ম বা ঘোষনা পাঠের ফর্ম निर्दादिक रहेमाहि, प्रिटे जकन भए परे व्यवित्तर अवीन वराल थाकिरवन, धमन (य कान गुकि भरे प्रः विधान- अवर्जन मन यथा भी यु अमुय यथा यथ याक्तित प्रमास्थ अनुसम कत्रा ममथ वा धामना मार्ठ करित्वन उ माम्यामा वा (घामनामा वाक्रव-पान कवित्वन ।

পদে বহান থাকার জ্ন্য শপথ

>2। अरे अर्वियात्र ७२ अनुत्कृत् डेन्लिभिङ मानीम नामन-मरकातु अिर्छानमधूर भठेतक कृतु निर्वाहन अनू छिठ ना रुउ मा भर्म परे परे प्रश्वितन-প্রবর্তনের অব্যবহিত পূর্বে প্রজাতন্তের বিভিন্ন श्रमामिक अककाश्मा अविनय अभाविक गुग्या आरेत्रव माता अभीठ भविवर्जन-प्रालक अवगर्ज थाकिरव।

ख्रानीम भावन

১৩। এरे प्रश्विधान-अवज्ञान अवग्विश्व भूर्व कतालाम वाल्नारम् वनव त्य कान आहेत्व अधीन वाला-भिज प्रकल कर 3 कि अयार्ज थाकिय, ज्व आरेत्नव पाता जाराव जावजना वा जारा विरेज कवा मारेल भावित्व।

38। प्रश्मप व्यमुक्तम विद्वाद श्रश्ने ना कता भर्मेतु परे मः विधान- धवर्यत्व काल विज अर्थ-यरमात्र कारा परे मरिविधात्र ५१, ५२, २० उ २> अनुरकुए प्रयूर्द विधानायनी कार्यकव रहेरा ना पयर प्रश्युक ज्राविम वा अक्राज्युत प्रत्काती रिप्राव रहेल त्य नुम करा रहेमाह, जहा रिर्थ-जार नुम करा दरेमारू यिलमा भने दरेख;

অনুবৰ্ত্তী আগ্ৰিক ব্যবদ্যসমূহ

उत् नर्ड भारक त्य, वाद्येणि यथानीय असुंव जांशत आक्रत-माता अमानीक्ठ अनू क्ष प्रकल गुर्ग्व अकि विवृष्ठि प्रश्माप डेमप्रामे तव वावमा कतिर्वत।

>©। परे प्रश्विधान-अवर्णत्व कात्म क्रिंग्ज् অর্থ-বংদর ও তাহার পূর্ববর্তী বংদরগুনির হিমাব अभारक परे प्रश्विधात्मक अधीन प्रशा रिप्राय-नित्री-कक 3 निम्तु (कर कमजाबद्दृश आर्मा अरामा मा ररेख अबर प्रश रिप्राव-निज़िक्क उ नियुक्त

অতীত হিলাবের निवीका

अनुक्रम रिकाय प्रमार्क वास्त्रेमिक निकटे या विलाट लिम कवित्यत, वास्त्रेमिक जारा प्रस्माद डेमम्मामित्व वायम् कवित्यत ।

১৬। (१) परे प्रदिशान-श्रवर्जन् अवाविश्व शूर्त मि मकन प्रमाखि, भविष्रमाद या प्रञ् श्रीश्रकाञ्ची वाश्मादिश प्रवकाव किश्वा डेक प्रवकारवव भर्म कान याकि वा कर्षिक्षव छेमत नामु हिल, जारा श्रकाञ्च डेभव नामु रहेर्य।

नामु ११(व ।
(२) भरे प्रश्विधान- भ्रवर्गतन अगुविश्व भूर्व अङ्गाउट चुन प्रत्नात्त्र त्य प्रकल प्राप्त-प्राप्तिष्ठ अ वार्षेत्रवार्षक जा हिल, जारा श्रक्शाउत् व प्राप्ति अवार्षेत्रवार्षक जाक्ता स्वार्थक भाषा- प्राप्तिष्ठ अवार्षेत्रवार्षक जाक्ताल स्वार्थक भाकित्व ।

(৩) বাংলাদেশের রাষ্ট্রীয় সীয়ানায় কখনও কার্মরত কোন সরকারের কোন দায়-দায়িত্ব বা বার্যবার্থকতা প্রজাতন্ত্রের সরকার সাষ্ট্রল্প গ্রহন না করিনে তাহা প্রজাতন্ত্রের দায়-দায়িত্ব বা বার্যবার্থকতা নহে কিংবা হইবে না।

39। (э) वाश्माद्याल वनवर त्य काम आहेतव विधानावनीत्क अहे अश्विधात्मक विधानाचानीत् अहिक आझक्ष्मपूर्म कितवात् छेष्म्ला परे प्रश्विधान अवर्जतत् पूरे वर्ष्मत्वत् प्रत्या वाष्ट्रेषिक आप्तात्मव माना अश्वाधिन वा निक्रकत्तित् प्राध्या अनुन्त्र विधानाचानीत् आसाक प्रश्लाधन वा निक्र कित्रिक भावितन अवश् अनुन्त्रभावत् अभीक त्य कान आद्या प्रकारमक्ष कारिक हरेल कार्यक्र हरेल भावित।

(२) परे जरिवान- ध्रवर्गत्र यूर्व छ ह-निज अमृग्नी जारिववानिक व्यवमृत्त रहेल परे जरिववानि विधानविन्त छेष्ठ स्त्र क्रिनु के मृज्ज त्म कान असूर्विवा मृशेक्यत्न छेष्त्र माद्रिक आप्ताम मृश्नी नित्त मृति क्रिक्त भावित्व आप्ताम मृश्नी नित्त मृति क्रिक्त भावित्व त्म, अनुक्रम आप्ताम निर्मादिक प्रमाप्त क्रिनु जाराव विविचनाम प्रक्रम आवन्यक वा असीहीन रहेत्व, प्रमहेक्त भविवर्जन, प्रत्याक्त वा भविवर्ज्य मार्वेद्राम भ्रद्रीक छेष्ट्याभीक्रान- प्राप्तिक परे प्रद्र-विधान कार्यक्र रहेत्व;

उत्य भर्ज थारक त्म, अरे प्रश्विवात्व अवीन

সরকারের সদ্পত্তি, পরিসদ্পত্ত, স্থাস্থ্র, দ্যুমদ্যুমিক্ত্র ও বাব্যবাধকতা

आहेत्तव डेनायानी-कतने ७ अमुविधा पृतीकत्नने शिक प्रश्मित श्रथम विकित्तर भर प्रमूस्भ तिन प्राप्ति जारी करा रहेत्व ना। (७) धरे प्रश्वितात्तर प्रना कान विधान प्राप्तु धरे प्रमूक्तिम् प्रथीन प्राणुकि प्राप्ति प्रश्मित् केमित्र करा रहेत्व धर प्रश्मित प्रारंति प्राप्ता जारा प्रश्मितिक या रहिक रहेळ भाविता।

(अम्मूम्पूर्व ३२०१३

(अएव क्वा क्वान्य)

जावद्यान जाराह्य

(ल्प्डिस्स स्वर्धे म्यू)-

matria Censicus, mileut

sissen Junis Mary

(मण्युरीय- उत्तमानक्ष्याम

(ELEGUNG MERCAN)

BUE rear Bolin mars

みなかいろうなかしのからの

SARRY ZIVA

EUL RYTHE

grown crising

- Grane - vise & Burton -

MINNE SE

कि दे विश्वास

Ossay Lord Gros

(2000 Dung ming)

(THANKIN) - (WANKIN) - (WANKIN)

- My Thirds butter.

OF CONTRACTOR

mothezuna Moto som Mil 2m2mvam त्याज्ञान कार्या मेर्ड्या रहः ग्यां अनुस्ति : भ्र Erenipies ser Early on me sun sur the हिन्द्रमान्त्रकार्यकारी अस्त्राती जिलाहान 3 spis etang 8 mo N26/2 (andre gen (andre)-28030. 1 & m/m 1 Wy 2000 12 2 ml 2001 Col 201 avenila. ממשה אשוני בוב יהרישי greste struct PL: The remed (32 min on seaousis osno (gg)surggens not with - dien Charlins serve grade derso Essa physicist physicist is a physicist in the physicist in th In: hojana Tuempio monera Avay w Loto in -

CHANT OUTGET MAN There mens about anem me ार्षेय मध्याना त्राम्नी--3NBV B3282 (मार्जिस अस्तु अ-- soils क्षाकाय खेडा Verses regar water Indforms offand-उप्रकार महांच्य भेरतार gooderales. उत्तर करिय प्रक्रमानी जाः रेगड्र भट्टांड Ingw muy 2012/192 38/1935 प्रकार आवर महरू Gregar zamidel. Traza Ingla 37ch Trala 61825 m Ingla 61825 m Ingla myle zulturé mog or sures TOUR MANUEL CONTROL ON THE BUNDANT BUNDERS

Justins missing Sugare -107- \$ 618 UN: NE 4 Karles randi grend others and que by 2000 delu suden elaste graen. TOD NO JAM Confor Emil ज्यात्रम डमम्म व्यम्भित्र मण्डित Ornesto Cerusina. कार्य में हे के अपन कर में स्प and and wanta Thousand John TANS ZEMS (4) - 21/4 STAND WIN WHI grå will Haly उत्रमिक्स द्यमभ Journal Series अश्रीन-(श्राधन oto shara Lasyem ज्यात्मवंत्र द्रभण्यमshe comons in MESUL 1923-1 -mardlessen-

(meneral colin - ill consider of the content (supering (supering) Ourse desur ous cursos अभारत व्यापार व्याप्त व्याप्त प्रामम सर्वे र Moneyma CI -1-10, REWORMSI. त्यान्त्री स्त स्त स्त WINNE WORK INCHIEN, EN, EN, EN, EN System surge consent T, TEGERMAN WORLD asserver your und ~ Your were a wildow " w" our JOH DR. Grown or Briterrans oury warred 2 Copies sources OMER SON SON Wregard an Groundson Mumbers, (म. त्क. मडर. अल्डर्स्ट्र मर्यू Brenen and gream an bisison Sunt 7. 10. 2x men 327 Zarazh M 3 mam 7. (4. 181, mund 450 and make a त्रीलाम अध्याम किरेटी

29

MONE WIMMONDED ELD 2, (a, 21, अवाद 25ml 934, जी उद्भी भी देख Any 200 -एएड कुरडिंग्ट म्यून १४१८ र यह देश Bol In step 28/20/92 87350 03 AM 32 matta 22 hrv - 8/22/92 अरः ५४रः ५, कालाक GAT. G. 27(24 (20 NATO) JANGEO (24 GAMMA) 28/22/92 Ass. I, on constant अस्माय सर्वतांत्रं व्याच्या (भ्रष्टिंग) अम् प्राहेप 2012 3 1mm constern न्यम् १०५७म्म FRENET, R. WELT SHE C737 मा अराष्ट्रह क्ष्मित्र क्ष्याति क्ष्य रथ्या देशान कार्य वार्य स्थार्थ Oresis Emes Co क्षांत्वारं दम कार्डेड 73. 25 right shot るい

26/20 ELY 4 3 MAN EN SW 2002 (62) -- soly per usserve rues owner born १००विष्ठाविष्ठ व्यापाः न्यान द्वार न्यान 1000 JONDUNE WHITOPS)- (MULLINO CUME THINGvocams amonderes our forms : NO 18891 MARIE AND LE DON A MUNICIPAL MARINE यमम् मामा क्षेत्रामा क्षेत्रामा क्षेत्रामा क्षेत्रामा मिक्षितं हत्ते प्रकार हो। हिमाणपत के हिल्ल (36,77, Brinds is me Commer Consolan ansus Los m zahum Cumbus Syristis 20-42-00- LAZIANTZW BANKIN JEWY ZHOWF अभी मिरिया हिर्द्या हिर्दा हिर्द्या हिर्या हिर्द्या हिर्या हिर्द्या हिर्द्या हिर्द्या हिर्द्या हिर्द्या हिर्द्या हिर्या हिर्द्या हिर्द्या हिर्या हिर्द्या हिर्द्या हिर्या हिर्द्या हिर्या हिर्या हिर्या हिर्या हिर्या हिर्या हिर्या हिर्या हिर्या हिर् swine (promis- event Gran AMANING ARAL-

おか

स्थित्राम् र्डारा र मेह्न प no pur Bayun in खिन्द व्यभाग Lion answer - Copy - (and (1) 4) (or ceasidanger र्येवम रूपमार त्मर्थ -क्षित्रकार्यां क्षेत्रका क्षेत्रका मिलाम- ये क्रीन व्यक्तम-ล้องพว่าเสรา-22' अस. पड़ार अकार है खर एक्सी-Hongomes - morne my Epolot was zur glass of Bran Thangs comerin another-किल्लाक्ष क्रास्ट्रक्त - WE Europen gran Lamoreros Carara solzer. 203 MJ - 35504 -8432NJOND YENDONZ Judinisabrusan (mine) your 2/03 212) - more source यात्र प्रधारमा हाम जीत्र र १३४१व गाँव

200

Ouzusigizaise vidhödrum 21: Alahis-amm surumings- Alexi Emer राः स्त्र मेरिया राष्ट्रिया yell and a rough था: 3 द्वार वी उट । स्थार (प्रथम क्षेत्रीgrago-ansm-71: ENGLE OLENE igo suga sapio Socarrines र्थृहः द्रेपाञ डेम्पिन आदानीनक, 1. (mas or Rowlan. of Expla Outstrated May Langomy. 4341964) 20 mas (6H2) - fayenress 127/400-Lide Duradulo 15 Way prope (grammer son seria) The Mahmer of the Canadan on-

909

ENGLACIONEMONEMENT FREM NEWAN WARENA) The course was ENDERONE ERMA ित्यां (जार हिलिन देशकर 100 stuc : 1851 Surger 22, 2, 2068 en mark siste (HMBro (SMATA STENIED) (N: Dron of OTIGHM) - Just we tailed 24, 2, 更为对 Chi gram grand. Chi, swam sun, Carton oray of 2 SAN MAN ्याः क्षित्रकु म्या भवतः । व डालामी िमः ज्याप्रकेत इमला ग्रम our our row & show . NV 31: (211: Mars 12, 2 The entry of BICHT Chimans 204

be: marmounder. ट्रिया क्रेम्ड्राक (अध्यक्ष्य अर्ड क्ष्य कुर्म सर्थ रक्षाः र्याप्टर 1822: 5842 JUST (EN: Bernoymen strait earle inth CM: Court was noon TN: 32 Juny (भः दुक्क द्यार । सा मव्यारियमाम CMI M2 वं के साम (उराधारमा प्रकार्ष्ट्र) (2) FUSANT SAND CO. 27 P. 19 (2) F. 10 SANDA CO. 200 P. 1)

BUSINEW SMENT OR. 300 DEFENDENCE CO. 300 S. 100 P. 100 ्याः दिशाविक्तिम्हाराज्य (साः सर्वेत्रम्य दिलाको (24: 200 spormer (mi: 12 mos-conser cools) (ZUZ 1: / Hris or operation (Pu. Diamare (आ: 1000 (राम्य दाम: दामला (काल २ क COC

ट्याः इष्टाचित्र Mostly and July out न्द्रारः एमर्ग्यर्यक्रम्भी PH: ENMLOSCIENTA-2 Jasistus, Luna (24: 240hz sul-Janouran Buroti (Mis Teletarne oro and PALLS) - 40 sum (A) : 25 (eu: (Eusemer 3m)4 y Massen washing BU: Syste good form and sound destigues o the - the but & Sites - hing - hing - Minuy minutine Mag-(gr. menden 3% join. (tussen guestes isner (M: moun me nt. Bu: suchina seems (उप: अपराम्मु (उप्राप्त क्षित्रका) हायहार कुर्मात (अर्थाय स्व (Th. in hour our one Phusher Custon gustan

BARSWAN KING Shis as - (met withe mostere) ENEWAY CHANDLE TENT My 182 12 East Strake (DI SAM - SHEYN MENON BUTUR- 33 ST T GOOD) -िरायमा मार्गिक (21/2/18/11 3/2 y sur, 1.0) BUS 134 3-1 3 mount ounts. 25 2 20 20 -(आरहासाम् आस्मिप् 43 28 20 - 30 -A: CENTICAN. 3 SHIPLER worder sympale. ELESAETAN (SALVELER OS २२वी गर्भेज हिंगां र यथाय anginta Lonan MOST Blocker . LAND: EL ad my mars bourse mosmulaterestly (1321-8-61/2008) दियाः इधवीरीक त्यांच्यी त्यांच्या व्याप्यस्य socks whilesays was engl व्यनम् (द्वारा द्वारा द 200

Law Summer of Sto XMIC WARDSHOT vig 2 in no man Des Cou Reman Edua-- armane who an' 2) 3 12 m mi mi Hampentermet. - 10 \$ 20 m m (19 5 2) -PRINT BUNDANTURAL ERLED MEENWARD arrest away are warm असि डिप्पूर व (विकार) sur more alle MEND ELOLENS BAIR उपाई (स्प्रध्निम क्रिक्निमung so amon ry XV12 राषित्रक्राणा - हिहैशि खिलाह म्प्रीमिट EMS 25 25 25 2009 राध्राप्त (क्रास्ट्राट्य) महाराष्ट्र 21: Carr Walder James Carlor and my (the shapes burnelay

200

(सर: अग्रह्मserver Exercit Chronum (y is sisten 1 22 Mars Mars Runding outrous Male eme gray-War Oba Smeyson-आक्राकीय किया 31: = wx. (mxxxinglyon. Thusse chever on Ered harme Cyn Immissi & (suby 21 Care de out-ALED & LOGA - LESSA (Rish recommendations) आभाष्ट्रिक इंडिम्म - ONENENENS -EN: ENDE SULTANA CITE ENS ८ सम्प्रित स्था है अपने स्था है अपने स्था है । स्था है अपने स्था है । स्था है अपने स्था है । स्था है । स्था है (Zurd Maerty notinent Jam Jam Jam Land Jam Hander Telewar Son Mucholaphery Jass Trades Jacory

un 3mmo Brumi 5 (20) wen Sawa and aunder fune redict 20001 NUM -Dung Sunsoluty 2003) 22 Dec 2 8 ho 27 3 Not (3 th in 2 dury on my my 51: 1873 paray 316m 10: 300 (2000 2110mr)

hours Juma- Du Mi-

्ञ ज्ञामञ्जा १ হাশেম খান

লিগিকর ঃ এ, কে, এম, আবদরর রউফ

ज्ज्ञावधानः जग्रन्त जारवणीन

জ্বনাব্ল ইসলাম সমরজিং রায় চৌধ্রী আব্ল বারক আলভী

চামড়ার কাজঃ সৈয়দ শাহ্ আব্ শক্ষি

भ्रमणः वाश्वादिश्य अवकाती भ्रमुणानम्

(নকসী কাঁথা মনুদ্রণঃ ইস্টার্প রিগাল ইন্ডাস্ট্রিজ লিমিটেড, ঢাকা)